हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 जून, 1999

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 25 जून, 1999

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
घोशणाएं–	
(क) अध्यक्ष द्वारा	(1)15
(ख) सचिव द्वारा	(1)16
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)17
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(1)18
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(1)19
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र	(1)
समितियों की रिपोर्ट पे ा करना–	
(1) हरियाणा में किसानां द्वारा कथित आत्महत्या पर समिति की रिपोर्ट पे ा करना	(1)20
(2) वि ोशाधिकारी मामलों के सम्बन्ध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत	(1)20

करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना (क) श्री भजन लाल, भूतपूर्व एम0एल0ए0 के विरूद्ध (ख) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रका ाक तथा मुद्रक के विरूद्ध	(1)20 (1)21
वि वास मत प्रस्ताव	(1)22
श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा	(1)22
अध्यक्ष, पंजाब विधान सभा का स्वागत	(1)28
श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)28
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)30
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा	(1)50
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)51
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा	(1)53

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)53
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा	(1)56
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)56
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री द्वारा	(1)63
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)63
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री द्वारा	(1)66
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)66
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा	(1)67
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)68
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– लोक निर्माण मंत्री द्वारा	(1)77

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)77
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री द्वारा	(1)84
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)85
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री सम्पत सिंह द्वारा	(1)107
वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1)107
बिल्ज– (1) दि हरियाणा रूरल डिवैल्पमैंट(अमैंडमैंट) बिल, 1999 (2) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स(अमैंडमैंट) बिल, 1999	 (1)119 (1)120

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 25 जून, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

भोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble members, now a minister will make the obituary references.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरी तबीयत ठीक नहीं है यदि आप इजाजत दें तो मैं बेठ कर बोल लूं।

श्री अध्यक्ष: ठीक है, आप बैठकर बोल लें।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान और इस अधिवे ान के बीच में बहुत से साथी हमको छोड़ कर चले गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि कारगिल में जो लड़ाई चल रही है उसमें हमारे बहुत से जवान पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए भाहीद हो गए हैं।

आप्रे ान विजय के भाहीद

अध्यक्ष महोदय, यह सदन कारगिल तथा दूसरे क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए भाहीद होने वाले भारत के वीर जवानों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है।

इन रण–बांकुरों ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा अपने जीवन का जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसके लिए हर भारतवासी इनका सदैव कृतज्ञ रहेगा और भारत मां का मस्तक सदा गर्व से ऊंचा रहेगा। मां के आंचल की लाज रखने वाले इन लाडलों के बलिदान का कोई ऋण नहीं चुका सकता।

हरियाणा की माटी में ही वीरता रची–बसी है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आन्दोलन से लेकर आज तक इस प्रदे ा के वीर सेनानियों ने सदा ही मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। आज भी दे ा की स ास्त्र सेनाओं में 12 प्रति ात जवान हरियाणा के हैं, जो दे ा की आन, बान और भाान को कायम रखने के लिए हर प्रकार की कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हमारे सेनानियों की वीरता और बलिदान एक मिसाल है।

चल राहे आप्रे ान विजय के दौरान अब तक प्रदे ा के 40 जवान भाहीद हो चुके हैं। इन महान भाहीदों के नाम इस प्रकार हैं:–

1. नायब सूबेदार लाल सिंह, गांव गुवाणी (महेन्द्रगढ़)

2. सूबेदार रणधीर सिंह, गांव बलकरा (भिवानी)

3. हवलदार जय प्रका ा, गांव दिसलपुर (झज्जर)

4. ग्रनेडियर अमरदीप, गांव बांध (पानीपत)

5. सिपाही सुरे ा कुमार, चरखी (भिवानी)

6. नायक ऋशि पाल, गांव सोनाली खुर्द (पानीपत)

7. नायक बीरेन्द्र सिंह, गांव गढी स्थल (महेन्द्रगढ़)

8. लांस/हवलदार राम कुमार, गांव देवावास (भिवानी)

9. नायक एस0एस0 हुडडा, गांव सांघी (रोहतक)

10. सिपाही रविन्द्र सिंह, गांव रोहणा खरखौदा (सोनीपत)

11. सिपाही मनजीत सिंह, गांव कांसपुर (अम्बाला)

12. सी0क्यू0एम0एच0 हंसराज, गांव झाल (रिवाड़ी)

13. हवलदार राम सिंह, गांव रामपुरा (महेन्द्रगढ़)

14. नायक सत्यपाल, गांव सिहौर (महेन्द्रगढ़)

15. लांस/हवलदार लछमन सिंह, गांव महलाणा (सोनीपत)

16. हवलदार विजय सिंह, गांव पुठर (पानीपत)

17. नायक भीम सिंह, गांव पिनाणा (सोनीपत)

18. सिपाही कृश्ण कुमार, गांव टरकांवाली (सिरसा)

19. राइफलमैन प्रवे ा कुमार, गांव मुखाला (करनाल)

20. सिग्नलमैन विनोद कुमार, गांव जैतपुर (झज्जर)

21. राइफलमैन जसबीर सिंह, गांव सिस्र (रोहतक)

22. लांस नायक भााम सिंह, गांव निलौठी (झज्जर)

23. ग्रनेडियर सुरिन्द्र सिंह, गांव सुबाणा (झज्जर)

24. ग्रनेडियर मनोहर लाल, गांव ढाणी दुलत (फतेहाबाद)

25. ग्रनेडियर सुखबीर सिंह, गांव रूखी (सोनीपत)

26. लांस नायक राजकुमार, गांव रावलधी (भिवानी)

27. हवलदार सिधकाम, गांव पुर (भिवानी)

28. लांस नायक राजबीर सिंह, गांव लाखन माजरा (रोहतक)

29. हवलदार राज सिंह, गांव रतेड़ा (भिवानी)

30. सिपाही आि ाश कुमार, गांव धिमाणा (जीन्द)

31. सिपाही कुलदीप सिंह, गांव मेहराणा (भिवानी)

32. ग्रनेडियर परविन्दर सिंह, गांव उन्हाणी (महेन्द्रगढ़)

33. सिपाही गुलाब सिंह, गांव बल्ला (करनाल)

34. बी0एस0एफ0 के डिप्टी कमांडेंट, सुखबीर सिंह यादव, गांव कुतुबपुर (रिवाड़ी)

35. आई0टी0बी0पी0 के डिप्टी कमांडेंट जॉय लाल, पंचकूला

36. आई0टी0बी0पी0 के हवलदार खजान सिंह, गांव धुंगड़ा जाट (महेन्द्रगढ़)

37. बी0एस0एफ0 के असिस्टैंट कमाण्डैंट आजाद सिंह दलाल, गांव जाखौदा (झज्जर)

38. हवलदार नवीन कुमार मेहता, मॉडल टाऊन, यमुनानगर

39. मेजर विनय चौधरी, जीन्द

40. सिपाही भोपाल सिंह, गांव ढ़ाणी (भिवानी)

इनके साथ साथ दे ा के तमाम अन्य प्रदे ाों से भारतीय सेनाओं और अर्ध–सैनिक बलों के जिन वीर–कर्मियों ने दे ा की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है, उनका स्मरण करते हुए हमें अत्यन्त भाोक के साथ–साथ गर्व का अनुभव भी होता है।

यह सदन इन महान वीरों की भाहादत पर इन्हें भात– ात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

श्री सुमेर चन्द भट्ट, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष श्री सुमेर चन्द भट्ट के 18 मार्च, 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 दिसम्बर, 1933 को हुआ। उन्होंने एम0ए0 तथा एल0एल0बी0 की डिग्री प्राप्त की। वह 1977 तथा 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1982–86 के दौरान हरियाणा सरकार की '20 सूत्री कार्यक्रम उच्चाधिकार प्राप्त समिति' के उपाध्यक्ष तथा 1993–96 के दौराना 'ि ावालिक विकास बोर्ड' के उपाध्यक्ष भी रहे। वह 1991 से 1996 तक हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

ठाकुर मोहन लाल, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री ठाकुर मोहन लाल के 18 अप्रैल, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

वह 1967 में सोनीपत हल्के से हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होंने राज्य मंत्री के पद पर भी कार्य किया। वह अनेक सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुये थे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक तथा विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सद डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यावादी, भूतपूर्व संसद सदस्य के 7 मई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 6 फरवरी 1906 को देहरादून में हुआ। उन्होंने 13 साल की अल्पायु में ही स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेना शुरू कर दिया। वह कई बार जेल गये। वह 1951 में करनाल से लोक सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा योग्य सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के

भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपर्वू सदस्य राव जसवन्त सिंह के 12 मार्च 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 30 नवम्बर, 1928 को हुआ। वह स्नातक थे। वह 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी कबीर अहमद हाजी के 10 मई 1999 को हुए दु:खद निधन पर भाोक प्रकट करता है

उनका जन्म 1902 में हुआ। वह व्यवसाय से कृशक थे। वह 1972 तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उनकी समाज सेवा में गहरी रूचि थी।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री पदमकान्त त्रिपाठी, पत्रकार

यह सदन श्री पदमकान्त त्रिपाठी, पूर्व सम्पादक 'दैनिक ट्रिब्यूयन' के 7 अप्रैल 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 18 अक्तूबर 1927 को हुआ। उन्होंने एम0ए0 की डिग्री प्राप्त की। वह पिछले 4 द ाकों से पत्रकारिता से जुड़े रहे। वह 'दैनिक ट्रिब्यून' के संस्थापक सम्पादक थे। उन्होने 'जनसत्ता', 'जागरण', 'इण्डियन एक्सप्रैस' तथा 'करंट' के लिए भी कार्य किया।

उनके निधन से दे ा ने एक प्रख्यात पत्रकार खो दिया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पानीपत तेल भाोधक कारखाने में हुई आग दुर्घटना

यह सदन 7 मई 1999 को पानीपत के भारतीय तेल निगम के तेल भाोधक कारखाने में आग दुर्घटना से हुए लोगों के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

भू–स्खलन दुर्घटना

यह सदन मार्च 1999 को उत्तर प्रदे ा, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदे ा में हुई भू–स्खलन दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के प्रति गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पद्मश्री गुरू हनुमान, भारतीय कु ती के द्रोणाचार्य

यह सदन भारतीय कु ती के द्रोणाचार्य पद्मश्री गुरू हनुमान के 24 मई 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 मार्च, 1901 को राजस्थान के झुंझनू जिले में हुआ। उनका बचपन का नाम विजय पाल था। उनकी कु ाती में गहरी रूचि थी। उन्होंने 1940 से कु ती में प्र ाक्षण देना भाुरू किया तथा अन्तर्राश्ट्रीय ख्याति के कई पहलवान तैयार किये। उन्हें अनेक राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात कु ती प्र ाक्षक तथा पहलवान की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन

दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के पर्यटन राज्य मंत्री श्री रामभजन अग्रवाल के भाई श्री ओम प्रका ा अग्रवाल तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य चौधरी धीरपाल सिंह की माता श्रीमती कलावती के हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोड़ी): अध्यक्ष महोदय, मैं कारगिल तथा दूसरे क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठियों से मुकाबला करते हुए भाहीद होने वाले भारत के वीर जवानों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं। इन रण बांकुरों ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है, इसके लिए हर भारतवासी इनका सदैव कृतज्ञ रहेगा और भारत मां का मस्तक सदा गर्व से ऊंचा रहेगा। मां के आंचल की लाज रखने वाले इन लाडलों के बलिदान का कोई ऋण नहीं चुका सकता। हरियाणा की माटी में ही वीरता रची बसी है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आन्दोलन से लेकर आज तक इस प्रदे ा के वीर सेनानियों ने सदा ही मातृ भूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। आज भी दे ा की स ास्त्र सेनाओं में

सबसे अधिक भाहीद हरियाणा के हैं। जो दे ा की आन, बान और भााान को कायम रखने के लिए हर प्रकार की कुर्बानी के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। हमारे सेनानियों की वीरता और बलिदान एक मिसाल है। आप्रे ान विजय के दौरान अब तक प्रदे ा के 40 जवान भाहीद हो चुके हैं। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। जिस प्रदे ा और दे ा के लोग अपने भाहीदों को भूल जाते हैं, वह दे ा बर्बाद हो जाता है।

पंजाब में अगर किसी भाहीद की डैड बाडी आई तो पंजाब के मुख्यमंत्री स्वयं उनके घर श्रद्धांजलि देने गए और उनके परिवार के लोगों को नौकरी देने का वायदा किया और उनको आर्थिक सहायता देने का आ वासन दिया। राजस्थान में जिस भाहीद की डैड बाडी आई तो वहां के मुख्य मंत्री ने स्वयं उनकी चिता को अग्नि प्रदान की और एक एक मरब्बा जमीन का दिया। बिहार के मुख्य मंत्री और वहां सर्वे सर्वा लालू प्रसाद ने वहां पर जाकर फूल अर्पित किए और हरेक के परिवार को 10–10 लाख रूपए दिए। इसी तरह से यू0पी0 के मुख्य मंत्री ने भी प्रत्येक जवान के परिवार को 10–10 लाख रूपए की रा ि ा देने की घोशणा की और उनके परिवार के बच्चों को मुफ्त ि ाक्षा, अगर कोई नौकरी लायक है तो उसको नौकरी देनक का आ वासन दिया और जब तक उनके परिवार में कोई कमाने लायक नहीं हो जाता तब तक 5 हजार रूपए की रा ि ा माहवार देने की घोशणा

की है और जिन सैनिक परिवारों ने कर्जा लिया हुआ था उनका सारा कर्जा माफ किया लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदे ा के उन जवानों की इतनी अनदेखी की गयी कि भाुरू भाुरू में उनकी जो डैड बौडी आयी तो उस समय एक पुलिस का कांस्टेबल तक भी उनकी चिता को अग्नि देते वक्त मौजूद नहीं था। हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री को इस प्रकार की कोताही नहीं करनी चाहिए थी और उनको स्वयं वहां पर जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री ने उनकी भाहादत के प्रति चन्द अल्फाज भी नहीं कहे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते होंगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको यह भी नहीं पता कि जिस विशय पर मैं बोल रहा हूं उस पर चर्चा नहीं की जाती है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणवी लोगों का सिर उस वक्त भार्म से झुक गया जब हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री डिप्टी कमांडैंट सुखबीर सिंह के घर के आगे नारनौल जाने के लिए कारों के काफिले के साथ ऐसे ही निकल जाते हैं। और वे उनके प्रति चन्द अल्फाज भ व्यक्त नहीं करते हैं। अध्यक्ष महोदय, वह बहुत बडा गांव है। उनके दाह संस्कार के समय वहां पर 50 हजार लोग उपस्थित थे। (ाोर एवं व्यवधान)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जसवन्त सिंह): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य सदन को गुमराह कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, भाोक प्रस्तावों पर इस तरह की बातें नहीं की जातीं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो सदन में कहा है उसे मैं झूठ नहीं कहूंगा लेकिन वह असत्य जरूर है। (ाोर एवं व्यवधान) जो इन्होंने कहा है उससे ज्यादा दुःखदायी बात कोई और नहीं हो सकती। (ाोर एवं व्यवधान) हर गांव में हर जगह पर जवानों के अंतिम दाह संस्कार के समय में हमारी सरकार के सदस्य गए हैं यह इनका बोलने का कोई तरीका नहीं है।

श्री अध्यक्षः मेरी सभी माननीय सदस्यों से हस्तबद्ध प्रार्थना है कि जिस विशय पर अब चर्चा की जा रही है कम से कम उस विशय में तो राजनीति न लपेटें।

श्री जसवन्तः अध्यक्ष महोदय, आप यही अनुरोध इनसे भी करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है स्पीकर की गैलरी में भी तालियां बज रही हैं ? मैं भाोक प्रस्तावों पर बोल रहा हूं इसलिए इस बात का सदन के इन सम्मानित साथी को ज्ञान होना चाहिए और फिर बात करनी चाहिए।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो बात असत्य होगी उसको तो हम यहां पर कहेंगे ही। ये ज्ञान की बात करते हैं लेकिन मुझे पता है तभी मैं यहां पर बात कह रहा हूं। मैंने आपसे

नहीं पूछना है बल्कि अध्यक्ष महोदय से पूछना है। अगर ये यहां पर असत्य बात कहेंगे तो हम उनको यहां पर कहेंगे ही। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, श्रद्धांजलि देते वक्त वोटिग नहीं होती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं एक बार पुनः आप सभी से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि श्रद्धांजलि देते वक्त वक्ता को भी तथा और मैम्बर्ज को भी कम से कम संयत तो रखना चाहिए और इस मामले में राजनीति नहीं लानी चाहिए। राजनीति करने का और भी बहुत टाईम है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जिन भाहीदों ने अपना सर्वस्व कुर्बान करके अपने प्राण न्यौछावर करके इस दे ा का मान और सम्मान बढाया हो उन भाहीदों की याद में अगर हम इस प्रकार की गलत प्रथा कायम करेंगे तो यह बहुत ही गलत बात होगी। हरियाणा प्रदे ा में आज यह चर्चा का विशय है और जब हम इस तरह की बातें सुनते हैं तो हमारा सिर भार्म से झुज जाता है। अध्यक्ष महोदय, जो बातें बीती हैं मुझे उनको उल्लेख करना निहायत जरूरी है। अगर मैं इनका उल्लेख नहीं करूंगा तो फिर मैं अपने फर्ज और दायित्व से कोताही करूंगा। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहिए कि ये जो भी बात यहां पर करें वह आपके माध्यम से करें यह नहीं होना चाहिए कि जो जी में

आया वही खडे होकर कह दिया। अगर स्पीकर की गैलरी से भी तालियां बजेंगी तो फिर क्या होगा। इसलिए मेरा आपसे कहना है कि आप इनको कहें कि इनको कम से कम सदन की गरिमा को तो बरकरार रखना चाहिए। हम उन भाहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं जिन्होंने अपने प्राण न्यौछावर करके इस दे ा की सरजमीं को छुड़ाने के लिए भाहादत दी। अगर उन भाहीदों को हम भूल जायेंगे और उनके प्रति संवेदना के चन्द अल्फाज भी नहीं कह सकेंगे तो इस दे ा के प्रति कौन प्राण न्यौछावर करेगा ? अध्यक्ष महोदय, किस प्रकार से हरियाणा सरकार की तरफ से कभी एक लाख रूपये की घोशणा की जाती है तो कभी दो लाख रूपये की घोशणा की जाती है और उसमें भी आफिसर, जवाइंट कमी ानड आफिसर, हवलदार और सिपाही में फर्क रखा जाता है। अध्यक्ष महोदय, गोली अफसर को भी मारती है, गोली सिपाही को भी मारती है, जंग के दौरान में सिपाही और आफिसर में कोई फर्क नहीं होता, सब लोगों के साथ एक सामन सलूक किया जाना चाहिये। उन भाहीदों के प्रति हमें अपना सब कुछ कुर्बान करना चाहिये। अगर हमारे पास कुछ भी नहीं है तो कहीं से कर्ज लेकर के भी उनकी मदद करनी चाहिये। हम अपनी कुर्सी को कायम रखने के लिये करोडों रूपये बर्बाद करते हैं तो उन भाहीदों के लिये भी हमें दिल खोल कर आर्थिक मदद देनी चाहिये। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन भाहीदों के प्रति जिन्होंने इस दे ा की आन और मान सम्मान के रक्षार्थ अपनी भाहादत दी है, उनके चरणों में श्रद्धा के चन्द सुमन उस कवि के

मुताबिक अर्पित करता हूं जो कवि कह रहा था कि एक माली बाग से फुल तोड रहा था और माली जब फूल तोडन लगा तो फूल रो पडा। माली ने कहा कि मैं तुझे दूल्हे के सेहरे में सजाऊंगा, फूल तब भी रो पडा, माली ने कहा कि मैं तुझे राजा के ताज में सजाऊंगा फूल तब भी रोया, माली ने कहा मैं तुझे भगवान के मन्दिर में भगवान के चरणों में अर्पण करूंगा फूल तब भी रो पडा, तब माली ने पूछा कि ऐ फूल तेरी इच्छा क्या है ? तब उस फूल ने कहा कि – ऐ माली जब तूं मुझे अपने पौधे से तोड ही रहा है तो मुझे उस रास्ते पर बिखेर देना जिस रास्त पर चल कर कोई दे ा भक्त अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये अपने प्राण न्यौछावर करे ताकि उसके चरणों के स्प र्ा सें मेरे जीवन का मोक्ष हो सके। उन भाहीदों के प्रति अगर हम अनदेखी करेंगे तो हम अपने फर्ज से कौताही करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी श्रद्धा के सुमन उन भाहीदों के चरणों में अर्पित करते हुये भगवान से प्रार्थना करूंगा कि परमात्मा हमें सदबुद्धि दे ताकि हम उनके बलिदानों को याद रख सकें।

अध्यक्ष महोदय, श्री सुमेर चन्द भटट हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष थे, मेरी साथ वाली जगह पर बैठने का उनको अवसर मिलता रहा और अध्यक्ष महोदय, उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर जब कभी बैठने का अवसर मिला, उनहोंने इस कुर्सी की गरिमा को बरकरार रखने में अपनी तरफ से कोई कमी नहीं छोडी थी, इसलिये आज हम उनकी याद में उनकी उस बात के लिये

उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस पद की गरिमा बरकरार रखना निहायत जरूरी है और श्री सुमेर चन्द भटट ने कभी किसी को नेम नहीं किया, कभी किसी सदस्य को सदन से निश्कासित नहीं किया, कभी मुख्य मंत्री की कुर्सी की तरफ टेढ़ी निगाह से नहीं देखा, कभी दूसरों पर कटाक्ष नहीं किये। अध्यक्ष महोदय, जो संसार में आता है उसको जाना पडता है। और जो जाते हैं उनके प्रति श्रद्धांजलि के अल्फाज इस्तेमाल किये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जाना हमें भी पडेगा जाना फकीर चन्द जी को भी पडेगा और आपको भी जाना पडेगा। हम इस सदन में तब भी होंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करने का जब समय आयेगा तो वो सारी बातें जो इस सदन में घटी हैं उनका उल्लेख करना निहायत जरूरी होगा। आपकी आत्मा जहां कहीं भी होगी, रो कर के भाायद अपने आप को कोसेगी। मैं श्री सुमेर चन्द भटट को अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से श्रद्धा के चन्द सुमन अपिर्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, ठाकुर मोहन लाल इस सदन के सदस्य थे और हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री रहे। मैं उनके प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्ट की तरफ से भी संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी भूतपूर्व संसद सदस्य थे, सांसद के तौर पर उनकी कई उपलब्धियां थी, उनका नाम भी रहते सृश्टि तक बरकरार रहेगा। मैं उनके प्रति भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना

प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, राव जसवन्त सिंह हरियाणा विधानसभा के सदस्य रहे हैं उनसे मेरे व्यक्तिगत तौर पर अच्छे संबंध रहे हैं वे एक अच्छे पार्लियामैंटेरियन एवं योग्य वक्ता थे, नेक इंसान थे। मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से उनके प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हूं।

चौधरी कबीर अहमद हाजी हरियाणा विधान सभा के सदस्य थे। हमारे इस सदन के वरिश्ठ सदस्य चौधरी खु र्शीद अहमद जी के बालिद थे। उन्होंने बतौर विधायक विधान सभा में अहम भूमिका निभाई थी। उनके मरणोपरान्त हरियाणा प्रदे ा में काफी बडी संख्या में लोग उनकी भाोक सभा में उपस्थित हुये। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्री पदम कान्त त्रिपाठी एक अच्छे पत्रकार व संपादक थे। उनका इस दे ा के प्रति बहुत भारी योगदान है उनके प्रति मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं। इसी तरह से पानीपत तेल भाोधक संयंत्र में लगी आग में जो लोग इस संसार को छोडकर चले गये हैं उनके प्रति मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं व दिवंगत आत्माओं के प्रति भाोक व्यक्त करता हूं। इसी प्रकार से भू स्खलन की बहुत सी दुर्घटनाएं घटी हैं उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, पदमश्री हनुमान की चर्चा जगजाहिर है। वे कु ती की एक महान विभूति थे आज भी उनके असंख्य चेले हैं जो उस पुरानी प्रथा को बरकरार रखे हुए हैं। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। हमारे इस सदन में श्री राम भजन अग्रवाल जी के भाई श्री ओम प्रका ा अग्रवाल व श्री धीरपाल सिंह विधायक की माता जी श्रीमती कलावती के दु:खद निधन पर अपनी व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से भाोक व्यक्त करता हूं।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर–अनुसूचित जाति): सम्मानीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने परम्परा के अनुसार जो भाोक प्रस्ताव सामने रखा है, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से इस भाोक प्रस्ताव और संवेदना के बीच में भाामिल होने के लिए खडी हुई हूं। सबसे पहले तो मैं कारगिल व दूसरे क्षेत्रों के बारे में जिक्र करना चाहूंगी। वहां पाकिस्तानी घुसपैठियों के साथ वीरता से लडते हुए जिन जवानों ने कुर्बानी दी है जिनके नाम क्र0 संख्या एक से चालीस तक इस भाोक प्रस्ताव में अंकित हैं उन सबसके परिवारों के साथ उस गहन भाोक में भाामिल होकर उनके प्रति अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। इन रणबांकुरों ने भारत की आन बान और भाान रखने के लिए जिस प्रकार से अपनी कुर्बानी दह है उन पर गर्व भी करती हूं कि उन्होंने अपने सर्वस्व न्यौछावर करके भी अपनी भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है। हरियाणा की धरती को इन

रणबांकुरों पर नाज है उसकी माटी में वीरता रची है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आजादी के आंदोलन में और दे ा की सीमाओं की रक्षा करने में स ास्त्र सेनाओं में हरियाणा प्रदे ा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज भी सेना में और प्रदे ाों के मुकाबले हरियाणा के जवावन टोटल 12 प्रति ात हैं जो कि अपने आप में बहुत बडी संख्या है और इस बात के लिए कृत संकल्प हैं कि जब भी दे ा पर विशम परिस्थितियां आईं तो अपने प्राणों की बाजी लगा कर दे ा की आन बान और भाान को बचाया। मैं गहरे मन से उन माताओं के हृदय की भावनाओं का ध्यान और उन जवान विधवाओं का ध्यान करती हूं तो मुझे ऐसा लगता है कि उनको जो सहायता रा ि ा दी गई है वह पर्याप्त नहीं है। यह मैं कोई राजनीति से प्रेरित होकर नहीं कह रही हूं क्योंकि उन्हें जिस ढंग से रा ि ा और सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस कमी को जरूर पूरा करेगी, ताकि वे लोग जो इस दे ा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर गये हैं और उन्हीं के बलिदान से हम रात को आराम की नींद सोते हैं और दिन भर का कामकाज आराम से करते हैं। उन्होंने सेना में भर्ती होकर दे ा की रक्षा की। इसलिए उनके लिए जितना कुछ भी किया जाये वह बहुत थोडा रहेगा। हमें उनके परिवारों के लिए ज्यादा से ज्यादा अनुदान के लिए देनी चाहिए और उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी अव य देनी चाहिए और वार विडोज को जो सुविधा दी जा सकती है उनको

अव य दी जानी चाहिए। यही उन भाहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होंगी।

श्री सुमेर चन्द भटट हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष थे। 20 सूत्री कार्यक्रम उच्चाधिकार प्राप्त समिति के उपाध्यक्ष और ि ावालिक विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष भी रहे। सबसे बडी बात तो यह है कि लाला लाजपत राय के नेतृत्व में वे सर्वेन्ट आफ पीपलज सोसायटी के लाइफ सदस्य थे और उन्होंने अपना पूरा जीवन दे ा की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जिसके लिए हमारे दे ा को बडा नाज है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में न केवल वे आद र्ा युद्ध लडे थे बल्कि दे ा को आजाद कराने के लिए भी उनका बडा योगदान रहा है। उनका इतना लम्बा राजनीतिक जीवन था परन्तु उनकी पत्नी से बात करने पर चला कि उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। ऐसे आदमी के आद र्ा जीवन से हमें सबक सीखना चाहिए। उन्होंने अपना सारा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वे एक योग्य प्र ाासक थे। 20 प्वायंट प्रोग्राम की समिति बनाई थी उस समिति का सदस्य होने का मुझे भी गौरव प्राप्त हुआ था। वे हर मामले की इतनी गहराई से छानबीन करते थे चाहे वह सिंचाई की योजना हो चाहे वह सिंचाई की योजना हो चाहे दूसरी कोई योजना हो। वे इतने लालायित होते थे कि हर काम को मानव सेवा समझ कर किया करते थे। उनके निधन से न केवल एक योग्य प्र ाासक और अनुभवी विधायक से हमें वंचित होना पडा है बल्कि एक ऐसे

व्यक्तित्व की कमी हो गई है जो कि मानव सेवा के लिए समर्पित थे। उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना प्रकट करती हूं।

ठाकुर मोहन लाल, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री थे। उनके दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं। 1967 में सोनीपत विधान सभा सीट से सदस्य बन कर आये और राज्य मंत्री बने। वे जो भी कार्य किया करते थे तो लोगों में उनके प्रति संतोश और वि वास पैदा होता था। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, भूतपूर्व संसद सदस्य जिन्होंने छोटी से उम्र में स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेना भाुरू किया था और 1951 में करनाल से लोकसभा के लिए चुने गये उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा योग्य सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। मैं राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित रह गया है। उनके इलाके के लोगों को उनके निधन से गहरा धक्का लगा है और

उनको हमे ाा उनकी याद रहेगी। उनके भााक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से चौधरी कबीर अहमद हाजी जो इस विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे और भाई खु र्ीद अहमद के पिता भी थे। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाई खु र्ीद अहमद और उनके भााक संतप्त परिवार के सदस्यों कें प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। चौधरी कबीर अहमद हाजी कृशि का कार्य करते थे। उनके अन्दर धार्मिक आस्था बहुत ही गहरी थी। वे अपनी खेती के कार्य में बहुत ही ज्यादा रूचि लेते थे। उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। एक बार फिर से मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके भााक संतप्त परिवार वि ोश तौर से भाई खु र्ीद अहमद, जो इस सदन के सदस्य हैं के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

इसी तरह से श्री पदमकांत त्रिपाठी, पत्रकार जिनका निधन 7 अप्रैल 1999 को हुआ है उनके भााक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। उनकी जीवनी पढने से पता चलता है कि वे एक प्रख्यात पत्रकार थे। वे "दैनिक ट्रिब्यून" के संस्थापक सम्पादक थे। इसके अलावा उन्होंने "जनसत्ता", "जागरण", "इण्डियन एक्सप्रैस" तथा "करंट" के लिए भी काम किया था। इससे साफ जाहिर होता है कि उनके निधन से दे ा ने एक

प्रख्यात पत्रकार खो दिया है। उनके निधन पर मैं गहरा भाोक प्रकट करती हूं। और मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दोबारा से उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, 7 मई 1999 को पानीपत के भारतीय तेल निगम के तेल भाोधक कारखाने में आग दुर्घटना में जिन गरीब लोगों का निधन हुआ है उनके परिवार के सदस्यों के प्रति भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। इसी तरह से मार्च 1999 को उत्तर प्रदे ा, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदे ा में भू स्खलन दुर्घटनाओं में जो लोग मारे गये उनके भाोक संतप्त परिवारों के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। पदमश्री गुरू हनुमान जी के निधन पर मुझे गहरा भाोक है। वे भारतीय कु ती के द्रोणाचार्य कहलाते थे। उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। वे राजस्थान में पैदा हुए। कु ती के क्षेत्र में उन्होंने बहुत ही ज्यादा नाम कमाया, बहुत सी जगहों पर आज भी उनके ि ाश्य हैं और मुझे यह कहते हुए गर्व होता है एक दलित परिवार में पैदा होकर उन्होंने अपनी मेहनत और योग्यता से इतना बडा मुकाम हासिल किया। जिस समय उनकी मृत्यु हुई उस समय उनकी आयु 90 वर्श से भी अधिक थी लेकिन फिर भी वे अपने कार्य में बहुत ज्यादा

रूचि लेते थे। उनकी मृत्यु भी एक दुर्घटना में हुई। इससे लगता है कि वे अपने कार्य के प्रति बहुत ही ज्यादा आस्था रखते थे। उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात प्र ि ाक्षक तथा पहलवान की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं एक बार फिर से अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साथ मैं हरियाणा के पर्यटन मंत्री भाई राम भजन अग्रवाल के भाई श्री ओम प्रका ा अग्रवाल तथा इसी सदन के सदस्य चौधरी धीरपाल सिंह की माता श्रीमती कलावती के हुए दु:खद निधन पर दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। मैं भाई रामभजन अग्रवाल और चौधरी धीरपाल सिंह जी को कहना चाहूंगी कि कुदरत का यह नियम है कि जो इस संसार में पैदा होता है उसे एक दिन जाना पडता है। सभी के लिए यह दिन आता है, कब आ जाये यह भी नहीं पता। इसलिए जो हमारा छोटा सा जीवन है उसको हम अच्छाई के काम में लगायें। इस बात को ध्यानमें रख कर भलाई के कार्य करें ताकि हमें यह जो मनुश्य जीवन मिला है, उसको सार्थक कर सकें तथा इसे दे ा, प्रदे ा व समाज के लिए अव य इस्तेमाल कर सकें। ओम भाांति।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों कारगिल में हरियाणा के लगभग 40 जवानों की

भाहादतें हुई हैं जिनकी सूची इस सदन में पढ कर सुनाई गई। स्पीकर सर, आप भी उस इलाके सये संबंध रखते हैं, जहां के जवानों की भाहादतें हुई हैं। भिवानी जिले के आपके चुनाव क्षेत्र मुंढाल खुर्द से कई भाहादतें हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिला भिवानी, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव, रोहतक और जींद ही नहीं बल्कि हरियाणा के हर जिले से भाहादतें हुई हैं। आज कारगिल, द्रास, व बटालिक क्षेत्रों में 11 कुमाऊं, 18 ग्रनेडियर, 4 जाट और 6 राजपूताना रैजिमैंटस लड़ाई लड़ रही हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारा भाहीदों के भाोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर जाना हुआ। धामलावास गांव के असिस्टैंट कमांडैट सुखबीर सिंह यादव की भाहादत हुई। उनके पार्थिक भारीर को लेकर उनकी पत्नी सुधा यादव व उनका छोटा भाई रणबीर सिंह यादव, जो इन्फैंटरी का जवान है तथा "चीता हैलीकाप्टर" चलाता है, धामलावास गांव में आए। किसी समय भारत सरकार के गृह मंत्री के साथ भाहीद सुखबीर सिंह यादव सरकारी डियूटी पर रहे हैं। उनकी विधवा पत्नी सुधा यादव व उनको छोटा भाई रणबीर सिंह यादव भारत सरकार के गृह मंत्री श्री लाल कृश्ण आडवानी जी को मेरे साथ मिलने के लिए गए। जब रणबीर सिंह यादव वापिस जाने लगे तो गृह मंत्री जी ने उनसे कहा कि दाह संस्कार की रस्म पूरी होने के बाद ही आप जाएं। इस पर रणबीर सिंह यादव ने कहा कि ऐसे दु:खद अवसर पर मैं अपनी भाभी को अकेले नहीं छोड सकता था, इसलिए उनके साथ आया हूं, इसके साथ ही मैं संकल्प करके आया हूं तथा अपने कमांडिंग ऑफिसर

को यह निवेदन करके आया हूं कि यह "चीता हैलीकाप्टर" मेरे सिवाय अन्य कोई जवान नहीं उडाएगा। इसलिए मैं वहां अभी जाऊंगा और घाटी को घुसपैठियों से खाली कराऊंगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के गांव गुवाणी बाद ाोद (महेन्द्रगढ़) के नायब सुबेदार लाल सिंह यादव की भाहादत हुई। गुवाणी गांव के 44 जवान इस समय द्रास क्षेत्र में लडाई लड रि तेदार भी हैं। इस गांव के 200 जवान इस समय द्रास क्षेत्र में लडाई लड रहे हैं। गांव सिहौर (महेन्द्रगढ़) के नायक सत्यपाल यादव की भाहादत हुई। उनके घर हम गए। अध्यक्ष महोदय, 50 जवान अकेले सिहौर गांव से द्रास क्षेत्र में लडाई लड रहे हैं। चरखी (भिवानी) से सिपाही सुरे ा कुमार की भाहादत हुई। पानीपत के गांव सौनाली खुर्द से नायक ऋशि पाल त्यागी की भाहादत हुई। कुरूक्षेत्र के कप्तान बाली की भाहादत हुई। मेरे हल्के के गांव धुंगडा जाट से आई0टी0बी0पी0 के हवलदार खजान सिंह की भाहादत हुई। खजान सिंह के 3 भाई आज भी द्रास क्षेत्र में लडाई लड रहे हैं। उनकी विधवा पत्नी और उनके फौजी पिता से हमारी बातचीत हुई। उस समय जो बहिनें भााोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर आई हुई थीं, उनको भाहीद की विधवा पत्नी ने कहा कि यदि आंख से आंसू टपक गया तो मेरे पति की भाहादत बेकार जाएगी। अध्यक्ष महोदय, 4 जून को हम महामहिम राज्यपाल महोदय से मिले तथा उनसे प्रार्थना की कि जिस प्रकार से सभी राज्यों में भाहीदों के सम्मान में उनके परिजनों को, उनके आश्रितों को रोजगार व सहायता रा ि ा मुहैया

करवाई जा रही है, इसी प्रकार से हरियाणा में भी भाहीदों के परिजनों को रोजगार व सहायता रा ि ा दी जानी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने 4 तारीख को ही भााम को घोशणा की कि हरियाणा के जवानों ने अपनी पुरानी परम्परा को बनाए रखा है। अध्यक्ष महोदय, गांव झाल (रिवाड़ी) से हंसराज की भाहादत हुई। उनके पिता जब कफन उठाकर अपने बेटे की ला ा को देखने लगे तो लोग उनसे कहने लगे कि क्या देख रहे हो, आपके बेटे का भारीर तो कम से टुकड़े टुकड़े हो चुका है। हस पर हंसराज के पिता ने कहा कि मैं उनके भारीर का कोई और हिस्सा नहीं देख रहा हूं, मैं तो उनकी छाती पर देख रहा हूं कि मेरे बेटे की छाती में ही गोली लगी है, पीठ में तो नहीं लगी है। इस प्रकार का मनोबल आज हरियाणा के जवानों व उनके परिजनों में देखने को मिलता है। आज जो भाहीद इस संसार से, यह कहकर चले गए कि "अब तो खु ा रहना अहले वतन, अब हम सफर करते हैं", उनकी भाहादत को, उनकी दे ा के प्रति जिम्मेदारी को मैं हरियाणा की जनता की ओर से, भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस औगस्ट हाऊस में नमन करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा चौधरी खु ार्शिद अहमद जी के अब्बा जान, 1982 में विधान सभा सदस्य चुने जाने पर मेरा उनके साथ रहने का सौभाग्य रहा है। इस उम्र में भी वे चलते चलते कभी रूके नहीं। जब मैं उनके साथ इस हाउस का सदस्य था तो

मुझे उनके साथ कई बार दूसरे प्रदे ाों में कमेटी का सदस्य होने के नाते दौर पर जाने का अवसर मिला है। चौधरी कबीर जी की वे ाभूशा देहाती रहती थी, आज वे इस संसार में नहीं रहे। चौधरी खु र्ीद अहमद जी के सिरे से पिता का साया उठ गया है। यह तो सभी को पता है कि जब मां बाप का साया सिर से उठ जाता है तो एक तरह से संसार का अंत हो जाता है। उनकी मृत्यु के बाद मैं उनके गांव चौधरी खु र्ीद अहमद जी के साथ गया था। एक अच्छे व्यक्ति का संसार से चले जाने का सभी को दुख होता है। मैं परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह उनकी चौधरी अहमद और उनके परिवार को भाक्ति प्रदान करे ताकि वे इस दुःख को आसानी से सहन कर सकें।

राव जसवंत सिंह भी इस हाउस के सदस्य रहे हैं। वे कप्तान अजय सिंह के चाचा थे। उनके निधन पर भी मैं अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री सुमेर चन्द भटट जी भी इस संसार से चले गए। वे भी इस महान सदन के सदस्य रहे और इस औगस्ट हाउस के डिप्टी स्पीकर चले। वे बडे अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे। वे एक बहुत ही व्यवहार कु ाल व्यक्ति थे। उनके निधन पर भी मैं भाोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय ठाकुर मोहन लाल जी भी इस संसार में नहीं रहे। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

धीरपाल जी की माता भी अब इस संसार में नहीं रही। एक पूज्य मां का साया उठ जाना बहुत ही दुख की बात है। एक मां जो कितने कश्ट सह कर संसार में लेकर आती है, उसके चले जाने का जो दुख एक बेटे को होता है वह सहन से बाहर की बात है।

श्री रामभजन अग्रवाल के भाई ओम प्रका ा अग्रवाल भी अब इस संसार में नही रहे। उनके निधन पर भी मैं भाोक प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यवादी, जो पार्लियामैंट के मैंबर थे, अब इस संसार में नहीं रहे। उन्होंने मात्र 13 साल की आयु में ही स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेना भाुरू कर दिया था। वे करनाल से लोक सभा के सदस्य चुने गए थे। हम भी दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, पानीपत तेल भाोधक कारखाने में आग लगने से जिन लोगों की मृत्यु हुई उनके प्रति भी हम हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय श्री पदमकांत त्रिपाठी, एक महान पत्रकार थे। उनके निधन का भी हमें दुःख है। वे एक प्रख्यात पत्रकार थे। मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदे ा, हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदे ा में हुई भू स्खलन में जो लोग मारे गए उनके प्रति भी हम भाोक प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, पदम श्री गुरू हनुमान जी आज इस संसार में नहीं रूके वाकई कु ती के द्रोणाचार्य थे। वे कु ती सिखाते सिखाते इस संसार से चले गए। पूरी निश्ठा के साथ कु ती के प्रति समर्पित थे।

उन्होंने बहुत से बच्चों को अर्जुन पुरस्कार दिलवाया। वे स्वयं कु ती करते थे। उन्होंने हरियाणा के बहुत से नौजवानों को कु ती का अच्छा खिलाडी बनाया। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनकी आत्मा को भाान्ति प्रदान करें।

अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो भाहीदों के परिवारों को सहायता देने के लिए जो फण्ड बनाया है उसमें लोग बढ चढ कर भाल लें ताकि जो जवान दे ा की सीमा के लिए लड रहे हैं उन्हें भी यह अहसास हो कि हमारी पीछे भी सारा हरियाणा खडा है। उनकी

हौंसला अफजाई के लिए हमें इस फण्ड में बढ चढकर भाग लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में फिर भी मैं सभी दिवंगत आत्माओं की भाांति की प्रार्थना करता हूं और भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दिवंगत व्यक्तियों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं, मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं। आज सारा भारत और वि ोश रूप से हम हरियाणा वासी उन भाहीदों के प्रति नमन करते हैं जिन्होंने मां भारती को जीवित रखने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, जिन्होंने अपना रक्त बहा कर दे ा की सीमाओं की रक्षा के लिए, दे ा की स्वतंत्रता, मान मर्यादा को रखने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। इस दौरान हरियाणा में और वि ोश कर दक्षिणी हरियाणा प्रदे ा में जहां से जैसा कि रामबिलास भार्मा जी कह रहे थे कि मेरा और भार्मा जी का सम्बंध है, में भारी क्षति हुई है। लेकिन जिन माताओं की गोद खाली हुई है, जिन बहनों के सुहाग चले गए, जिन बच्चों के सिर से साए चले गए उसके लिए हमारा यह नैतिक कर्त्तव्य बनता है कि हम यथा ाक्ति उन परिवारों को अधिक से अधिक हर प्रकार से सहायता करें। कितने लोग भाहीद हुए। चौधरी जगन नाथ जी, दादरी के विधायक सतपाल सांगवान, बाढडा के विधान, नृपेन्द्र सिंह तथा हमारे सभी साथी उन भाहीदों

के घरों में गए। लेकिन एक घटना ने तो मुझे झकझोर कर रख दिया, यह घटना हम सभी के लिए आंखें खोलने वाली चीज है वहां के हवलदार रामकुमार के पूज्य पिता जिनकी उम्र 80 साल थी, उस आदमी का र्धये, आत्मिक बल देखकर श्रद्धा से मस्तक नमन को हुआ। वहां हजारों की संख्या में लोग इकटठे थे। उस व्यक्ति ने कहा कि मैंने अपने परिवार के सभी आने वाले लोगों को कहा है कि मेरे घर में कोई आदमी आंसू न बहाए। उसका लडका अकेला लडका था और उसका अपना लडका भी फौज में है जिसका छोटा लडका आठवीं का विद्यार्थी है और लडकी की उम्र 15–16 साल की है, उस वीर की पत्नी को देखकर तो दिल और दहक गया। उसने कहा कि मेरे पति कहा करते थे कि मैं दे ा के लिए भाहीद हूंगा लेकिन मेरे भाहीद होने पर किसी की आंखों में आंसू न आए बल्कि मेरी भाहादत पर खु ा हों। यह कोई छोटी बात नहीं है कहने और करने में बडा अन्तर होता है। मैं अपनी तरफ से सभी भाहीदों के प्रति नमन करता हूं तथा परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्माओं की भाान्ति दे और उनके परिवारों को इस महान क्षति को बर्दा त करने की भाक्ति दे तथा हमें भी साहस और हिम्मत दें कि हम उन परिवारों की यथा ाक्ति मदद कर सकें।

श्री सुमेर चन्द भटट 1991 से 1996 तक इस महान सदन के सदस्य थे, वे हमारे उपाध्यक्ष थे। वे एक नेक व्यक्ति थे, उनके जाने से एक महान प्र ाासक और अनुभवी विधायक से जो

स्थान रिक्त हुआ है, उस दिवंगत आत्मा के प्रति भाोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

ठाकुर मोहन लाल जो हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री थी, के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

15.00 बजे।

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सत्यावादी, भूतपूर्व संसद सदस्य के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनकी आत्मा को भाांति दे तथा उनके परिवार को इस क्षति को बर्दा त करने की भाक्ति दे। राव जसवन्त सिंह, हरियाणा विधान सभा के पूर्व सदस्य के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। चौधरी कबीर अहमद हाजी, हरियाणा विधान सभा के पूर्व सदस्य और हमारे विधायक साथी चौधरी खु र्शीद अहमद के पूज्य पिता थे। उनके निधन पर मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेवात में उनका अपना एक वि ाश्ट स्थान था। उनके जाने से उनके परिवार को और भाई खु र्शीद अहमद को मैं अपनी तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को भाांति प्रदान करे। श्री पदमकान्त त्रिपाठी, पत्रकार के निधन पर मैं अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

पनीपत तेल भाोधक कारखाने में हुई आग दुर्घटना में लोगौं का जो दुःखद निधन हुआ उसके प्रति मैं गहरा भाोक प्रकट करता हूं तथा उन आत्माओं के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करे। भू स्खलन दुर्घटना में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और उत्तर प्रदे ा के जिन लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पडा उन दिवंगत आत्माओं के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। पदमश्री गुरू हनुमान भारतीय कु ती के द्रोणाचार्य तथा अद्वितीय प्रतीक थे। उन्हौंने लगभग 60 वर्श तक इस दे ा को वि व विख्यात पहलवान देने में अभूतपूर्व योगदान दिया है। यह दे ा उनकी सेवाओं को कभी भी भुला नहीं पाएगा। आज इस महान व्यक्ति की सेवाओं से यह दे ा वंचित हो गया है। मैं इस महान विभूति के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं तथा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करें। इसी सदन के विधायक तथा राज्य मंत्री श्री राम भजन अग्रवाल के भाई ओम प्रका ा अग्रवाल तथा हरियाणा विधान सभा के हमारे साथी चौधरी धीरपाल जी की माता श्रीमती कलावती के दुःखद निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं तथा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्माओं को भाांति प्रदान करें तथा उनके परिवारों को इस महान क्षति को बर्दा त करने की भाक्ति दे।

मैं भाोक संतप्त परिवारों को इस सदन की सहानुभूति तथा संवेदना सम्प्रेशित कर दूंगा।

अब मैं आप सभी से निवेदन करूंगा कि सभी माननीय सदस्य दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अपनी अपनी सीटों पर खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करने की कृपा करें।

(इस समय दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

घोशणाएं–

(क) अध्यक्ष द्वारा

(1) सभापतियों की सूची

Mr. Speaker: Hon'ble Member, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Panel of Chairperson :-

1. Sh. Narpender Singh.

2. Sh. Somvir Singh.

3. Sh. Balwant Sinmgh.

4. Sh. Ganeshi Lal.

(2) याचिका समिति

Mr. Speaker: Hon'ble Member, under Rule 303(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following members to serve on the Committee on Petitions :-

1. Sh. Faqir Chand Aggarwal, Deputy Speaker, Ex-Officio Chairperson.

2. Sh. Narpender Singh.

3. Sh. Somvir Singh.

4. Smt. Kartar Devi, Member

5. Sh. Siri Kishan Hooda, Member

(ख) सचिव द्वारा

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make announcement.

Secretary: Sir, I beg to lay on the Haryana Legislative Assembly during its Sessions, held in September, 1995, July, 1998 and January-February, 1999 and have since been asserted to by the *President/Governor.

September, Session, 1995

*1. The Haryana School Education Bill, 1995.

July Session, 1998

1. The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1998.

*2. The Haryana Co-operative Scocieties (Amendment) Bill, 1998.

January-February Session, 1999

1. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1999.

2. The Haryana Lokpal (Amendment) Bill, 1999.

3. The Punjab Excise (Haryana Amendment) Bill, 1999.

4. The Punjab Warehouses (Haryana Amendment) Bill, 1999.

5.The Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members Amendments) Bill, 1999.

6. The Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 1999.

7. The Punjab Schedule Roads and Controlled Areas Restrictionof Unregulated Development (Haryana Amendment) Bill, 1999.

8. The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1999.

9. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1999.

10. The Haryana Legislatvie Assembly (Allowances and Pension of Members) amendment Bill, 1999.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Member, now, I report the time table fixed by the Business Advisory Committee in regard to various business.

"The Committee met on Thursday, the 24th June, 1999 at 5.00 P.M. in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommendes that on Friday, the 25th June, 1999 the Assembly shall meet at 2.00 P.M. and adjourn after conclusion of the Business entered in the list of Business for the day.

The Committee also recommends that the business on Friday, the 25th June, 1999 be transacted by the Sabha as follows :-

Friday, the 25th June, 1999 (2.00 P.M.)

1. Obituary References.

2. Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.

3. Motion under Rule 15.

4. Motion under Rule 16.

5. Papers to be laid/re-laid.

6. Presentation of Report of the Committee on Alleged Suicides Committed by the Farmers in Haryana.

7. Presentation of two preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of final Reports thereon.

8. Motion regarding seeking of Vote of Confidence by the Chief Minister.

9. Legislative Business, if any.

10. Any other business."

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, बी0ए0सी0 में भारतीय जनता पार्टी के नेता श्री राम बिला ा भार्मा जी का नाम नहीं रखा है, इस पर हमें बडा ही भारी औब्जैक ान है।

श्री अध्यक्ष: बहन कमला वर्मा जी, जो बता रही हैं। इस बारे में फकीर चन्द अग्रवाल जी ने भी बताया था परन्तु बाय दैट टाईम नोटिफिके ान हो चुकी थी। इसके लिए मैंने फकीर चन्द जी के सामने खेद प्रकट कर दिया था। यह किसी तरह से चूक रह गई। आईन्दा से नहीं होगी।

Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 15.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sitting of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sitting of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Question is-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sitting of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 16.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay/re-lay the papers on the Table of the House.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg lay on the Table-

The Haryana Rural Development (Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 1 of 1999)

The Haryana Rural Development (Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 2 of 1999)

Sir, I beg to re-lay on the Table-

The Power Department Notification No. S.O. 106/H.A. 10/98/S/23, 24, 25/98, dated the 14th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O. 111/H.A. 10/98/S. 55/98, dated the 16th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

Sir, I also beg to lay on the Table-

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 35/H.A. 20/73/S. 64/99, dated the 31st March, 1999 regardingh the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1999 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 47/H.A. 20/73/S. 64/99, dated the 18th May, 1999 regardingh the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1999 as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

समितियों की रिपोर्ट पे ा करना–

(1) हरियाणा में किसानों द्वारा कथित आत्महत्या पर समिति की रिपोर्ट

पे ा करना

Mr. Speaker: Now, the Chairperson (Deputy Speaker) of the Committee on Alleged suicide Committed by the Farmers in Haryana will present the Report of the Committee.

Sh. Faqir Chand Aggarwal, Deputy Speaker (Chaiperson, Committee on Alleged Suicides Committed by the Farmers in Haryana): Sir, I beg to present the Report of the Committee on alleged suicides committed by the Farmers in Haryana.

(2) वि ोशाधिकारी मामलों के सम्बन्ध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(क) श्री भजन लाल भूतपूर्व एम0एल0ए0 के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Sh. Narpender Singh M.L.A. Chairperson, Committee of Privileges will present the Fifth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privilegs given notice of by Sh. Jagan Nath, the then Minister against Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the press lobby/lounge in the

Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him willfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sh. Narpender Singh (Chairperson, Privileges Committee): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privilegs given notice of by Sh. Jagan Nath, the then Minister against Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the press lobby/lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him willfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

(ख) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रका ाक तथा मुद्रक

के विरूद्ध

Mr. Speaker: Now Sh. Narpender Singh, Chairperson, Committee of Privileges will present the Fifth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privilegs given notice of by Sh. Jagan Nath, the then Minister against the Correspondent, Editor, Publishers and Printers of the Indian Express for publishing the statement of Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act has lowered the prestige and dignity of the Chair in the eyes of the public in the issue of Indian Express dated 22-11-1996.

Sh. Narpender Singh (Chairperson, Privileges Committee): Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee on the matter in regard to the question of alleged breach of privilegs given notice of by Sh. Jagan Nath, the then Minister against the Correspondent, Editor,

Publishers and Printers of the Indian Express for publishing the statement of Sh. Bhajan Lal, Ex-M.L.A. containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act has lowered the prestige and dignity of the Chair in the eyes of the public in the issue of Indian Express dated 22-11-1996.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker: Question is-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

The motion was carried.

वि वास मत प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon. Members not the Hon'ble Chief Minister will move the motion for seeking confidence in the House. (Interruptions).

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Sir, I beg to move-

That this House expressed its confidence in the Council of Ministers.

श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं

पर चर्चा:

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह मो ान मूव करने से पहले मेरी सबमि ान है कि हमने स्पीकर के खिलाफ एक रैजोल्यू ान दिया है। मैं उसे मुत्तलक पूछना चाहता हूं कि उसके बारे में क्या फैसला हुआ है।

श्री अध्यक्ष: आप कृपा बैठिए उसके बारे में मैं आपको बता देता हूं। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: जिस किसी स्पीकर के खिलाफ ऐसा रैजोल्यू ान आ जाए तो उस स्पीकर की यह जिम्मेदारी होती है कि वह चेयर छोड कर चला जाए। (ाोर) हमने आपके खिलाफ रैजोल्यू ान दिया है इसलिए आप चेयर छोडकर चले जाएं।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए। एक मिनट बैठिए मैं अभी बता देता हूं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अगर अध्यक्ष के खिलाफ रैजोल्यू ान मूव हो जाए तो सम्माजनक ढंग से चेयर छोड कर चले जाना चाहिए। इसका फैसला आप नहीं करेगे। कायदे कानून के मुताबिक आपको चले जाना चाहिए।

विकास एवं पंचायत मंत्री (श्री कंवल सिंह): कायदे कानून की बात चौटाला जी कर रहे हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः जिसको यह नहीं पता कि सरपंच को सस्पैंड पंच करते हैं या कैसे होता है वह कायदे कानून की बात कर रहा है। मैं यह बात अध्यक्ष महोदय आपसे कह रहा हूं कि इसका फैसला आन नहीं कर पाएंगे। आपको तो इस कुर्सी से उठना पडेगा। आप सम्माजनक ढंग से इस चेयर को छोड दें ताकि इस पर कोई दूसरा बैठ सके। (ाोर एवं व्यवधान)

Sh. Sampat Singh: First of all, you decide that motion.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैं यही कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ रैजोल्यू ान मूव हो चुका है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों से मेरा नम्र निवेदन है कि वे बैठें। मैंने चौटाला साहब को भी दो बार निवेदन कर लिया है। इनकी बात मैंने सुन ली है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मेरी बात आपने सुनी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ

रैजोल्यू ान मूव हो चुका है। आप इधर उधर क्यों देख रहे हैं ? आप मेरी तरफ देखिये। मैं आपसे बात कर रहा हूं, कायदे के मुताबिक आप मेरी तरफ देखिये।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप मेरी तरफ देखिये, मैं आपकी तरफ देखूंगा। I request you to please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैं आपसे यह कह रहा हूं कि जब आपके खिलाफ एक रैजोल्यू ान मूव कर दिया है तो उसका फैसला आप नहीं कर पाएंगे। इसलिए आप कृपया सम्मानजनक ढंग से इस सम्मानित कुर्सी को छोड दें आपको हाऊस प्रीजाईड करने का कोई हक नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय हाऊस को प्रीजाईड करें और वे ही इसका फैसला करेंगे। उसके बाद ही वि वासमत पर डिस्क ान करें।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मुझे निवेदन करना है।

श्री अध्यक्षः विज साहब, आप बैठ जाएं। मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे श्री चौटाला जी को अपनी बात कहने दें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैं आपसे यह कह रहा हूं कि इस सदन को आपके ऊपर कतई वि वास नहीं है क्योंकि आपका रवैया पक्षपातपूर्ण रहा है।

Mr. Speaker: Chautala ji, your opinion is not the opinion of the House. आपके कहने से सदन नहीं होता। आप अपनी बात कह सकते हैं। सारे सदन की बात कैसे कह सकते हैं ? मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान) मेरा चौटाला साहब से निवेदन है कि वे अपनी बात संक्षिप्त रूप में कहें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, स्पीकर के खिलाफ हमने एक रैजोल्यू ान मूव किया है कि स्पीकर का रवैया बडा ही पक्षपातपूर्ण रहा है। नैतिकता के तौर पर स्पीकर को निश्पक्ष होकर काम करना चाहिए। पिछले तीन सालों में आपका कार्यकलाप यहां जाहिर हो रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आप अपनी बात कहिये वरना मुझे यह कहना पडेगा कि जो कुछ आप कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन सालों में आपका रवैया पक्षपातपूर्ण रहा है और आपने अपने पद की गरिमा को बिगाड करके रख दिया है।

श्री अध्यक्ष: आपका रैजोल्यू ान मेरे पास आया है। (विघ्न) आप सभी मेरी बात सुनिए। चौटाला साहब आप बैठिये। मेरे पास परसों एक रैजोल्यू ान आया है जो स्पीकर को हटाने के लिए है। कल मेरे पास एक दूसरा रैजोल्यू ान आया है जो

उपाध्यक्ष को हटाने के लिए है। दुर्भाग्यव ा यह मसला एक बार नहीं यहां पर तो चौथी बार आ रहा है। और हमारे माननीय सदस्य रामबिलास भार्मा जी जो उस समय ि ाक्षा मंत्री के रूप में यहां थे उन्होंने एक बार नहीं कई बार बडे इफैक्टिव ढंग से यह बात बताई थी। मैं उस बात से पूर्ण रूप से सहमत हूं कि स्पीकर के खिलाफ जब भी कोई रिमूवल का मो ान लाया जाए तो कांस्टीच्यू ान के आर्टीकल 179(सी) में यह क्लीयर लिखा हुआ है कि उसके लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। जब तक 14 दिन का नोटिस न हो। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सदन तो एक दिन का है फिर नोटिस को 14 दिन कैसे हो सकते हैं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। You are nobody to guide me. जब तक नोटिस दिए 14 दिन नहीं हो जाते हैं मैं और आप कुछ नहीं कर सकते। हम कांस्टीच्यू ान ऑफ इंडिया को अमैंड नहीं कर सकते। यह भाक्ति न मुझ में है और न ही आप में है और न ही सदन को यह भाक्ति है। श्री रामबिलास भार्मा जी ने तीन फरवरी 1999 को हाउस में बडे जोरदार भाब्दों में यह कहा था। यह हाउस का रिकार्ड है कि रिमूवल ऑफ स्पीकर के लिए 14 दिन का नोटिस चाहिए। अगर 14 दिन का नोटिस नहीं होता है तो वह अन कांस्टीच्यू ानल होगा। मैं भी यह मानता हूं कि पिछली बार ऐसा कहा गया था चौटाला साहब को पता नहीं क्या हो गया वे

यह रिमूवल का रैजोल्यू ान चौथी बार लेकर आये हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर सर, सै ान एक दिन का हो तो नोटिस 14 दिन का कैसे दे सकते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप लोग बैठिये। मेरी बात सुनो। सदन का जो यह वि ोश अधिवे ान हो रहा है यह ..... के आदे ा पर महामहिम महोदय ने बुलाया है। यह अधिवे ान चाहे एक दिन का हो या फिर 14 दिन का हो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर सर, आप कह रहे हैं कि .... के आग्रह करने पर महामहिम राज्यपाल महोदय ने यह वि ोश अधिवे ान बुलाया है। हमने तो आग्रह नहीं किया।

श्री अध्यक्ष: जो यह अधिवे ान बुलाने में ..... वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री सम्पत सिंह: स्पीकर सर, आपने कहा कि ..... पर यह अधिवे ान बुलाया है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: इस विशय पर कोई चर्चा नहीं होगी। Mr. Om Parkash Chautala and Sh. Ram Bilas Sharma both of you know, that the Constitution is supreme. हम कांस्टीच्यू ान की धारा में अमैंडमैंट नहीं कर सकते। चौधरी संपत सिंह जी आप

बैठिये। इस बात पर कोई चर्चा नहीं होगी। ये दोनो मो ान रिजैक्टिड हैं और इस पर no discussion can be held.

श्री अनिल विज: स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने की इजाजत दी थी। स्पीकर साहब, मैंने भी 5 अन्ये मैम्बर्ज के साथ उपाध्यक्ष महोदय को हटाने के लिए रैजोल्यू ान दिया है उसे भी टेक अप किया जाए।

(At this stage, many members rose to speak)

Mr. Speaker: I would request all the members to take their seats. Hon'ble members, I have received a notice of Resolution for the removal of Speaker given notice of by Sh. Om Parkash Chautala and 27 other members of Haryana Vidhan Sabha. As the notice does not fulfil the requirement of notice period of 14 days, as required under Article 179(c) of the Constitution of India, therefore, I have disallowed this notice.

Hon'ble members, I have received a notice of Resolution for the removal of Deputy Speaker given notice of by Sh. Anil Vij and 5 other members of Haryana Vidhana Sabha. As the notice does not fulfil the requirement fo notice period of 14 days, as required under Article 179(c) of the Constitution of India, therefore, I have disallowed this notice.

Both these notices are null and void as per the provisions of the Constitution.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, प्लीज आप बैठिये। The Constitution is supreme.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात तो कह सकता हूं। (ाोर)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब खुद ही बोले जा रहे हैं और दूसरों को बोलने नहीं देते जबकि सदन में सभी सदस्यों को बोलने का अधिकार है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप सभी लोग बैठिये। विज साहब, आपको भी बोलने का अवसर दिया जायेगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपने अभी कहा था कि इण्डियन नै ानल लोकदल और भाजपा के आग्रह करने पर .....

श्री अध्यक्षः जो बात आप कह रहे हैं यह मैं पहले ही सदन की कार्यवाही से निकलवा चुका हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम राज्यपाल महोदय से इसलिए मिलने गए थे .....

श्री अध्यक्षः जो कुछ श्री ओम प्रका ा चौटाला जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमने राज्यपाल महोदय को लिखकर दिया है कि मौजूदा स्पीकर निश्पक्ष नहीं है।

श्री अध्यक्ष: आप लिख कर दे सकते हैं, यह आपका हक है इस हक को कोई नहीं रोक सकता है। लेकिन इस प्रकार से आपके लिखने का कोई मतलब नहीं है। Mr. Chautala, you are not the master of this House. You are not to guide this House. (Noise & Interruptions)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं मास्टर तो भले ही न हूं लेकिन जिसका जैसा रवैया हो, उसको तो अभिव्यक्त कर सकता हूं। (ाोर एवं विघ्न)

लोक निर्माण भवन एवं सडकें मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, अभी श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने आपके प्रति अवि वास की बात कही जिसका आपने संविधान की धाराओं के मुताबिक बिल्कुल सही जवाब दिया है। इस बात को श्री ओम प्रका ा चौटाला जी भी जानते हैं। श्री ओम प्रका ा चौटाला जी का सबसे ज्यादा विरोध तो इस बात से है कि आपने हरियाणा विकास पार्टी के विधायकों को अपने घर पर खाना खिलाया। स्पीकर सर, अगर झगडा खाना खाने का ही है तो आज आप इनको खाने पर बुला लीजिए, कल को भारतीय जनता पार्टी वालों को बुला लीजिए। मेरे ख्याल से खाना खाने पर इतना झगडा नहीं करना चाहिये। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यह कहना चाहूंगा कि मेरे बारे में आपको जो नोटिस सर्व हुआ है, उसको आपने रिजैक्ट कर दिया है। इसके बाद भी श्री अनिल विज कुछ कहना चाहते हैं। अगर वे कुछ कहना चाहते हैं तो उनको सुनने के बाद मेरी बात भी सुन ली जाए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जहां तक नोटिसिज की बात है, दोनों नोटिसिज डिसअलाउ किए जा चुके हैं। (ाोर)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के इतिहास में पहली बार किसी डिप्टी स्पीकर का ऐसा रवैया देखने को मिला है कि जब भारतीय जनता पार्टी के विधायक मौजूदा सरकार से समर्थन वापसी के संबंध में राज्यपाल महोदय को मिलने गए तो उपाध्यक्ष महोदय भी उनके साथ गए। उनका यह रवैया पक्षपातपूर्ण है।(ाोर) अखबार में यह फोटो छपा है, इसको देखिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः विज साहब, फोटो तो छपते रहते हैं। मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप कृपया बैठिए। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: Speaker Sir, there is a difference between the Speaker and the Deputy Speaker. Deputy Speaker has right to vote whereas the Speaker has no right to vote. (Noise & Interruptions)

Sh. Anil Vij: Mr. Speaker, Deputy Speaker cannot take part in the actitivities of any party. (Noise & Interruptions)

Mr. Deputy Speaker: Sir, I can go anywhere.

श्री अध्यक्षः मेरा सभी से निवेदन है कि आप सभी बैठिये। मैंने एक बात बडे स्पश्ट भाब्दों में कही है कि रिमूवल का नोटिस चाहे स्पीकर के खिलाफ है या डिप्टी स्पीकर के खिलाफ है वे दोनों नल एण्ड वाइड हैं और अन कान्स्टीच्यू ानल हैं इसलिए

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिये। मेरा कहना यह है कि 14 दिन का जो नोटिस है उसको कन्डम किया जाये और इस पर बहस भ्ाुरू करवाई जाये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः विज साहब आप बैठिये।

श्री उपाध्यक्षः मैं विज साह आपसे यह जानना चाहता हूं कि वह कौन सा रूल है जिसके तहत डिप्टी स्पीकर गवर्नर साहब के पास नहीं जा सकता। आप वह रूल बताएं। Deputy Speaker can go wherever he wants to go. He can cast his vote under Article 189 of the Constitution.

श्री अनिल विजाः स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात तो कहने दीजिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिये। गोदारा जी अपनी बात कहेंगे।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आज का जो सै ान है वह न हलदोरा और न बी0जे0पी0 के कहने पर बुलाया गया है। आज का सै ान तो

गवर्नर साहब के कहने पर बुलाया गया है। आज और कोई सब्जैक्ट नहीं है। केवल एक भाब्द "कान्फीडैंस" का यह सै ान है। इसलिए सी0एम0 साहब ने जो प्रस्ताव फोर कान्फीडैंस के लिए रखा है उस पर ही हाउस के अन्दर चर्चा है। इसके अलावा और कार्यवाही की बात नहीं है। अब यह आपने देखना है कि इसे आप चाहे दो मिनट चलाएं या 10 बजे तक चलाएं। यह आपने देखना है। यहां पर नोकान्फीडैंस की बात नहीं है जिस पर बहस हो। इसलिए मेरी तो यही प्रार्थना है कि आप इस (कांफीडैंस प्रस्ताव) पर वोटिंग करवा लें। It is only Motion of Confidence.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी गोदारा साहब ने एक बात कही कि आज का सै ान कांफीडैंस के लिए है और इस पर बहस की आव यकता नहीं है। हम यह चाहेंगे कि सरकार (सी0एम0 साहब) यह बताएं कि किन हालात की वजह से यह "कांफीडैंस" का मो ान लाना पडा या ऐसे कौन से पोलिटिकल हालात थे जिनकी वजह से आज के सै ान की आव यकता पडी। चीफ मिनिस्टर साहब कांफीडैंस सीक करने की अपनी अचीवमैंटस बताएंगे। He will have to tell something to the House कि मैं इसलिए कांफीडैंस सीक कर रहा हूं। इस पर यह कहना कि इस पर डिसक ान की आव यकता नहीं है, बात नहीं बनती। स्पीकर साहब, इससे तो सरकार की यह मं ाा जाहिर होती है कि वह डिसक ान नहीं चाहती They cannot face discussion. स्पीकर साहब हाउस को कनडैक्ट किसने करना था, वह आपने करना था।

जब आपने कनडैक्ट करना था तो पहली बात यह आती है कि स्पीकर खुद किस इन्टेग्रिटी से हैं, उनके खिलाफ किसी को भाक या डाउट तो नहीं है। यही कारण था कि हम गवर्नर महोदय से मिले। Seaker Sir, you are the custodian of the House.

Sh. Sat Pal Sangwan: Speaker Sir, he is speaking without your permission. Sir, I may be allowed to conclude.

Mr. Speaker: Mr. Sangwan, please let him complete first.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं बडी सभ्य भाशा में कह रहा हूं कि आप हाउस के कस्टोडियन हैं और जैसा कि गोदारा साहब ने कहा कि इस पर डिसक ान की जरूरत नहीं है।

Mr. Speaker: No no, Professor Sahib, there is no differenct in it. आप स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आए हैं और वे डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। दोनों एक ही जगह खडे हैं और दोनों ही अनकांस्टीच्यू हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा दोश यह है कि मैं अनपढों की जमात में आ गया हूं। (विघ्न)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): हमारे यहां आप से भी ज्यादा पढे हुए लोग बैठे हैं।

अध्यक्ष, पंजाब विधान सभा का स्वागत

श्री अध्यक्षः हमारे बीच पंजाब के माननीय अध्यक्ष अटवाल साहब वि ोश दीर्घा में आए हैं हम उनका सदन की कार्यवाही देखने के लिए आने पर स्वागत करते हैं।

श्री अध्यक्ष और श्री उपाध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्पों की सूचनाओं पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, गोदारा साहब ने जो बात कही कि इस डिसक ान की कोई जरूरत नहीं है। ये जो अवि वास प्रस्ताव आए हैं ये दोनों ही बराबर हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, जहां तक मैं कस्टोडियम वाली बात कह रहा था कि क्योंकि आपकी चेयर हैं, आप आदे ा दें कि किसको बोलना है, किसको नेम करना है, किसको सस्पैंड करना है, किसको सस्पैंड करना है। किसको कितना टाइम देना है, यह सब आपको देखना है। बार बार यह कहना कि इस पर डिसक ान की जरूरत नहीं। यह बात ठीक नहीं है। हम आपके खिलाफ अवि वास प्रस्ताव अपनी खु ाी से नहीं लाए बल्कि लोगों की भावनाओं को देखकर लाए हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker: Sampat Singh ji, please take your seat. No more discussion on it. (Interruptions). Please take your seat.

लोक निर्माण भवन एवं सडकें मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सभी माननीय सदस्यों से निवेदन

करना चाहता हूं कि आज एक बहुत महत्वपूर्ण विशय पर चर्चा करने के लिए हम यहां इकटठे हुए हैं अध्यक्ष महोदय, मैं 8 साल से इस सदन में आ रहा हूं। जितनी यहां पर लोगों की भीड इकटठी हुई हैं ऐसी भीड मैंने पहले कभी नहीं देखी। जैसा कि हमें बताया गया है कि टैलीविजन के माध्यम से इस दे ा की जनता यह देख रही है कि सदन के अन्दर हम क्या चर्चा करते हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि सभी माननीय सदस्य अपनी बात कहें लेकिन सदन का समय बरबाद न करें। यहां पर कोई ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए ताकि हरियाणा की जनता अफसोस करे कि हमारे चुने हुए नुमायन्दे कैसा व्यवहार करते हैं। यहां जितने भी माननीय सदस्य हैं। उनको अपनी बात कहने का अधिकार है। आप लोगों को जो हमसे नाराजगी है वे बातें आपको कहने का अधिकार है। यहां हर सदस्य अपनी बात कह सकता है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, मैंने जो आपसे प्रार्थना की थी उसका एक बैकग्राउण्ड है। हमारे महामहिम के पास हमारे बी0जे0पी0 के आदमी गए और उन्होंने कहा कि हम अपनी स्पोर्ट विदड्रा करते हैं। उन्हौंने और कुछ नहीं कहा (विघ्न) उन्होंने कहा कि हमने अपनी स्पोर्ट वापिस ले ली तो महामहिम की यह डयूटी बन जाती है, उनका यह फर्ज बन जाता है कि जो पार्टी सरकार का समर्थन कर रही थी उसने स्पोर्ट विदड्रा कर ली है तो आज यह सरकार बहुमत में है या नहीं।

उन्होंने अपने सी0एम0 को बुला कर कहा कि आप हाउस के अन्दर वोट आफ कान्फिडैंस लैं। This is the only thing. There is nothing to speak and there is nothing to ask. इसमें और कोई बात नहीं थी केवल वोट ऑफ कान्फिडैंस लेना है अगर ये नो कान्फिडैंस लाते तो और बात होती।

Sh. Sampat Singh: But this is everything , Sir.

श्री मनी राम गोदाराः उन्होंने कहा कि वोट आफ कान्फिडैंस की बात हाउस के अन्दर होगी। सरकार के जो स्पोर्टर थे उन्होंने कहा कि स्पोर्ट विदड्रा कर ली है। आज सरकार बहुमत में है या नहीं है यह केवल फिगर की बात है और कोई बात नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी मनी राम गोदारा जी इस सम्मानित सदन के सदस्य हैं और पार्लियामैंट के मैम्बर भी रह चुके हैं। सदन के नेता अगर वोट ऑफ कान्फिडैंस सीक करते हैं तो सर्वप्रथम इनको बताना पडेगा कि तीन साल के अर्से में इस इस सरकार अमुक पोलिसी रही है। (विघ्न) इसके दृश्टिगत ही सदन का मुझे में वि वास है अगर नहीं तो क्यों नहीं है। मैं गोदारा साहब को भी बताना चाहूंगा कि अभी पीछे राश्ट्रपति के निर्दे ाानुसार इस दे ा के मौजूदा प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी यही कहा गया था कि आप कान्फिडैंस सीक करें क्योंकि ऑल इण्डिया डी0एम0के0 ने सरकार से अपना समर्थन वापिस ले लिया है। इसी बात पर वहां पर हाउस

में तीन दिन धुंआधार बहस चली। अभी भी आप यह बात कह रहे हैं। हर पक्ष के आदमी को वहां पर बोलने का मौका दिया गया और करीब 50 से अधिक लोगों ने उस बहस में भाग लिया।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप यह बताइये कि बहस की तारीखें कौन कौन सी थीं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः 15–16 तथा 17 तारीख को बहस हुई। मैं यह बात भी बता दूंगा कि इस बहस में कौन कौन लोग बोले। मैं यह भी बता दूंगा कि इस बहस में स्पीकर का क्या रोल रहा था। आज हमारे बीच में अटवाल साहब जी बैठे हुए हैं और मुझे उम्मीद है कि आप आज संयम से काम लेंगे और कम से कम मर्यादा का तो ख्याल रखेंगे और निश्पक्ष रह कर काम करेंगे। कल की तो भगवान जाने।

श्री अध्यक्षः मैं हमे ाा ही संयम में रहा हूं तथा निश्पक्ष रह कर ही कार्य किया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मनी राम गोदारा जी ने जो अपनी बात कही उसके मायने चौधरी सम्पत सिंह जी गलत समझे। गोदारा साहब का इ ाारा यह था कि आज का जो मुददा है वह वि वास प्रस्ताव पर बहस होनी है। गोदारा साहब का मतलब यह था कि बहस करके गिनती करनी है या गिनती करने के बाद बहस करनी है। अगर ये गिनती करके बहस करना

चाहें तो कर लें और अगर पहले बहस करके गिनती करना चाहते हैं तो वह भी कर सकते हैं। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी कह रहे थे वे इस बात के लिए कहना चाहते हैं जो आपने मो ान रिजैक्ट कर दिया है भाायद उस पर बहस चाहे रहे हैं। आज यह जो हालात पैदा हुए हैं आप चाहें तो इस पर बहस करवा लें हम संकोच नहीं करते हैं। हम तो यह कहते हैं कि जिसने बोलना है बोल ले। हम भी बोलेंगे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये अपने आपको बहुत सीनियर मैम्बर समझते हैं। मैं बैठा हुआ इनकी स्पीचिज सुन रहा था। ये आपकी इन्टेग्रिटी पर डाउट कर रहे हैं। आपने इनके साथ ऐसा क्या कर दिया, कहां से इन्टेग्रिटी डाउट फुल वाली बात आ गई। जो ये ऐसी बात कर रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब आज जो यह स्टेज आई है वह हमारे एक साथी द्वारा जयललिता का पार्ट अदा करने के कारण आई है। जब इनकी सैंटर में सरकार गिरी तो इन्होंने कहा कि हमारे नेता का क्या कसूर है। हम भी यही कहेंगे कि हमारे नेता का क्या कसूर है। स्पीकर सर, जिसने जयललिता का पार्ट अदा किया है हम उसको नहीं बोलने देंगे। (विघ्न) (इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिये खडे हो गए)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाएं। चौधरी सतपाल सांगवान जी, आप भी बैठ जाएं।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, एक तरफ तो यह कह रहे हैं कि हमारे नौजवान भाहीद हो रहे हैं और दूसरी तरफ ये माला डाल कर आते हैं (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, दो मो ांज के बारे में आपने स्वयं फर्माया कि वे रिजैक्ट कर दिए हैं। चौधरी मनीराम गोदारा जी ने फर्माया कि यह सदन एक वि ोश परिस्थिति होने पर बुलाया गया है। आप उस पर बहस करवाएं। सांगवान साहब को जितना गाली गलोच देना है उसे वक्त दे लें। अध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब और डिप्टी स्पीकर साहब के खिलाफ जो मो ान था वह चर्चा के बाद रिजैक्ट कर दिया गया है। अब जो मुख्य मंत्री जी ने कांफिडैंस मो ान सदन में रखा है उस पर चर्चा करवाएं। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, मेरा टोपिक बहुत जरूरी है। (विघ्न) एक तरफ तो हमारे नौजवान कारगिल में भाहीद हो रहे हैं और दूसरी तरफ ये चार लाख की माला पहन कर आ रहे हैं। (विघ्न) एक तरफ तो जवान भाहीद हो रहे हैं और ये क्या करते फिर रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

16.00 बजे।

सांगवान साहब, आप बैठिए। (विघ्न) आप कृपया अपनी सीट पर बैठें। जब आपका कांफीडैंस मो ान पर बोलने के लिए नाम आएगा तब आप अपनी बात कहें। (ाोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें। Please come to the point (Noise & Interruptions).

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

Mr. Speakar: Motion moved-

That this House expresses its Confiddnce in the Council of Ministers. Now Mr. O.P. Mahajan will speak.

आबकारी एवं कराधान मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो आज यहां पर वि वास प्रस्ताव सदन के अंदर रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, ये तो इंडीपैंडैंट एम0एल0ए0 हैं अगर यह बहस एच0वी0पी0 की तरफ से भाुरू हो तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं, अब ओम प्रका ा महाजन ही बोलेंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह की बात तो ठीक है। सरकार तो एच0वी0पी0 की है जबकि ये तो इंडीपैंडैंट एम0एल0ए0 हैं।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मैं भी सरकार का ही एक हिस्सा हूं। (विघ्न)

लोक निर्माण (भवन एवं सडकें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, अभी जो माननीय साथियों ने कहा कि ओम प्रका ा महाजन तो इंडीपैंडेट एम0एल0ए0 हैं और बहस की भाुरूआत एच0वी0पी0 की तरफ से होनी चाहिए। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अभी यह तो एक इनकी तरफ से छोटा सा जवाब है। अगर ये लोग इनके जवाब से संतुश्ट नहीं होंगे तब हमारे और महारथी जवाब देंगे।

श्री ओम प्रका ा महाजनः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता द्वारा रखे गये वि वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। आज मेरा सिर सदन में भार्म के मारे झुक रहा है। (ाोर एवं व्यवधान) आप सभी मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः इस डिसक ान के लिए दो घंटे फिक्स किए गए हैं। दो घंटे का मतलब यह है कि एक मैम्बर को बोलने के लिए डेढ़ मिनट मिलते हैं।

श्री ओम प्रका ा महाजनः सर, मैं चार पांच मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा सिर आज इसलिए भार्म से झुक रहा है कि जो लोग सिद्धान्त की बात करते हैं यानी मेरे मायके वाले बी0जे0पी0 के लोग। (विघ्न) इन्होंने अपने उस साथी की पीठ में छुरा घोंप दिया जिसके साथ इन्होंने

पांच साल निभाने का वायदा किया था। (विघ्न) सिद्धांत की बातर करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सिद्धांतहीनता को देखकर मेरा सिर भार्म से झुक गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी सभी विधायक गण और मंत्री गण से प्रार्थना है कि वे आराम से सुने भी और अपनी बात आराम से कहें भी।

श्री ओम प्रका ा महाजनः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सिफ र्यह कह रहा था कि जो पार्टी सिद्धांत की बात करती है उसकी सिद्धांतहीनता की इससे ज्यादा और मिसाल क्या हो सकती है कि उन्होंने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिये सारी मर्यादा को ताक पर रख कर अपने उस साथी की पीठ में छुरा घोंपा है जिसका साथ निभाने की वे 5 साल की बात करते थे। अध्यक्ष महोदय, इसके पीछे एक ही बात है और वह बात आज सारा दे ा जानता है कि चौटाला साहब के पास चार लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने श्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्थन दे रखा था और समर्थन देते देते न जाने इन दोनों के बीच में क्या नाचाकी हुई अथवा इनकी कोई बात नहीं मानी गई और क्या हुआ, श्री चौटाला ने समर्थन वापिस ले लिया। जब समर्थन वापिस लिया तो चौटाला साहब जो कि इस वक्त हाउस में बैठे नहीं हैं, ने कहा कि बी0जे0पी0 सांप से भी बुरी बला है। इन्होंने बी0जे0पी0 और कांग्रेस के लिये सांप नाथ और नाग नाथ भाब्द प्रयोग किये और कहा कि कांग्रेस पार्टी तो चिमटे से छूने वावली पार्टी भी नहीं है

फिर न जाने अलाददीन का चिराग बी0जे0पी0 ने श्री चौटाला को कैसे दे दिया कि जब पार्लियामैंट में कांफीडैंस के लिये वोटिंग हुई तो अलाददीन के चिराग ने श्री चौटाला की नजरों में बी0जे0पी0 को दूध का धुला बना दिया। स्पीकर सर, परमात्मा नाम की भाक्ति है और ई वर सब कुछ देखता है। जो किसी दूसरे के लिये गडडा खोदता है तो परमात्मा उसको माफ नहीं करता है। जिन लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट देने की बात कही थी जैसे कि मायावती जी और सोज जी, इन लोगौं ने भी उन्हें वक्त पर वोट नहीं दिया। इसलिये बी0जे0पी0 वाले न घर के रहे न घाट के रहे। न खुदा मिला, न बिसाले सनम, न इधर के रहे न उधर के रहे। इसलिये मैं इन चार लोकसभा सदस्यों के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी तो अपने करैक्टर से फिसल गई और उनकी सरकार गिर गई, इन चार लोगों का समर्थन भी किसी काम न आया। लेकिन मैं भााबा ाी देता हूं चौधरी सुरेन्द्र सिंह को जिनको यह पता था कि इस समर्थन के बदले में हमारे पिता की सरकार को भी ये लोग नुक्सान पहुंचा सकते हैं फिर भी उन्होंने कहा कि मैं धोखा नहीं दूंगा और बी0जे0पी0 को अपना समर्थन जारी रखा। इसलिये मैं चौधरी सुरेन्द्र सिंह को भााबा ाी देता हूं। (ाोर) अभी विपक्ष के नेता श्री भार्मा जी जो इस वक्त हाउस में बैठे नहीं हैं, कह रहे थे कि वे कारगिल के भाहीदों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं। हमें भी उनके प्रति उतनी ही सहानुभूति है जितनी कि उनको है बल्कि पूरे दे ा को उनके प्रति सहानुभूति है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा

के लिये अपने प्राण न्यौछावर किये। आज सारा दे ा उनके सामने नतमस्तक है लेकिन क्या ये दोनों पार्टियां इस बात का जवाब दे सकेंगी कि जब कारगिल के अंदर हमारी भारतीय सेना जूझ रही हो, दु मनों से लोहा ले रही हो और हरियाणा के जिलों में वहां से अर्थियां रोजाना आ रही हों, उस वक्त जब ऐसी घटनाएं घट रही हों, और कारगिल की लडाई में जो भाहीद हो रहे हों उनके परिवारों के आंसू दिखाई पडने की बजाये इनकी पार्टियों के वर्कर लडडू बांट रहे हैं तो क्या यह वक्त लडडू बांटने का था जब कारगिल के अंदर हमारे दे ा के जवान भारत माता की रक्षा के लिये लड रहे हैं और भाहीद हो रहे हैं। इस तरह लडडू बांटने के काम तो फिर भी हो सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहता हूं। (ाोर) एक बात पक्की है कि हमारे दे ा के अंदर जो बुजुर्ग हुये हैं उन्होंने एक बात कही है कि जो आदमी भरी थाली को ठोकर मारता है तो भरी थाली उसको ठोकर मारती है। इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है। मैं पूरे हाउस में यह बात कह रहा हूं कि इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है और भरी थाली को ठोकर मार रही है। इस सरकार का कुछ नहीं बिगडने वाला है। यह सरकार तो फिर भी चलेगी और अगले दो साल पूरे करेगी। लेकिन ये थोडा सा देख लें कि इन्होंने भरी थाली को ठोकर मारी है और असल में चौटाला साहब को एक बहुत बडी तकलीफ है और वह तकलीफ यह है कि हमारे हरियाणा के नेता और हमारी सरकार के मुखिया चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की जनता से वायदा किया था कि 30 जून से 24 घंटे

बिजली देंगे। अभी 30 जून आई नहीं है अभी पांच दिन बाकी हैं और इनके मन में यह बात थी कि अगर 24 घंटे बिजली मिल गई जो कि कोई और 20 साल में नहीं ला सकता था वह ये लोग 3 साल में लाकर दिखा रहे हैं जबकि बजट बहुत कम है और पांचवें वेतन आयोग की सिफारि ों लागू करने पर 750 करोड रूपये का बोझ पडा है उसके बावजूद भी तीन साल के अल्प काल में वह करि मा करके दिखाया है और आने वाली 30 जून से गांव की हर गली से लेकर झोंपडी में भी 24 घंटे बिजली का लटटू जलेगा तो इनको तकलीफ यह थी कि यदि यह सरकार चल गई और 30 जून आ गई और जनता ने इनकी बिजली देने की बात देख ली और दो साल में इन्होंने और विकास के काम कर लिए तो किस मुंह से ये जनता के सामने जाएंगे इनकी चिन्ता यह थी।

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं कहना चाहता हूं कि जो उपलब्धियां आज तक हासिल कर ली हैं वह बताएं। जो बातें अभी होनी हैं उनका क्या चर्चा है। ये यह बताएं कि कितनी भाराब बन्द की है ? बल्कि भाराबबंदी की आड में इन्होंने लोगों को क्रिमिनल बनाया है। हरियाणा प्रदे ा के कितने लोगों को इन्होंने बर्बाद किया है ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, हम भारतीय संस्कृति को मानने वाले हैं औरी ऋशि मुनियों के सिद्धांत पर वि वास रखते हैं। हमारी आत्मा यह कहती है कि जो काम हम किसी के लिए करें उसे पहले अपने लिए सोच लें। जयललिता ने

भारतीय जनता पार्टी से जब समर्थन वापस लिया तो इन भारतीय जनता पार्टी वालों ने मेरे मायके वालों ने कौन सी ऐसी गाली है जो इस्तेमाल न की हो, ये बताएं कि जयललिता का क्या कसूर था। अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से पोस्टर छपवाए कि इस आदमी को क्या दोश था ? तो क्या ये यह बताएंगे कि चौधरी बंसी लाल जी का क्या दोश था ? मैं तो यही बात कहूंगा कि "तमन्ना तो यही थी कि तेरे पहलू में दम निकले, जिन्हें हम देवता समझे वह पत्थर के सनम निकले"।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, उधार के लिए भाब्द ये क्यों बोल रहे हैं हालत यह हो गई है कि इनको गालियां देने वाले नहीं मिल रहे हैं। इनका तो ये हाल है कि "जब रंज बूतों ने दिया तो खुदा याद आया"। ये लड़की तो हमारे घर से निकाली हुई है।

श्री ओम प्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, जो सर्वे हुआ है उसमें 67 परसैंट पुरूशों व 33 परसैंट महिलाओं में से साठ प्रति ात लोगों ने इनके कदम को गलत बताया है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोड़ी): अध्यक्ष महोदय, सदन के समक्ष सदन के नेता ने वि वास मत अर्जित करने का प्रस्ताव रखा, अच्छा होता कि सदन के नेता अपनी कुर्सी पर होते। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता की तरफ से रखे गये वि वास प्रस्ताव के विरोध में बोल रहा हूं। डैमोक्रेटिक सैट अप में जनता के चुने

हुए प्रतिनिधि जनता जनार्धन से जो चुनावी वायदे करके आते हैं, सत्ता प्राप्ति के बाद उन्हें उन चुनावी वायदों को निभाना होता है और यह उनकी नैतिक जिम्मेवारी बन जाती है। मौजूदा सदन में हविपा भाजपा गठबंधन को इस प्रदे ा की जनता जनार्धन ने हविपा–भाजपा को मैनडेट दिया था और उसी मैनडेट के आधार पर इन लोगों ने अपनी सरकार बनाई थी। चूंकि जनता जनार्धन ने हविपा–भाजपा को मैनडेट दिया था इसलिए हमने उनको अवसर प्रदान किया कि जनता जनार्धन से किए हुए वायरे पूरे करें। अध्यक्ष महोदय, तीन साल के अर्से में हमने इस सरकार के खिलाफ कभी भी अवि वास का प्रस्ताव नहीं लाया। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा हविपा भाजपा गठबन्धन की सरकार को प्रदे ा की जनता ने मैनडेट दिया था और आज चूंकि उसके एक घटक भारतीय जनता पार्टी को भी मौजूदा सरकार पर वि वास नहीं रहा और उसने इस सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। इसलिए नैतिकात के आधार पर इस सरकारकी जिम्मेवारी बन जाती थी कि मुख्य मंत्री महोदय अपने पद से त्या गपत्र दे देते और सरकार को छोड कर चले जाते। इस प्रकार की प्रथा इस दे ा में कायम रही है। जब श्री चन्द्र भोखर जी प्रधान मंत्री थे तो कांग्रेस पार्टी ने यह इ ाारा किया था कि हम आपका साथ छोडने जा रहे हैं तो उन्होंने अपने पद से तुरन्त त्या गपत्र दे दिया था। लेकिन दुर्भाग्य हरियाणा प्रदे ा के लोगों का है कि ऐसे लोगौं के हाथों में सत्ता आई है जिनके मुखिया का नैतिकता से थोडा भी वास्ता नहीं है। अगर उस व्यक्ति के नैतिकता ले ा मात्र भी होती है तो उसे

मुख्य मंत्री पद छोड देना चाहिये था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल का जो एमरजैंसी का युग आया था और एमरजैंसी में चौधरी बंसी लाल द्वारा जो जो काम किए गये थे उनके लिए सरकार बदलने के बाद, रैडडी कमी ान मुकरर हुआ था। अध्यक्ष महोदय, रैडडी कमी ान 1977 में हाउस के मौजूदा लीडर चौधरी बंसी लाल के खिलाफ कायम हुआ था उसकी फाइंडिंग उसकी रिपोर्ट में पढ रहा हूं। 30 नवम्बर 1977 को पहली बार और 22 जून 1978 को आखिरी बार उस रैडडी कमी ान की रिपोर्ट आई थी। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, चौटाला साहब हमारी पहले की कमियों का जिक्र कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। कभी ये कहते हैं कि 1977 में ये हुआ, कभी कहते हैं कि 1986 में यह हुआ। इनको ऐसा नहीं कहना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सांगवान सहाब यह तो इनकी अपनी मर्जी है कुछ भी बोलें। मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि सदन के अंदर कोई भी सदस्य असंसदीय भाशा का प्रयोग न करें और न ही व्यक्तिगत रूप से कटाक्ष करें ताकि सदन की कार्यवाही भाांतिपूर्ण ढंग से चलती रहे। सभी सदस्य मेहरबानी करके इन हालात से बचें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब बोल रहे हैं और सांगवान साहब बीच बीच में खडे हो जाते हैं, क्या यह

ठीक है। आप इस बारे में रूलिंग दें, क्या यह प्वाइंट आफ आर्डर नहीं बनता। चौटाला साहब रैडडी कमी ान की फांईडिंग पढ रहे हैं इसमें प्वाइंट आफ आर्डर कहां से आया।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, क्या वे जो चाहें बोलेंगे ?

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछ रहा हूं कि क्या यह प्वाइंट आफ आर्डर बनता है या नहीं बनता ?

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, सांगवान साहब इन्फर्मे ान सीक करना चाते हैं। चौटाला साहब आप बोलिये।

श्री नृपेन्द्र सिंहः स्पीकसर सर, चौटाला साहब के ब्यान पर मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेता के बोलते ही प्वाइंट आफ आर्डर आ जाता है। क्या पवाइंट आफ आर्डर के बनता है ?

श्री अध्यक्षः नृपेन्द्र जी प्वाइंट आफ आर्डर पर प्वाइंट आफ आर्डर नहीं बनता, प्लीज आप बैठिये।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, आप रूलिंग दें कि प्वाइंट आफ आर्डर पर क्या प्वाइंट आफ आर्डर बनता है ?

श्री अध्यक्षः मैंने भी उनको आपकी ही बात कही है लेकिन पता नहीं आपका ध्यान कहां पर है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, आप रूलिंग दें कि प्वाइंट आफ आर्डर पर क्या प्वाइंट आफ आर्डर बनता है ?

श्री अध्यक्षः मैंने भी उनको आपकी ही बात कही है लेकिन पता नहीं आपका ध्यान कहां पर है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा ध्यान तो आप में है। (विघ्न)

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने हाउस को मिस लीड किया है, इन्होंने कहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः नृपेन्द्र जी प्लीज आप बैठिये। चौटाला साहब आप बोलियो।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैं हाऊस में जो भी तथ्य प्रस्तुत करूंगा वे सही प्रस्तुत करने की कोि ा ा करूंगा लेकिन बिना वजह से रोका टोकी होगी तो इससे सदन का समय बरबाद होगा और हाऊस में आपस में कटुता पैदा होगी। यह कोई अच्छी बात नहीं है और न ही हाऊस मे अच्छी रिवायत कायम होगी। अध्यक्ष महोदय, भाायद मेरे साथी को इस बात का ज्ञान नहीं है कि 1977 की ज्यादतियों के खिलाफ जगमोहन रैडडी कमी ान की नियुक्ति हुई थी। अध्यक्ष महोदय, यह कमी ान केंद्र की सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था और जग जाहिर है कि यह कमी ान श्री बंसी लाल जी की ज्यादतियों को खिलाफ लागया गया था। इस कमी ान की रिपोर्ट

आई हुई है, वह मैं हाऊस में पढ कर सुनाता हूं कि किन किन गलत कामों के प्रति फैसला दिया गया है जो श्री बंसी लाल जी की सरकार के समय में हुए थे। रिपोर्ट में लिखा है कि बसों की बाडी बनाने का काम आजाद बोडी बिल्डर, जयपुर, रायल बाडी बिल्डर और मारूति को दिया गया था। कानून कायदे सारे छोड करके बसों की बाडी बनाने का काम दिया था। उसमें बहुत बडा घपला हुआ था, यह रैडडी कमीशन की अपनी एक फाईंडिंग है। अध्यक्ष महोदय, मुरथल की 50 एकड जमीन घन याम दास गोयल को सारे कानून तोड करके दी गई और जान करके वह जमीन इंडस्ट्रिल फोकल प्वाइंट के रूप में बदल दी गई। डी0सी0एम0 की दरखास्त भी साथ थी लेकिन उसकी दरखास्त पैंडिंग छोड दी जिसकी वजह से डी0सी0एम0 को मजबूर होकर दूसरी जगह जमीन लेनी पडी। प्रभुदयाल डाबड़ी वाला जिसे आप टी0सी0आई0 का मालिक कह लीजिए या प्रोपराईटर कह लीजिए, जो कि घन याम दास गोयल का नजदीकी रि तेदार था उनको फरीदाबाद के सैक्टर 15ए के अंदर रजिस्ट्री के हिसाब से 3000 गज जमीन रैजीडैं ि ायल प्लाट की दी गई।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से श्री ओम प्रका ा चौटाला जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पिदले 3 साल में हविपा भाजपा गठबंधन की सरकार इस प्रदे ा में रही है। आज हमारे भाजपा के साथियों ने हमसे अपना नाता तोड लिया है। मैं आपके माध्यम से चौटाला

साहब से अनुरोध करना चाहूंगा कि पुराने इतिहास में जाने की बजाए इन पिछले 3 सालों का लेखा जोखा इस सदन में प्रस्तुत करें। अगर हमने इस पीरियड में कोई गलत काम किया हो तो उसकी सदन में चर्चा करें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे फाजिल दोस्त ने प्वाएंट ऑफ आर्डर रखा है, मैं इसमें जाना नहीं चाहता हूं। इस वक्त मैं चौधरी बंसी लाल के मुख्य मंत्रित्व काल की सारी बातें बताना चाहूंगा जिनकी बेकाइदगियों के खिलाफ रैडडी कमी ान का गठन हुआ जिसने इस व्यक्ति के खिलाफ अपनी फांईडिंग दी है। हम तो यह सोचते थे कि भाायद इन्होंने अपनी पुरानी आदतें बदल दी होंगी क्योंकि जब ये चुनकर पहली बार इस सदन में आए थे तो इन्होंने कहा था कि अब मैंने अपनी पुरानी आदतें बदल ली हैं। इसलिए मैं थोडी सी इनकी पुरानी बैकग्राउंड बता रहा हूं। इतना ही नहीं मैं आप सभी की आज के ताजा हालात की चर्चा करते हुए तसल्ली कर दूंगा। इन्होंने 3000 गज जमीन फरीदाबाद के रेजिडैं ि ायल सैक्टर 15ए में इंडस्ट्री लगाने हेतु सारे कायदे कानून तोडकर दी थी, इनका यह कदम कतई गलत था। इसी प्रकार से टी0सी0आई0 के बारे में ताजा स्थिति सुन लीजिए। आपके पडौस में बिजली मंत्री बैठे हुए हैं। श्री ओम प्रका ा महाजन जी ने कहा कि चौधरी बंसी लाल जी 30 जून 1999 से पूरे हरियाणा प्रदे ा को 24 घटे बिजली देने जा रहे हैं। मैं बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने तो

चुनावों से पूर्व यह भी कहा था कि मेरी सरकार बनने के बाद मैं प्रदे ा के अंदर 24 घंटे बिजली दे दूंगा, सस्ती बिजली दूंगा, 24 घंटे में टयूबवैल्ज का कनैक ान नहीं दे सकता। इसके लिए एक लम्बा प्रोसैस होता है। सर्वप्रथम इसके लिए दरख्वास्त देनी होती है, उसके बाद जांच पडताल होती है, फिर इसकी टैस्ट रिपोर्ट बनती है, उसके बाद सिक्योरिटी जमा होती है, फिर फासला नापा जाता है, फिर खंभे व तार लगाए जाते हैं तथा ट्रांसफार्मर आदि लगाया जाता है। इस सारी प्रक्रिया को पूरा करने में कुछ समय लग जाता है। लेकिन मुख्य मंत्री का पद हथियाने के लिए इन्होंने तो 24 का आंकडा पकड लिया है। इनके मुख्य मंत्री बनने के बाद आज आप सभी देख रहे हैं कि प्रदे ा के अंदर बिजली की यह स्थिति है कि 24 घंटे की बजाए 4 घंटे बिजली मिलती है। बिजली सस्ती मिलने की बजाए 4 गुना महंगी मिलती है। जहां तक 24 घंटे में बिजली के कनैक ान देने की बात है, इस बारे में इस सदन में सवाल पूछा गया तो सरकार की तरफ से यह जवाब आया कि नए कनैक ान देने की बजाए 15000 से अधिक कनैक ान काटे गए हैं। 30000 से अधिक तो घरों के कनैक ान काटे गए हैं। चौधरी बंसी लाल जी की यह काटा पीटी का पुरानी आदत है। इन्हौंने बिजली का निजीकरण किया। हिन्दुस्तान के इतिहास में कोई ऐसी मिसाल नहीं मिल सकती कि ऐसे अवसर पर जब इन्होंने एक अहम निर्णय लिया यानि की बिजली का निजीकरण किया उससमय समूचा विपक्ष सदन में उपस्थित नहीं था। फिर भी इन्होंने बिजली का निजीकरण कर दिया। इन्होंने बिजली का

निजीकरण यह कह कर किया कि बिजली में सुधार किया जायेगा। श्री ओम प्रका ा महाजन जी ने भी कहा कि आने वाली 30 जून से हरियाणा में 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन अभी तक ऐसे आसार नजर नहीं आ रहे हैं कि वे 30 जून से 24 घंटे बिजली दे पाएंगे। मैं बताना चाहूंगा कि 143–143 मैगावाट के फरीदाबाद में 2 गैस पॉवर प्लांटस लगने थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आपकी पार्टी को बोलने के लिए 33 मिनट का समय दिया गया है। इस हिसाब से इस समय में चाहे आप अकेले ही बोल लें अथवा अपनी पार्टी के दूसरे साथियों को भी बोलने का मौका दें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपके पास कहने को कुछ और तो है नहीं। आप मेरी ये बातें सुन लो, आपके काम की बातें हैं। आप हमे ाा ही तो इस कुर्सी पर रहने वाले नहीं हैं।

श्री अध्यक्षः भगवान न करे, मैं आपके कदमों पर चलूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हम तो चाहते हैं कि परमात्मा आपको जीवित रखे ताकि आप अपने ..... को देख सकें।

श्री अध्यक्षः जो भाब्द इन्होंने इस्तेमाल किया है उसको रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हम तो आपकी लम्बी उमर की कामना करते हैं। (विघ्न) महाजन साहब ने यहां पर बिजली की चर्चा की थी, इसलिए मुझे इस बारे में कुछ बोलना पडा है। मैं सदन के ध्यान में लाना चाहूंगा कि इनकी 143–143 मैगावाट की जो दो गैस पावर यूनिट तैयार होनी थी वह इनके हिसाब से मई में तैयार हो जानी चाहिए थी लेकिन वे आज तक तैयार नहीं हो पाई हैं। (विघ्न) आप बाद में बोल लेना। एक यूनिट जो 143 मैगावाट की है उसकी टरबाईन में खराबी आ गई है। इस बारे में जो इनके टैक्नीकल वि ोशज्ञ हैं, उनका मत है। (विघ्न)

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से एक बात कहना चाहता हूं कि किसी माननीय सदस्य के प्रति ये व्यक्तिगत तौर पर कोई बात न कहें और न ये किसी को झिडकी दें। हम भी झिडकी का जवाब दे सकते हैं लेकिन स्पीकर साहब आप हमें रोक देते हैं। स्पीकर साहब, यदि ये आगे इस तरह से झिडकी भरे भाब्दों में अपनी बात कहेंगे तो फिर हम भी उसी भाशा में इनको जवाब देंगे और फिर हम आपके रोकने से भी रूकेंगे नहीं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि 143 मैगावाट की जो दूसरी यूनिट है उसका टरबाईन रूटल टूट चुका है इसलिए वह सितम्बर से पहले तैयार नहीं हो पायेगी।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी): 143 मैगावाट की जो दो यूनिट थीं उनमें से एक तो चालू हो चुकी है और दूसरी अगस्त तक चालू हो जायेगी।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जिस चीज का मैं जिकर कर रहा था वह यह थी कि मै0 सोफीमेंट जो फ्रांस की फर्म है उसको ठेका देना चाहिए था लेकिन इन्होंने सिस्टर कनसर्न को ठेका दिया है। यह ठेका सारे कायदे कानून तोड कर दिया है।

श्री अत्तर सिंह सैनी: उसको कायदे कानून के मुताबिक ठेका दिया है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: कायदे कानून के हिसाब से तो फ्रांस की एक कम्पनी सोफीमैंट है, उसको ठेका दिया जाना चाहिए था। लेकिन इस फर्म को ठेका देने की बजाये टी0सी0आई0 की जो सिस्टर कनसर्न "भारूका" है उसको ठेका दिया गया है। जबकि फ्रांस की जो सोफीमैंट फर्म है वह पहले नम्बर पर आती थी। सरकार के जो पावर सैक्रेटरी कुरै ाी साहब हैं, वे हाऊस में बैठे होंगे। मैं बताना चाहूंगा कि जो तकनीकी वि ोशज्ञ कमेटी थी उसने फ्रांस की फर्म को ठेका देने की सिफारि ा की थी लेकिन बाद में कायदे कानून तोडकर और तकनीकी समिति की रिपोर्ट को बदल कर भारूका को ठेका दे दिया। आज टी0ई0सी0 ने अपनी दूसरी रिपोर्ट दी है। हरियाणा सरकार की बिजली पैदा करने वाली

"जैनको" को पहले स्थान पर रखा यानि सारे कानून कायदे बदल कर उसको पहले स्थान पर रखा, उसके बाद टी0सी0आई0 की सिस्टर कंसर्न को दूसरे स्थान पर रखा और सोफीमैंट को तीसरे स्थान पर रखा। उसके बाद मुख्य सचिव ने अपनी रिपोर्ट देकर कहा कि चूंकि हरियाणा सरकार की 'जैनको' यह काम नहीं करेगी क्योंकि हम इनते बडे काम नहीं करते हैं। जैनको ने 16–16 मैगावाट यूनिट के दो काफ पहले भी किए हुए हैं। 'भारुका' टी0सी0आई0 की सिटर कंसर्न है और टी0सी0आई0 प्रभुदयाल की कम्पनी है। इस बात का आपको ज्ञान है। पहले पुराने नाम बताए गए हैं। अब मैं नए नाम बता रहा हं कि किस तरह से सारे कानून कायदे तोड कर भारूका को लिया गया है। आज प्रदे ा में बिजली की स्थिति यह है कि बिजली मिल नहीं रही है, बिजली के दाम बढाए जा रहे हैं, बिजली के कनैक ान काटे जा रहे हैं। डिवैल्पमैंट के नाम पर प्रदे ा में कोई ईंट नहीं लगाई जा रही है। लाखों रूपये बडे बडे विज्ञापन छापने के लिए अखबार वालों को दिए जाते हैं। एक तरफ मुख्य मंत्री की तस्वीर होती है, दूसरी तरफ विभाग के मंत्री की तस्वीर होती है और लिखा होता है कि हमने यह यह उपलब्धियां कीं। कुछ दिन पहले कृशि मंत्री जगन नाथ की तस्वीर छपी हुई थी। पहले दिन उसका विज्ञापन छपा और दूसरे ही दिन उसको ..... कर दिया गया।

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ..... नहीं तो डिसमिस तो कह सकते हैं या उसको भी आप रिकार्ड नहीं करवाएंगे। अब कोई कानून नहीं रहा, जब चाहे मंत्री बना लिए जाते हैं। साथ साथ एक्सपैं ान की जाती हैं। राह चलते को वजीर बना दिया जाता है। पहले मंत्रियों को सस्पैंड कर दिया जाता है और फिर सस्पैंड होने वाले कहते हैं कि ये लोग भ्रश्ट हैं (विघ्न) मैंने नाम नहीं लिया।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब आप बैठिए।

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर साहब, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। चौटाला साहब जो कह रहे हैं मैंने ऐसा कभी नहीं कहा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैंने किसी का नाम नहीं लिया। चोर की दाढी में तिनका होता है। ये स्वयं अपनी एक्सप्लेने ान दे रहे हैं। मैंने तो कहा कि ये मंत्री पहले दिन ओथ लेते हैं और फिर मुख्य मंत्री के पैर पकडते हैं। (विघ्न)

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर सर, समाज की संस्कृति रही है कि पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, मंत्री महोदय पर्सनल एक्सप्लेने ान दे रहे हैं। आप अपना बयान पढ लीजिए, वह मैं सारा पढूंगा तो बहुत समय लग जाएगा। यह ब्यान अखबार में छपा हुआ है। इसे मैंने नहीं छापा है।

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर सर, समय आने पर मैं इसका जवाब दूंगा। लेकिन जब जवाब का समय आता है तो ये उठ कर चले जाते हैं। यह इनकी पुरानी आदत है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, मुख्य मंत्री ने अपनी पुरानी रवायतों का कायम करना भाुरू कर दिया है जिसका रैडडी कमी ान ने विरोध किया था। बतौर डिफैंस मिनिस्टर चौधरी बंसी लाल ने जर्मनी की फर्म एम0ए0एन0 से 50 हैवी रिकवरी वाहन खरीदे, बडी क्रेनें खरीदीं उसमें घपला हुआ है। रैडडी कमी ान ने रिपोर्ट दी है, यह मैंने अपनी तरफ से नहीं कहा सैन्ट्रल गवर्नमैंट द्वारा वह रिपोर्ट पार्लियामैंट के समक्ष रखी गई थी और सी0बी0आई0 ने पर्चा दर्ज किया था। यह एफ0आई0आर0 10–11–78 को दर्ज हुई थी। यह एफ0आई0आर0 भ्रश्टाचार और कानून को तोडने पर आई0पी0सी0 120बी के तहत 5/5/23ए बी के तहत भी केस दर्ज हुआ है।

श्री अध्यक्षः उस केस का फेट क्या हुआ यह भी बता दें ?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैं वही बताने जा रहा हूं। इसी प्रकार से आज की मौजूदा सरकार ने हरियाणा रोडवेज जो कि मुनाफाबख्भा अदारा था उसकी हालत यह कर दी है कि आज उसके अन्दर 100 करोड से ज्यादा का घाटा है। यह घाटा इसलिए है कि बसों के जो परमिट दिए गए हैं वे अपने रि तेदारों,

भाईयों और चहेतों को दिए गए हैं और हरियाणा रोडवेज के कण्डक्टर्ज उन बसों की सवारियों को ढोने का कार्य करते हैं। (विघ्न एवं भाोर) यह काम इस हद तक हुआ कि अगर कोई सरकारी अधिकारी इस नाजायज बसों का चालान करते हैं तो उनकी पिटाई होती है। कमि नर रैंक के एक ऑफिसर को चौधरी बंसी लाल ने स्वयं भेजा। एक्साईज एण्ड टैक्से ान कमि नर श्री प्रा ार को चौधरी बंसी लाल ने स्वयं यह कह कर भेजा कि इस प्रकार की बसों में अगर कोई बेकायदगी हो तो उनके खिलाफ एक ान लें। ..... (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैं इस पूरे सदन में वि वास से कहता हूं कि मेरी कोई बस नहीं है। हम इनकी तरह की बात नहीं करते हैं। अगर चौटाला साहब यह सिद्ध कर दें कि मेरी कोई बस है या कोई गाडी है तो मैं खुली चुनौती देता हूं और इस हाऊस के अन्दर कहता हूं कि मैं अपने पद से रिजाईन कर दूंगा। अगर यह सिद्ध कर दें कि मेरी कोई गाडी है या मेरा कोई हिस्सा है या मेरे बेटे की कोई बस है तो मैं रिजाईन करने के लिए तैयार हूं नहीं तो इन्हें रिजाईन दे देना चाहिए। (विघ्न) हम इन की तरह से नहीं हैं। श्री राम बिलास जी कहा करते थे कि इनकी 18 बसें चलती हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बात सिद्ध करें या चौटाला साहब रिजाईन करें। अगर ये इस बात को सिद्ध कर देंगे तो मैं रिजाईन दे दूंगा। इनके बात करने का यह तरीका ठीक नहीं है।

(विघ्न) इन्होंने जो बस वाली बात कही है उसको रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आपको मेरी बात सुननी पडेगी। यह मामला आपसे संबंधित है इसलिए एक्सपंज नहीं होगा। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैं कह रहा हूं कि रिकार्ड नहीं होगा, आपके कहने से क्या होता है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आपने जो चुनौती दी है उसको भी बरकरार रखिए।

श्री अध्यक्षः आप पहले अपनी कही बात को सिद्ध करें उससे आगे तभी बात होगी। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप पहले मेरी बात सुनिए। (विघ्न) आपने इस प्रकार की बेनामी ट्रांजैक ान्ज की हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक और बात बताऊं। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः पहले आप अपनी कही बात को सिद्ध करें, फिर आगे बढेंगे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आप किसी पर भी कोई भी लांछन लगा दें, यह कोई तरीका नहीं है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, बेनामी सौदे सिद्ध नहीं होते। (विघ्न) मैं अपनी बात कहने जा रहा हूं आप इनको बिठाइये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: आप हुक्म देने वाले कौन होते हैं ? (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: मैं हुक्म देने वाला नहीं हूं मैं तो अपनी बात कहने वाला हूं।

श्री अध्यक्ष: पहले आप अपनी बात को सिद्ध कीजिए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: बेनामी सौदे सिद्ध नहीं होते। आपके दोस्तपुर में पहाड की लीज भी आपके रि तेदार भूपेन्द्र सिंह पुत्र मदन पाल सिंह बापौडा को दी हुई है। आप दूसरों पर उंगली उठाते हैं। (विघ्न) आप मेरी बात सुनिये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब, आप मेरी बात सुनिये। पहले आप बस की बात सिद्ध करिए मैंने आपको खुली चुनौती दी है। यह बात नहीं कि आप लांछन लगा दें। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: आपके बेनामी सौदे हैं, सारा रिकार्ड तलब किया जाए। रिकार्ड में बाकायदगी से है कि किस किस के नाम से परमिट हैं दोस्तपुर गांव की पहाड की लीज भूपेन्द्र सिंह सन ऑफ मदन पाल सिंह की है और वह छतर सिंह,

स्पीकर का रि तेदार है और बापोडा गांव का है। मैं कौन कौन सा किस्सा आपको बताऊं कोई एक हो तो बताएं। यह तो सारा घपला यहां पर है जो गदर मचा हुआ है उसके बारे में क्या कहूं। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। श्री कर्ण सिंह दलाल जी का प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से ओम प्रका ा चौटाला जी से निवेदन करना चाहता हूं कि अगर वाकई में उनके पास कोई तथ्य है, कोई सबूत है या कोई कागजात हैं कि स्पीकर साहब ने हरियाणा सरकार के वजीर ने या मैंने घोटाला किया है तो हमारी सरकार ने लोकपाल नियुक्त कर रखा है ये उनके पास जाएं और वे सबूत या कागजात जो इनके पास हैं उनको दिखाएं। यहां पर हाउस का समय नश्ट न करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था ..... (घंटी)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, आपका समय खत्म हो गया है। अब आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा टाईम कैसे खत्म हो गया है। मैंने तो 10 मिनट भी नहीं बोला है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः मैं बहन करतार देवी जी से निवेदन करूंगा कि वे बोलें। वे सदन में नहीं हैं। श्री बीरेन्द्र सिंह जी बोलें। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे यह बताएं कि मेरा समय कैसे खत्म हो गया। हमारी पार्टी का 33 मिनट का समय है और मैं तो दस मिनट भी नहीं बोला हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी 4.35 पर बोलना भाुरू हुए थे और अब आप समय देख लें। जबकि इनको बीच में इन्ट्रप्ट भी किया गया है। (विघ्न)

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, जब बीच बीच में दूसरे बोलने के लिए खडे हो जाते हैं तो वह समय कहां पर जाएगा। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, एच0वी0पी0 वाले बीच में खडे होकर प्वायंट आफ आर्डर पर बोलेंगे तो क्या वह समय भी हमारे समय में काउंट होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं माननीय चौटाला साहब को बताना चाहूंगा कि उन्होंने 4.16 पर बोलना भाुरू किया था और अब ये घडी देख लें कि क्या समय हो गया है। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे तो बोलने ही नहीं दिया गया है।

श्री अध्यक्षः आप दो मिनट में कन्कलूड करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सर, मुझे कम से कम अपने समय तक तो बोलने के लिए टाइम मिलेगा।

श्री धीरपाल सिंहः सर, आप जो प्वायंट आफ आर्डर पर बार बार बोलने दे रहे हैं वह समय किस के खाते में जाएगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाएं। मेरा चौटाला साहब से निवेदन है कि 5 मिनट में कन्कलूड करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं पांच मिनट में कन्कलूड करूंगा लेकिन 33 मिनट जरूर लूंगा। अध्यक्ष महोदय, ऐि ायन बराऊन नाम की एक जर्मन की फर्म को हरियाणा इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड ने पानीपत के 110–110 मैगावाट के थर्मल प्लांट का आधुनिकीकरण और नवीनीकरण के लिए 300 करोड रूपये का ठेका दिया है। हमने पिछले सदन में भी इस बात का विरोध किया था लेकिन हमारे विरोधी की अनदेखी करके भी ठेके दिए गए। अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने सभी बिजली बोर्डज को लिखकर दिया है कि हम सस्ते दामों पर आपको सारे काम करवा सकते हैं लेकिन उनकी पे ाक ा को भी ठुकराकर उस कम्पनी को यह काम दे दिया गया। जिस कम्पनी को तीन सौ

करोड रूपये में यह काम दिया गया था उसने अब तक भी वह काम पूरा नहीं किया है। अब वह समय भी और मांग रही है और पैसा भी और मांग रही है। इसमें बहुत बडा घपला हुआ है।

इसी प्रकार से पानीपत की 210 मैगावाट की क्षमता की छटी इकाई के लिए सरकार दावा करती है कि मार्च दो हजार तक हम इसको चालू कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सात सौ या आई सौ करोड रूपये का प्रौजेक्ट है और दो फर्मों के टैंडर की फाईलें अब तक मुख्य मंत्री के पास ही पडी हुई हैं क्योंकि इन्होंने उनसे मोटा पैसा ले लिया जबकि दूसरी फर्मों के भी कम रेट के टैंडर्ज आए थे लेकिन उनको नहीं माना गया। अध्यक्ष महोदय, कायदे कानून के मुताबिक यह फाइलें जैनको के पास जानी चाहिए। मुख्य मंत्री के पास इनके जाने का कोई कायदा नहीं है लेकिन इस प्रदे ा की सरकार ने कायदे कानून तक पर रख दिए हैं इनकी सोच केवल एक ही है पैसा कमाना है और दे ा को लूटना है इसलिए ही ये फाईलें मुख्यमंत्री अपने पास दबाए बैठे हैं और जैनको के पास ये फाईलें नहीं जा रही हैं।

इसी प्रकार से मैंने आपको माईंज के बारे में बताया है कि लेकिन कई और भी ऐसी माईंज हैं जो कुर्सी बचाने के लिए दी गयी हैं। जबकि इसी सदन में जब यह सरकार बनी थी तो इन्होंने कहा था कि सारी की सारी माईंज और मिनरल्ज और माईंज लिमिटेड को दिए जाएंगे लेकिन उसको एक भी नहीं दी गयीं। मेरा एक साथी करतार सिंह यहां पर बैठा है उसने इसी

सदन में कहा था कि इनकी ओपन आक ान कर दी जानी चाहिए ताकि सरकार के खजाने में ज्यादा पैसा आ सके। परन्तु उस बेचारे की बात नहीं मानी गयी क्योंकि उसके बारे में इन्होंने यह समझ लिया कि यह तो कहीं नहीं जा सकता। अध्यक्ष महोदय, इन माईंज के ठेके मई के लास्ट वीक में दिए गए हैं। ये बेनॉमी हैं। अगर मैं इस बारे में कहूंगा तो फिर ये कहेंगे कि सबूत पे ा करें। अध्यक्ष महोदय, मुख्तार सिंह जो बाद ाहपुर गांव का रहने वाला है और जो सोमवीर सिंह का आदमी है उसको भी माईंज का ठेका दिया गया।

श्री सोमवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये साबित करें। अगर ये साबित कर देंगे तो इस्तीफा दे सकता हूं लेकिन ये तो बिल्कुल गलत बात कर रहे हैं। ये इस बारेमें सबूत तो दें। लेकिन इनके पास कोई सबूत ही नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः जब समय आएगा तो साबित भी कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहें कि ये चेयर के माध्यम से बात करें और मेरी तरफ न देखें। यह बेनॉमी सौदा है।

श्री सोमवीर सिंहः यहा तो आप साबित करें या फिर इस्तीफा दें।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप आंखें दिखाना छोड दें क्योंकि इनसे सबको डर लगता है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपकी आंखें देखकर ही मुझे ऐसी आदत पड गयी है। इसी तरह से एक और माईंज का ठका जितेन्द्र सिंह को दिया गया है फिर लाठर साहब कहेंगे कि वह मेरा आदमी नहीं है। यह बेनॉमी सौदा है। अध्यक्ष महोदय, मैं किस किस के बारे में बताऊं। भाहरावण गांव के बलवीर सैनी को भी एक माईंज दी गयी है। यह आदमी अत्तर सिंह सैनी का है। इसी प्रकार से रणवीर सिंह कादयान जो बिजेन्द्र सिंह कादयान का आदमी है, को भी एक माईंज का ठेका दिया गया है। यह गैबर गांव का रहने वाला है। ये ठेके मई के लास्ट वीक में दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बातें हैं इसलिए इन्हें कोई झुठला नहीं सकता। इसी तरह से महेन्द्र सिंह नाम के एक व्यक्ति को जो बहरामपुर का रहने वाला है उसको माईंज का ठेका दिया गया है। यह आदमी रामभजन अग्रवाल का है। इसी तरह से श्रीराम मिनरल्ज जो कि सेठ सिरीकि ान दास की है, को भी माईंज का ठैका दिया गया है। अब आखिरी उम्र में क्या खाक मुसलमा होंगे ? इसी तरह से पलडी गांव की एक मिनरल नारायण सिंह को दी गयी है। बेचारे इस बूऐ की आखिरी उम्र में धोले बालों में धूल पडने जा रही है। इनको यह माईंज का ठेका विक्रम एंड कम्पनी के नाम से दिया गया हैं। मैं किस किस के किस्से सुनाऊं। यह तो ऑवा की ऊत हो गया है। यह सोचा गया है कि इस प्रदे ा को दोनों हाथों से लूट कर खा जाओ। इस प्रदे ा को हमने बडी मु कल से बनाया था इसके लिए बडी

बडी लडाईयां लडी थी बडे बडे आंदोलन किए थे। अध्यक्ष महोदय, अब आप हुडा को ही ले लीजिए। (घंटी)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आपको बोलते हुए पांच मिनट हो गये हैं, अब आप बैठें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो अब बोलने की स्पीड भी बढा दी और काम भी कम कर दिया फिर भी जितने महकमें हैं उनके बारे में थोडी थोडी बात मुझे बतानी ही पडेगी। आप सुनकर हैरान होंगे कि प्राईवेट लीज होल्डर्ज को जो कमि र्यिल के लिए और ग्रुप हाऊसिंग के लिए लाईसैंस दिए गए हैं उनकी फीस चार परसैंट से बढा कर 6 परसैंट कर दी गयी है। करोडों रूपये का इसमें घपला किया गया है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, अब आप बैठिये।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हुडा में हजारों एकड जमीन पैसे ले लेकर रिलीज कर दी जाती है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, कृपया आप बैठिये। (ोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं कानून और व्यवस्था पर तो आया ही नहीं हूं।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, मैं कानून और व्यवस्था की हालत के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं जो कि श्री मनीराम गोदारा जी का महकमा है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं कहूंगा।

(घण्टी) अध्यक्ष महोदय, कानून और व्यवस्था की हालत यह है कि इस सरकार ने धारा 352 के केसिज भी विदड्रा किये हैं जिनकी वि व के इतिहास में कोई मिसाल नहीं मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, 352 में मर्डर के केस होते हैं जो कि विदड्रा हुये हैं। चाहे उनमें कोई भी आदमी है। गुरमे ा बि नोई का और बलवीर का केस जो कि 302 के तहत कत्ल के केस थे, विदड्रा किये गये हैं। इसी तरह से भ्रश्टाचार में लिप्त एल0डी0 दुरेजा, इंस्पैक्टर एक्साइज एण्ड टेक्से ान और अजय सिंह हवलदार, बडौदा के केस विदड्रा किये हैं। पानीपत का प्रमोद कुमार जिसका डाबरी का केस विदड्रा हुआ है। इसी प्रकार मैं सारी लिस्ट गिनाने की बजाये मनीराम जी को वैसे ही लिस्ट दे दूं क्योंकि इसमें सैंकडों नाम हैं। (घण्टी)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप अब बैठ जाएं क्योंकि आपका टाइम हो चुका है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सर, मैं पांच मिनट में कन्कलूड कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, सी0एम0 साहब का रवैया कितना विंडिक्टिव है, इसकी मिसाल आपके सामने है कि भिवानी के घण्टा घर के मामले को लेकर कितना विवाद और बखेडा खडा हुआ था, पी0एल0 गोयल, सै ान जज के परिवार को मीसा में बन्द रखा गया।

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. Mr. Chautala your time is over. Please take your seat. Now, I would request Ch. Birender Singh to speak. (Interruptions) चौधरी धीरपाल

जी, अगर आप में हिम्मत होती तो आप पहले कभी तीन साल में नो–कोन्फीडैंस मो ान लाये होते। यह नों–कोन्फीडैंस मो ान नहीं है, आपको पता होना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः सर, हम तो नो–कोन्फीडैंस मो ान लाते थे लेकिन आप हमारे सदस्यों को सस्पैंड कर देते थे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी तो केवल 10 मिनट हुये हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब आपने 4 बजकर 14 मिनट पर बोलना भाुरू किया और कह रहे हैं कि अभी 10 मिनट हुये हैं। पता नहीं क्या वजह है या तो आपकी घडी धीरे चलती है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सर, इन्होंने मुख्य मंत्री बनने के बाद कहा था कि अब मैं विंडिक्टिव नहीं रहा हूं और इन्होंने किस प्रकार से विंडिक्टिव बन कर काम किया है। अध्यक्ष महोदय, ई वर चन्द्र जो जिला रोजगार अधिकारी हैं। (घण्टी) .....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। Nothing to be recoreded. I would request Sh. Om Parkash Chautala to take his seat please. Now Sh. Birender Singh will speak.

श्री सम्पत सिंहः सर, मेरी आपसे एक सबमि ान है। I want to seek your permission to speaker.

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह, मेरा एक निवेदन सुन लैं। मैंने एक निवेदन किया था कि दो घण्टे रखे हैं। और एक सदस्य के हिस्से में डेढ मिनट आता है और आपके 22 सदस्य हैं जिसके हिसाब से आपके हिस्से में 33 मिनट आते थे और आपकी पार्टी की ओर से 4 बज कर 14 मिनट पर श्री चौटाला जी बोलना भाुरू हुये थे।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो पार्लियामैंटरी प्रोसीजर है चाहे वह पार्लियामैंट का हो या असैम्बली का हो और आप भी पार्लियामैंटरी मिनिस्ट्री के व्हिप बगैरा के बारे में स्पीकर्ज कॉन्फैरन्सिज में गये होंगे और मुझे भी जाने का मौका मिला है। ऐसी ऐसी स्टेटस हैं जहां 5–5 घंटे विपक्ष के लीडर्ज बोलते हैं।

17.00 बजे।

यू0पी0 के अन्दर 425 सदस्य हैं और वहां अपोजी ान के लीडर लगातार पांच पाचं घंटे बोलते रहते हैं लेकिन स्पीकर ने उन्हें बीच में कभी नहीं टोका। अध्यक्ष महोदय, हाउस में लीडर ऑफ दि हाउस और लीडर ऑफ दि अपोजी ान को अपनी बात कहने के लिए पूरा समय दिया जाना चाहिए ताकि वे सभी डिपार्टमैंटस के बारे में अपनी बात कह सकें। अभी तो चौटाला साहब ने सिर्फ एक डिपार्टमैंट के बारे में अपनी बात कही है यदि आप बार बार उन्हें इस तरह से बीच बीच में इंट्रप्ट करेंगे और इस तरह से समय सीमा में बांध देंगे तो पार्लियामैंट्री डैमोक्रेसी के

लिए आप कोई हैल्छी ट्रेडी ान नहीं डाल रहे हैं। यदि इस तरह से अपोजी ान लीडर का गला घोंट दिया जाएगा और वह भी उस पार्टी की लीडर का जो कि मेन अपोजी ान पार्टी है और जो स्टैपिंग करती है और यदि गवर्नमैंट कांफीडैंस लूज करती है तो अपोजी ान लीडर जो कि स्टैपिंग ओहदे पर बैठा हुआ है, उसका महत्वपूर्ण रोल है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से आप यदि लीडर आफ दि अपोजी ान को दस मिनट या आधे घंटे की समय सीमा में बांधकर रखेंगे और मुददों को इस तरह से टालेंगे, इस तरह की बातें करेंगे तो इस तरह की बातें करना भाोभा नहीं देता है। बल्कि लोगों में बात आनी चाहिए and the Government should be ready to reply. अध्यक्ष महोदय, आप इनकी बात सुनें। अभी तो इन्होंने सिर्फ इरैगुलैरिटीज के बारे में बताया है which is the duty of the leader of the Opposition to tell about the irregularitites. अपोजी ान लीडर की जिम्मेदारी होती है।

श्री अध्यक्षः पहले आप यह बताएं कि have you sought the permission of the Chair ?

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, यह बात आज सारा दे ा देख रहा है। मैंने आपसे बाकायदा परमी ान ली है उसके बाद ही मैं बोला हूं। पहले तो आपकी मर्जी का कानून चला करता था लेकिन आज तो दुनियां देख रही है। मैंने परमी ान ली है आप रिकार्ड देख लें। अध्यक्ष महोदय, इसलिए आपको चाहिए कि आप

लीडर ऑफ दि अपोजी ान को बोलने के लिए पूरा टाईम दें, यह डैमोक्रेसी का तकाजा है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, अब आप बैठ जाइए।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि अपोजी ान चीफ मिनिस्टर के बाद भौडो चीफ मिनिस्टर होता है। भौडो चीफ मिनिस्टर को पूरा टाइम दिया जाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि you are to defend onlty the Government, Sir. ऐसा आपको नहीं करना चाहिए, मेरी आपसे यही सबमि ान है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान है कि वि वास प्रस्ताव बंसी लाल जी की सरकार ने हाउस में रखा है और वि वास प्रस्ताव पर लीडर ऑफ दि अपोजी ान और दूसरे ग्रुप्स के पार्टीज के लीडर्ज पार्टिसिपेट करते हैं और उन्हें अपनी बात कहने के लिए यदि दस मिनट या आधे घंटे की समय सीमा में बांधा जाए तो सारी बातें सदन में नहीं आ सकती हैं। You are to conduct only one business i.e. the Confidence Motion which has been moved by the Leader of the House. आपने इस चर्चा के लिए दो घंटे का समय दिया है लेकिन यदि तीन या चार घंटे का समय भी इस चर्चा के लिए लग जाए तो कोई फर्क नहीं पडता है। यही मेरी सबमि ान है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने माननीय सदस्यों को बोलने देने के बारे में समय की बात

कही है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि ये रिकार्ड निकलवा कर देख लें। विगत तीन वर्शों से आप इस महान सदन के आदरणीय अध्यक्ष हैं। जितना समय हमारे माननीय सदस्यगण को बोलने के लिए देते हैं उतना समय आज तक किसी भी अध्यक्ष ने नहीं दिया।

Sh. Bireneder Singh: This is the first time when there is a motion of Confidence moved by the Leader of the House. It is for the first time you are to set the convention about this important issue. इसमें कोई फर्क नहीं पडता। आधा घंटा या एक घंटा फालतू समय भी लग जाएगा तो क्या फर्क पडता है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह बात आप विपक्ष के नेता ओम प्रका ा चौटाला जी को समझाएं कि विपक्ष की भी बहुत बडी जिम्मेदारी होती है। ये हमें बताएं, अच्छे रचनात्मक सुझाव दें। अपोजी ान एक दूसरे पर सिर्फ आरोप प्रत्यारोप के लिए नहीं होता है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हमें हमारी जिम्मेदारियों का अच्छी तरह से ज्ञान है। दलाल साहब हमें हमारी जिम्मेदारियों के बारे में समझा रहे हैं। ये खामख्वाह सदन का समय खराब न करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः मेरे कहने का मतलब यह है कि सभी सदस्यों को आदरणीय अध्यक्ष महोदय द्वारा दिये गये समय

का सदुपयोग करना चाहिए। अगर ये हमारे नेता या हमारे किसी साथी मंत्री पर आरोप लगाते हैं तो अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में जितने भी मुख्यमंत्री या मंत्री रहे हैं उनको अपना एक इतिहास है और इतने आरोप तो सभी पर लगते रहे हैं। जैसे इनके नेता किसी के बारे में जिक्र करके सदन का समय खराब कर रहे हैं उससे क्या फायदा। अगर चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के पास अच्छे सुझाव हैं तो वे हमें बतायें, हमने अगर कोई गलतियां की हैं तो वे बतायें। अगर इनके पास इस बात का कोई सबूत है तो इसके बारे में इनको ि ाकायत दर्ज करानी चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब आप पांच मिनट में कंकलूड करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं कर्ण सिंह दलाल की बात से पूरी तरह से सहमत हूं। अगर वे गहराई से मेरी बात सुनेंगे तो उन्हें एक एक लफज का फायदा होगा, इसलिए आराम से सुनें। मुझे चिन्ता है मेरे प्रदे ा की कि इस प्रदे ा की कितनी बुरी हालत है। अध्यक्ष महोदय, आखिर हम हरियाणा प्रदे ा की जनता के प्रति जवाबदेह हैं और हमसे भी ज्यादा जवाबदेह आप हैं। आपकी जिम्मेवारी ज्यादा हैं। अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम इस सरकार का गठन हुआ तो इस सरकार ने भाराबबंदी की आड लेकर इस प्रदे ा के लोगों पर 850 करोड रूपये के टैक्स लगाये। कोई भी ऐसी चीज नहीं छोडी जिस पर टैक्स नहीं लगाये हों। चाहे फूउ ग्रेंज हो, चाहे कपडा हो, चाहे

जनरल मरचेंटस हो, चाहे जूते की दुकान हो, चाहे दवाइयां हों, लकडी हो, या पत्थर हो। जिन लोगों ने रास्ते में ढाबे खोल रखे थे उन पर भी टैक्स लगा दिए, किसी ने अगर क्लीनिक खोल ली तो उस पर टैक्स लगा दिया। अगर किसी बेरोजगार टीचर ने प्राईवेट स्कूल खोलकर बच्चों को पढाना भुरू कर दिया तो उस पर भी टैक्स लगा दिया। कोई लाईसैंस ऐसा नहीं छोडा जिसकी रिन्मूवल फीस दस प्रति ात से बढाकर 500 प्रति ात नहीं कर दी हो। अध्यक्ष महोदय, किसानों की मर्द के दाम बढा दिए। इन्तकाल की फीस बढा दी और तो और हिन्दू कोड बिल के तहत बाप के मरने के बाद उसकी जायदाद में बेटा और बेटी बराबर के हिस्सेदार होते हैं। परन्तु हमारी सभ्यता और संस्कृति के अनुसार बहन भाई का हक नहीं रखती है। बहन अदालत में जाकर दरखास्त दरखास्त दे देती थी और अदालत डिक्री कर देती है और बहन की जमीन भाई के नाम हो जाती थी। बहन और भाई का एक पवित्र रि ता कायम रहता था। लेकिन मौजूदा सरकार ने कानून बना दिया कि कोई भी जमीन जायदाद बिना रजिस्ट्रे ान के ट्रांसफर नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, रजिस्ट्रे ान फीस को मौजूदा सरकार ने 15 प्रति ात बढा दिया। (विघ्न)

बागवानी और विपणन राज्यमंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस प्रकार की कोई डिक्री पास नहीं की है और सोनीपत लोअर कोर्ट भी ऐसी डिक्री पास नहीं कर सकती क्योंकि इससे राईट एट दी दैट टाईम ट्रांसफर होता है

और उस समय स्टैम्प डयूटी रिक्वायर्ड होती है। इस वजह से कोर्ट ने डिक्री बन्द कर दी है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, 15 प्रति ात रजिस्ट्रे ान फीस बढाई गई है। टैक्स लगाते हैं लेकिन उस टैक्स से विकास के कोई काम नहीं हुए हैं। भाराबबंदी की आड लेकर टैक्स लगाये गये, लेकिन बाद में भाराबबंदी को ओपन कर दिया परन्तु जो टैक्स लगाये थे वे वापस नहीं लिए गये।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, 15 प्रति ात रजिस्ट्रे ान फीस बढाने के लिए सरकार ने कोई आदे ा नहीं दिए हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ..... वजीर तो बन गया लेकिन सरकार से तो पूछ लिया होता कि बढायें हैं या नहीं।

श्री अध्यक्षः यह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, भाराब खोल दी गई और भाराब बंदी की ऐवज में जो टैक्स जनता पर लगाये थे वे वापिस नहीं लिये गये। इसके अतिरिक्त मैं कहना चाहूंगा कि महाराजा अग्रसेन कालेज को सरकार की तरफ से कुछ ग्रांट मिलती थी वह भी बंद कर दी गई। एजुके ान से संबंधित दूसरी ग्रांटस भी बंद कर दी गई।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा में सडकों की हालत भी बहुत खराब है उनकी मुरम्मत नहीं कराई गई सत्ता पक्ष के भाई कहते थे कि हम नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचायेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी कहते थे कि हम आगरा कैनाल का कंट्रोल तीन महीने में अपने हाथ में ले लेंगे लेकिन आज इनकी सरकार को बने तीन साल हो गये, आगरा कैनाल का कंट्रोल इनके हाथ में नहीं आया है। मेरे सत्ता पक्ष के भाई कहते थे कि एस0वाई0एल0 नहर इन्होंने बनवाई थी और ये ही इसको भाुरू करेंगे, लेकिन यह काम भी नहीं हुआ। जगन नाथ जी कहते थे कि तौ ाम का बहाड मोहर सिंह ने बनवाया था लेकिन अब उन्होंने ऐसी बातें कहनी छोड दी। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो आदमी हाउस का सदस्य न हो उसको नाम नहीं लेना चाहिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने हरियाणा की जनता पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाये। लेकिन इसके बावजूद भी तीन साल के अर्से में स्वास्थ्य सेवाओं में एक भी पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 नहीं बनी।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कैसे कह सकते हैं कि एक भी पी0एच0सी0 नहीं बनी, पी0एच0सी0 मेरे हल्के में बनी है। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही कंकलूड कर दूंगा लेकि आप सांगवान साहब को बैठायें, मेरा समय वेस्ट हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा का औद्योगिक उत्पादन 1.1 प्रति ात गिर गया और उद्योग राज्य से प्लायन कराके बाहर जा रहे हैं, लेकिन मेरे सत्ता पक्ष के भाई बडी बडी डींग मारते थे कि ये हरियाणा प्रदे ा में बडे बडे कारखाने स्थापित करेंगे, एन0आर0आई0 से सम्पर्क स्थापित किया जायेगा, बडे बडे दावे किये गये थे, परंतु हुआ कुछ नहीं।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदे ा में खेती बाडी की उपज में वृद्धि भी नगण्य है बल्कि तिलहन, दलहन, गेहूं आदि सभी फसलों की उपज में कमी आई है। जबकि हरियाणा प्रदे ा की लाखों एकड भूमि बिना बोई रह गई, किसानों के खेतों में अब भी पानी खडा है उन किसानों की सरकार की तरफ से मुआवजा तक नहीं दिया गया। जबकि पंजाब सरकार ने ऐसे किसानों को 8–8 हजार रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया है। अध्यक्ष महोदय, अभी ताजा ही हमारे एरिया के किसानों ने नरमा कपास बोई थी। ओलावृश्टि के कारण किसानों की वह फसल खराब हो गई, इससे किसानों का काफी नुकसान हो गया, लेकिन सरकार ने उनको मुआवजा नहीं दिया। जो किसान गन्ना बोते हैं उनके हालात आज ऐसे हो गये हैं कि मिल तक गन्ना पहुंचाने के लिए किराया भी किसानों को स्वयं देना पडता है। जबकि पहले भाूगर मिल्ज द्वारा दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार

के वक्त में अगर सात महीने तक किसान का पैसा भूगर मिल की तरफ बकाया रह जाता था तो उस सात महीने का किसान को ब्याज मिलता था लेकिन आज दो तीन साल तक के बकाया पैसे का भी किसानों को ब्याज नहीं मिलता।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने बाल्मिकी भाईयों के साथ भी बहुत ज्यादतियां की हैं भारत सरकार ने 16 करोड रूपये मैला ढोने वाले लोगों को राहत देने के लिए सरकार को दिये थे लेकिन हरियाणा सरकार ने उस पैसे में से 10 करोड रूपये एच0एस0आई0डी0सी0 को दे दिये ताकि बडे औद्योगिक घरानों को उस पैसे का लाभ मिल सके और उस पैसे को इन बाल्मीकि भाईयों को कोई लाभ नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा को जो पैसा भारत सरकार से मिलता है आज वह भी लैप्स होता जा रहा है। मैंचिंग ग्रांट के तहत 250 करोड रूपया हरियाणा प्रदे ा का इसलिए लैप्स हो गया क्योंकि सरकार उसमें स्टेट के हिस्से का पैसा नहीं दे पाई। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जिप्सम पर भी सबसिडी बंद कर दी और हरियाणा प्रदे ा में बहुत सी जमीन ऐसी है जिस पर पानी खडा रहता है। सारी जमीन सफेद हो गई थी। उन जमीनों को जिप्सम की सहायता से इस प्रदे ा के किसानों ने मेहनत करके काबिलेका त बनाया था तथा ये जमीनें सोना उगलने लगी थीं। लेकिन आज जिप्सम तथा बिजली इत्यादि की सबसिडी खत्म कर दी गई है। जहां तक प्र ाासन की बात है, मैं कहना चाहूंगा कि

आज प्रदे ा के अंदर प्र ाासन बिल्कुल निश्क्रिय एंव पंगु बन गया है। चारों और भ्रश्टाचार का बोलबाला है। मैं इस सरकार की किस किस मद को लेकर चर्चा करूं ? (घंटी) मैं जल्दी ही अपीन बात पूरी की लूंगा। आज भी सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि इस सरकार ने बहुत कुछ किया है, सरकार की उपलब्धियां गिनवाई जा रही हैं। लेकिन दूसरी ओर सिंचाई और बिजली की हालत को देखिए। आज नहरों में पानी नहीं है। सिंचाई के दाम दस प्रति ात बढा दिए गए हैं। टैक्स लगाए जा रहे हैं और उत्पादन घट रहा है।

आज प्रदे ा के अंदर सडकों की बहुत बुरी हालत है। कहां तो पले हरियाणा प्रदे ा में सडकों की यह हालत होती थी कि जब भी कोई व्यक्ति दूसरे प्रदे ा से अंदर दाखिल होता था तो मुसाफिर को नींद आ जाती थीं। दूसरी और आज इस प्रदे ा के अंदर दाखिल होते ही मुसाफिर का सिर उसकी कार की छत में जाकर लगता है। पहले जब हरियाणा प्रदे ा के अंदर रेल या हवाई हजार से कोई सफर करता था तो पूरा हरियाणा जगमगाता हुआ दिखाई देता था। हरियाणावासियों का सीना भी गौरव से ऊंचा हो जाता था लेकिन आज जब कोई व्यक्ति रेल अथवा हवाई जहाज से इस प्रदे ा में सफर करता है तो उसे 1965 जैसा ''ब्लैक आउट'' प्रदे ा में दिखाई देता है। कोई भी दिया टिमटिमाता हुआ दिखाई नहीं देता है। 30 जून 1999 से प्रदे ा में 24 घंटे बिजली देने के नाम पर हरियाणा की जनता को गुमराह

कर रहे हैं। प्रदे ा की जनता के गाढे पसीने की कमाई को ये अपनी कुर्सी बचाने हेतु बार बार विधायकों को चेयरमैन और मंत्री पद देकर लूट रहे हैं। ये आज अपने चहेतों को मिनरल्ज और माईन्ज दे रहे हैं तथा सरकारी एवं गैर सरकारी जमीनों पर नाजायज कब्जे करवा रहे हैं। अभी हाल ही में 1800 सिपाही भर्ती करने का निर्णय लिया गया है। इस भर्ती का रेट प्रति सिपाही 2 लाख रूपए निर्धारित किया गया है। ये तो जाते जाते भरपूर वसूली करना चाहते हैं।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं कि रेट बढा दिए गए हैं, लेकिन मैं कहता हूं कि अब तो रेट कम हुए हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अब मैं कुछ कहूंगा तो अटपटा सा लगेगा। लेकिन मुझे कहना पडता है। किसी गांव में एक चौकीदार था, उसकी मृत्यु हो चुकी थी। उस चौकीदार का एक बेटा था। वह अपनी बेवा मां से पूछने लगा कि मां, गांव का नंबरदार मर गया है तो अब नंबरदार कौन बनेगा, मां ने कहा कि फलां आदमी बनेगा। बेटे ने पूछा कि अगर वह भी मर गया तो फिर नंबरदार कौन बनेगा ? मां ने कहा कि बेटा फलां आदमी नंबरदार बनेगा। बेटे द्वारा कई बार पूछने पर आखिरकार मां ने बताया कि बेटा, चाहे सारा गांव मर जाए, लेकिन तेरा नंबर कभी नहीं आएगा। इसलिए इनके लिए वह बात दुबारा आने वाली नहीं है, चाहे ये कितने भी पांव क्यों न पकड लें।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब पहले भी कह रहे थे कि जगन नाथ को कलम कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि डिस्मिसल लीगली और कंस्टीच्यू ानली हुई है। वास्तव में बात यह है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में मंत्रीगण बहुत ज्यादा परिश्रम करते हुए थक जाते हैं इसलिए इनको छुटटी पर भेज दिया जाता है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि पूरे प्रदे ा में आज प्र ाासन और कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। सब कुछ ठप्प हो चुका है। आज नौकरियां नीलाम हो रही हैं। ट्रांसफरों के अंदर पैसे खाये जा रहे हैं। आज प्रदे ा में लूटपाट और चोरी व कत्ल हो रहे हैं। किसी का जीवन आज के दिन सुरक्षित नहीं है। मुख्य मंत्री प्रदे ा की सम्पति लुटाने में लगा हुआ है। आज हरियाणा प्रदे ा में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। इसलिए इस सरकार को नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए, अन्यथा इसको डिसमिस कर देना चाहिए। मैं इस वि वास मत के खिलाफ अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से विरोध करता हूं और चाहता हूं कि इस सरकार को जल्दी से जल्दी चलता कर देना चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, भाायद 3 साल के इतिहास में पहली बार कांग्रेस पार्टी को बडी उत्सुकता के साथ इन्तजार हो रही है। हमारे कुछ सम्मानित सदस्य जो सदन में उपस्थित हैं और दूसरे लोग हैं उनको इस बात की

खु ाी है कि पीछे का जो 3 साल का समय बी0जे0पी0 व एच0वी0पी0 की सरकार का रहा है, वह ठीक नहीं रहा। यह सरकार गठबन्धन की सरकार अल्पमत की सरकार थी क्योंकि इस प्रदे ा की जनता ने किसी भी पार्टी को पांच साल भाासन चलाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं दिया था। बी0जे0पी0 की सरकार, एच0वी0पी0 की सरकार को जो बहुमत हासिल था वह निर्दलियों की वजह से था। निर्दलियों को लकर ही यह सरकार बनाई गई थी। बंसी लाल जी की सरकार जो अल्पमत में आई वह इसलिए आई कि इस सरकार का एक प्रमुख घटक जो बी0जे0पी0 था वह अलग हो गया। इसी वजह से गवर्नर महोदय ने एक नया इतिहास रचा और लीडर आफ दी हाऊस को यह कहा कि आपकी सरकार अल्पमत में आ गई इसलिए आप सदन में अपना बहुमत प्राप्त करें। इसी कडी में ओम प्रका ा चौटाला जी ने बडे विस्तार से पिछले 3 साल तक जो सरकार इस प्रान्त में रही उसकी जो कमजोरियां थीं उनकी ओर सरकार का ध्यान दिलाया। इन्होंने एच0वी0पी0 की सरकार बता कर ही अपना सारा ध्यान लगाया लेकिन ये भूल गए कि इस सरकार में जो एक प्रमुख घटक बी0जे0पी0 था, जिसकी केन्द्र में भी सरकार थी, उनकी मिली जु ली सरकार, यानि उनके गठबन्धन की सरकार थी वे भी बराबर के हिस्सेदार थे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) पिछली 3 साल की सरकार की विफलताओं का जो विवरण विपक्ष के नेता ने दिया उस टिप्पणी से मैं पूर्णतः सहमत हूं। लेकिन इसके पीछे इतिहास क्या है ? क्यों यह विचित्र स्थिति खडी हुई कि हरियाणा के लोगों ने

जो राश्ट्रीय दल हैं चाहे वह कांग्रेस पार्टी है, चाहे भारतीय जनता पार्टी है उनको महत्वपूर्ण न मानकर या उनके गठबन्धन को महत्वपूर्ण न मानकर ऐसी सरकार बनाने के लिए अपना मैण्डेट दिया जिससे कि मैं यह कहता हूं वह सरकार बहुमत की सरकार नहीं थी उसमें 2–3 मुख्य कारण थे और उस कारण की जननी उस समय की राजनीतिक दल का गठबन्धन भारतीय जनता पार्टी या हरियाणा विकास पार्टी का नहीं बल्कि उनकी जननी चौ0 ओम प्रका ा चौटाला की अपनी पार्टी थी, इनके पिता श्री थे जिन्होंने इस हरियाणा की जनता को सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए ज्यादा नारे दिए जिससे कि जनता यह समझ बैठी कि जो नारे किसी राजनीतिक दल के नेता को कोई कद है उसके मुताबिक वह नारा भी लगाता तो भाायद उसमें सत्यता होती। यहां तक नारे लगे कि मुझे जिताओ, मुझे केन्द्र में भेजो मुझे हरियाणा की सत्ता सौंपो, मैं ऐसी नोट बनाने की म ाीन दूंगा जिसे आप एक दिन अपने गांव में रखोगे और जितने नोट जिसको जरूरत हो, वह हासिल कर लेगा और उस प्रथा को बी0जे0पी0 और हरियाणा विकास पार्टी के नेताओं ने चुनाव के समय पालन किया। उन्होंने सोचा कि इतने सस्ते नारों से अगर हरियाणा की जनता को अपनी तरफ आकर्शित किया जाता है तो हम क्यों न वह नारे लगाएं ? वे नारे लगे। भाराब बंदी होगी, कोई एक पव्वा लेकर आ जाए या लाते हुए पकडा जाए तो हम राजनीति से सन्यास ले लेंगे। चुंगी बी0जे0पी0 का नारा था। हमें सत्ता सौंपों हम आपको वि वास दिलाते हैं कि हम हरियाणा में बंसी लाल से गठबन्धन करके चुंगी

खत्म कर देंगे। चुंगी ओक्ट्राय नाम की कोई चीज नहीं बचेगी। हरियाणा के नौजवानों से वादा किया कि हमें मौका दो हम हर घर में नौकरी देंगे, आपको गैस के कनैक ान देंगे, आपको बसों के परमिट देंगे, गैस एजैन्सिज देंगे। कोई आदमी ऐसा नहीं बचेगा जिसकी यह गुहार हो कि मैं बेकार या बरोजगार हूं। इन नारों से हरियाणा की जनता में यह चीज घर कर गई और जिसे मैं पिदले 15 सालों से देख रहा हूं कि जो नेता सस्ते से सस्ते और लुभावने नारे दें, सस्ती लोकप्रियता के नारे दें, उन नारों से प्रभावित होकर उन्हीं नेताओं को जनता सत्ता सौंपती रही है, उन नेताओं को राजनीतिक तौर पर यह मोहर लगाती है कि आपको हम अख्तियार देते हैं कि आप हरियाणा में राज करो। उपाध्यक्ष महोदय, एक एक करके आप उनको गिनो तो वे सारे नारे फेल हो गए और इन नारों के फेल होने की वजह हम यह नहीं मानते कि सरकार ने प्रयत्न नहीं किए। नारों की नाकामयाबी की वजह थी कि गठबन्धन की सरकार तालमेल से इस दे ा में चल ही नहीं सकती। इस दे ा के इतिहास में कोई ऐसा प्रान्त नहीं है जिसमें गठबन्धन की सरकार ने पूर्णतः सफलता हासिल की हो। मैं मानता हूं कि बंगाल के अंदर गठबन्धन की सरकार है। लैफट पार्टी के 3–4 छोटे छोटे इन सिगनिफिकैन्ट सी0पी0एम0 के महत्वहीन घटक हैं, इसलिए उनके वहां गठबन्धन की सरकार कामयाब है। लेकिन ऐसे कई प्रान्त हैं जहां इस तरह की सरकारें बनीं लेकिन उन्होंने अपना समय पूरा नहीं किया। कोई 6 महीने में, कोई 3 साल में और कोई 2 साल मैं गिर गई। इसी कारण आज हम इस स्थिति पर

हैं। क्योंकि सरकार की जो दि ाा है उस दि ाा पर सरकार काम नहीं कर सकती। मैं बडे अदब से कहना चाहता हूं कि इस सदन में जब हम भाुरू भाुरू में पहले या दूसरे सदन में आए, एक बडे अधिकारी के ऊपर इल्जाम था कि भजन लाल सरकार के जाने और बंसी लाल सरकार के आने के बीच की अवधि में कई दर्जन बडी बडी लीज बिना किसी कानून कायदे के आबंटित कर दी गईं। मुख्य मंत्री का पहला कदम था कि उस अफसर को सस्पैंड किया गया। मैंन इनकी तारीफ की थी मैंने यह भी कहा कि मैं यह नहीं समझता कि आप गठबन्धन की सरकार में आकर इतने भीरू बन सकते हैं कि आप अपने ही फैसले को 3 दिन में बदलने पर मजबूर हो जाते हैं। ऐसे कैसे सरकार चलेगी ? राजस्थान के हमारे एक एम0एल0ए0 नरेन्द्र भाटी को उन्हीं दिनों रिवाड़ी में इसलिए गिरफ्तार किया गया कि वे राजस्थान में बैठकर भैरों सिंह की मिनिस्ट्री को बचा रहे थे और उस पर भाराब के मुकदमें भी बनाए गए। ये कारगुजारियां हुई और क्यों हुई क्योंकि भारतीय जनता पार्टी सरकार को अपने दबाव में लेकर एक दि ाहीन सरकार बनाकर छोड गई। कोई मुददों पर मतभेद होते या पोलिसीज पर मतभेद होते तो हम भी इस बात की सराहना कर सकते थे लेकिन ऐसा नहीं है। श्री राम बिलास भार्मा जी उस दल के नेता थे जब भारतीय जनता पार्टी यह कहती थी कि बंसी लाल जी की हरियाणा विकास पार्टी और बी0जे0पी0 का गठबन्धन कोई सत्ता के लिए नहीं है, हम सत्ता लोलुप नहीं हैं हम सत्ता के लालची नहीं हैं बल्कि यह तो आत्माओं का गठबन्धन है (विघ्न)

लेकिन आत्मा का मिलत तो मरने के बाद होता है, उसे आत्मा की मिलन की बात कहते थे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या वह आत्माओं का मिलन था। हिन्दू संस्कृति के मुताबिक तो आत्मा कभी मरती नहीं है, इनकी वो आत्मा आज कहां ट्रांसफर हो गई ? आज वह आत्मा बंसी लाल जी से ट्रांसफर होकर चौटाला साहब के पास चली गई है। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, वह आत्मा इधर से उधर प्रवे ा कर गई है। उस आत्मा ने भारीर बदल लिया है। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आपसी मतभेद हो सकते हैं और यह मतभेद मुददो के आधार पर, नीतियों के आधार पर हो सकते हैं और उन मतभेदों का फैसला करने के लिए समय भी आ सकता है। आपने समय लिया और जब चौटाला साहब ने आपसे इ ाारा किया कि वे गठबन्धन के लिए इन्ट्रिस्टिड हैं। मैं इनके साथ को ऐ यारे करने के लिए सबूत की थोडी सी झलक यहां हाउस में रखना चाहूंगा। चौटाला साहब को लोकसभा के सदस्यों को बार बार कहना पडा कि उनके पास ऐसी करन्सी नहीं जो चौटाला को खरीद सके। उपाध्यक्ष महोदय, यह इनका अपना ब्यान था, मैं अपने आप से कुछ नहीं कह रहा हूं। जो पार्टी किसानों की हितैशी पार्टी न हो, जो गरीबों की हितैशी पार्टी न हो चौटाला साहब की पार्टी उसको कभी समर्थन नहीं देगी और कभी समर्थन नहीं कर सकती।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने मेरे मुताल्लिक और मेरी पार्टी की मुताल्लिक जिक्र किया है। मैं आज भी इस बात को दोहराता हूं कि वि व के स्तरपर आज भी कोई ऐसी करन्सी नहीं बनी जो हमें खरीद सके। (विघ्न एवं भाोर) हमने अपना निर्णय तब बदला जब कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता ने यह निर्णय ले लिया कि कांग्रेस पार्टी अपने तौर पर वैकल्पिक सरकार केन्द्र में बनाएगी और उस सरकार की मुखिया श्रीमती सोनिया गांधी होंगी, तब हमने यह कदम उठाया। हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं। हमारा दे ा नेपाल की तरह हिन्दू राश्ट्र नहीं है लेकिन इस दे ा के 100 करोड नागरिक, चाहे वे हिन्दू हों, चाहे सिख हों, चाहे मुसलमान हों और चाहे ईसाई हों, अपने दे ाकी आन बान और मर्यादा के लिए किसी विदे ाी को बर्दा त नहीं करेंगे। हम किसी विदे ाी को इस दे ा का प्रधान मंत्री मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उन परिस्थितियों में जबकि परमाणु विस्फोट के बाद भारतवर्श सातवीं परमाणु भाक्ति के रूप में उभरा है हम किसी विदे ाी महिला के हाथ में न्यूक्लीयर बमों का बटन देकर भारत वर्श की अस्मिता और स्थिरता को खतरे में नहीं डाल सकते। (विघ्न)

एक आवाजः श्रीमती सोनिया गांधी विदे ाी नहीं है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हां, वह विदे ाी है आप .... की बात करते हैं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात पूरी होनी चाहिए आपने मुझे पर्सनल एक्सप्लेने ान के लिए समय दिया है। मैं इनको यह बताने जारहा हूं कि यह बात सिर्फ मैं ही नहीं कह रहा हूं महीना भर पहले तक जो दिग्गज कांग्रेसी सोनिया को अपनी ..... कहा करते थे आज वे भी कहते हैं कि सोनिया विदे ाी है। इसी बात को लेकर कांग्रेस बाइफर्केट हुई है और कांग्रेस पार्टी दो धडों में बंटी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कह रहा हूं कि इसी सदन में बैठे हुए सदस्यों में से पता नहीं कौन किस कांग्रेस में जाएगा। (विघ्न एवं भाोर) (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब ने जो भाब्द कहा है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न) इन्हौंने सोनिया गांधी जी को जो बुआ कहा है वह भी कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, हरियाणवी में बुआ भाब्द बहुत ही आदरणीय भाब्द है। यह संसदीय भाब्द है। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारि ा है। (विघ्न) मेरे को चाहे बुआ जी कहो, चाहे माता जी

कहो मुझे कोई एतराज नहीं है। मैं तो सिर्फ एक बात कहना चाहती हूं कि जो व्यक्ति सदन में उपस्थित नहीं है अपनी बात नहीं कह सकता है उसके बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए उसका नाम नहीं लेना चाहिए। ये अपनी आत का जवाब देने की बजाए एक नया ई ू सदन में लाना चाहते हैं जो कि कंट्रोवि र्यल है। मैं तो यह कहती हूं कि जो सोनिया जी को विदे ा कहते हैं वे भारतीय संविधान की और भारतीय संस्कृति की बेइज्जती करते हैं। सोनिया जी को बीच में क्यों लाया जाता है। मेहरबानी करके चौटाला जी यह बताएं कि बी0जे0पी0 वाले चुनाव अलग से लड रहे थे और आप अलग लड रहे थे तो बी0जे0पी0 के बारे में आपकी क्या राय थी। जो अब आप बार बार ..... जी का नाम लेते हो।

श्री अध्यक्षः यह जो सोनिया जी का नाम लिया है यह एक्सपंज कर दिया जाए क्योंकि वे सदन की सदस्य नहीं है। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप भी अपनी पार्टी के मैम्बर्ज से कहें कि वे भी चौधरी देवी लाल जी का नाम न लें।

श्रीमती करतार देवीः मैं कब कहती हूं कि उनका नाम लें। अगर किसी ने नाम लिया है तो आप उसको भी कार्यवाही से निकलवा दें लेकिन सोनिया गांधी जी के लिए इतना आपत्तिजनक

भाब्द इस्तेमाल करेंगे तो हम उसको अपोज करेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप कन्टीन्यू करें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा, मैंने यह कहा कि चौधरी देवी लाल जी ने उनके कद के मुताबिक जो नारे हरियाणा की जनता को दिए और जनता ने उन नारों पर वि वास किया।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैंने भी कांग्रेस अध्यक्ष कहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आपने सोनिया जी का नाम लिया है। (विघ्न) मैं आप सब से यह कहना चाहूंगा कि कंट्रोवर्सी को अवाईड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो इंडियन करंसी का जिक्र किया था। इन्होंने तो यह कहा था कि कोई भी इन्टरनै ानल करंसी ऐसी नीं बनी है जो चौटाला को खरीद सके। अध्यक्ष महोदय, इस बात में सत्यता है। लेकिन मैं इनको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि समर्थन वोट देने के समय दिया था। यह सवाल बाद में आया था कि अगर कांग्रेस क्लेम स्टेक करती है

तो प्रधान मंत्री कौन बने वह बाद का समय था। यह यहां पर गलत बयानी कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सपलेने ान है।

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब, आप भी इनके ऊपर बात कहते हैं, आप भी वैसा न कहें तो ठीक रहेगा।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुन लीजिए। अध्यक्ष महोदय, यह बात जग जाहिर है कि जब हमने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में समर्थन दिया था। तब वोट बक्सों में बंद था और आपको याद होगा जब खाद के दाम बढे थे, रा ान के गेहूं और चावल के दाम बढे थे तब हमने समर्थन वापिस भी लिया था। हमने दोबारा यह भी कहा था कि हम भारतीय जनता पार्टी को समर्थन नहीं देंगे लेकिन साथ साथ यह भी कहा था कि हम कांग्रेस को कतई समर्थन नहीं देंगे। (विघ्न) आप समर्थन मांगने वाले नहीं हैं आप तो समर्थन देने वाले हो और आज भी देने जा रहे हो (इस समय मेजें थपथपाई गईं।)

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बात कही है वह चौटाला जी ने रेडिया पर नहीं बल्कि टेलीविजन पर कही थी।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: मैं यह बात अब भी कह रहा हूं। आप यह बताएं कि आप चाहते क्या हैं ?

श्री अध्यक्षः चौटाला जी आप बैठ जाएं। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः .....

श्री अध्यक्षः चौटाला जी जो कुछ भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं तो उन्हीं भाब्दों का उच्चारण कर रहा हूं जो इन्होंने कही हैं (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये।

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं, आप बैठें। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम यहां पर अपने अधिकार से हैं किसी के रहमो करम से नहीं हैं। (विघ्न) अगर मेरा नाम यहां पर लिया जाएगा तो मैं बार बार बोलूंगा ही। मेरे बोलने के अधिकार से आप मुझे कैसे वंचित कर सकते हैं ?

श्री अध्यक्षः उन्होंने आपका नाम नहीं लिया है इसलिए अब आप बैठिए।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं। पहले तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह आल इंडिया रेडियो से बोला करते थे लेकिन आज वे बी0बी0सी0 से बोल रहे

हैं। आज पता नहीं इनको क्या हो रहा है ? ये आदमी तो बढिया है पर हालात इनको ऐसा बोलने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता था कि जब चौटाला जी ने समर्थन वापस लिया था तो इन्होंने हरियाणा के किसानों के हित की बात, गरीबों के हित की बात कही थी कि जो सरकार यूरिया के किलो के हिसाब से दाम बढाती है, जो सरकार गेहूं और चावल के दाम बढाती है वह सरकार किसान विरोधी, गरीब विरोधी है। इसलिए ही इनकी पार्टी ने तब समर्थन नहीं दिया था लेकिन बाद में जब समर्थन देने की बात आयी तो पुनर्विचार, पुनर्राश्ट्रीय हित पता नहीं इनका "पुनर" पर इतना जोर क्यों था कहा नहीं जा सकता ? (विघ्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। मैं यह बात बहुत दफा पहले भी स्पश्ट कर चुका हूं और अब फिर स्पश्ट कह रहा हूं। मैंने जहां यह कहा था कि हम इनको समर्थन नहीं देंगे वहां मैंने यह भी कहा था कि कांग्रेस को भी हम समर्थन नहीं देंगे। जहां तक ये पुनर्मिलन की बात कर रहे हैं तो मेरा ख्याल है कि इनका नि ाना कहीं और है, निगाहें कहीं हैं लेकिन ढाल कर ये मुझ पर कह रहे हैं इसलिए

मुझे इनकी बात पर कोई आपत्ति नहीं है। तीन साल पहले उन्होंने मजे लूट लिए अब इनकी मर्जी ये भी लूट लें।

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, राश्ट्रपिता महात्मा गांधी के समय से ही कांग्रेस की एक विचारधारा रही है और वह विचारधारा यह रही है कि कांग्रेस ने राश्ट्रवादी और वह भी प्लूरल नै ानेलिज्म की बात कही है, बहु राश्ट्रवादिता की बात कही है और बहु राश्ट्रवाद का प्रतीक यह है कि इस दे ा के अंदर अगर सौ करोड लोग बसते हैं और यदि उनमें से बीस करोड लोग अल्पसंख्यक यानी क्रि चयन, जैन, सिख, मुस्लिम समुदाय के भाई हैं तो उनको भी इस दे ा के संविधान के अंदर सारे अधिकार हैं वह भी इस दे ा के उतने ही गौरान्वित नागरिक हैं जितना हिन्दुत्व का ठेका उठाने वाला हमारा कोई दूसरा भाई है। लेकिन स्पीकर सर, यह इनकी संकीर्ण भावना का ही परिचायक है कि श्रीमती सोनिया गांधी, जिन्होंने 32 साल पहले जिस दिन इस दे ा के नागरिक से, इस दे ा के पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी से विवाह किया, उसी दिन वह इस दे ा की बहु बन गयीं तथा इस दे ा की संस्कृति में रच गयीं। परन्तु इनके द्वारा इस बात को उठाना इनकी छोटी भावना का ही परिचायक है और कांग्रेस पार्टी हमे ाा इसी विचारधारा के विरोध में रही है कि हमारे जो बी0जे0पी0 के भाई अल्ट्रा ने ानेलिज्म की बात करते हैं या जिनकी पार्टियां जातिवाद पर आधारित हैं जैसे आई0एन0एल0डी0

ऐसी पार्टियों के बारे में कांग्रेस हमे ाा हरियाणा की जनता को खबरदार करती रही हैं कि ऐसी पार्टियों के बारे में कांग्रेस हमे ाा हरियाणा की जनता को खबरदार करती रही है कि ऐसी पार्टियों को कभी भी मौका नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस हमे ाा इस विचारधारा को लेकर लडती रही है। स्पीकर सर, बदकिस्मती से हमारी रूलिंग पार्टी ने तीन साल तक इनके साथ रहने का तजुर्बा हासिल किया होगा। ऐसी पार्टियां जाति के नाम पर समाज का बांटने की कोि ा ा करती हैं ऐसी पार्टियां धार्मिक उन्माद पैदा करके इस दे ा को तोडने की कोि ा ा करती हैं इस दे ा के सामाजिक ताने बाने को तोडने की कोि ा ा करती हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी ने हमे ाा ऐसी पार्टियों का विरोध किया है और आज भी हम यह कहते हैं कि हम हरियाणा के अंदर कोई ऐसी परिस्थिति नहीं बनने दैंगे जिसमें जातिवाद और साम्प्रदायिकता को बढावा मिले। इस फिलोस्फी के साथ हमे ाा कांग्रेस समर्पित रही है और यही एक कांग्रेस की ताकत रही है कि गरीब आदमी को भी कांग्रेस पार्टी में संरक्षण नजर आता है उसको यह नजर आता है कि इस दे ा के अंदर कांग्रेस पार्टी अगर सत्तासीन है तो कांग्रेस पार्टी उन भाक्तियों से लडती रही है जो भाक्तियां इस दे ा के अंदर जाबर हैं, जो तगडी हैं और लोगों का भाोशण कर सकती हैं। यही कांग्रेस की भाक्ति का प्रमाण है। हमने कभी यह नहीं कहा कि चौटाला साहब राजस्थान से चलकर चौटाला गांव में आये। अगर ये 100 साल पहले आ गये होंगे तो श्रीमती सोनिया गांधी 30 साल पहले आई। 100 साल

पहले आने वाले नागरिक को अगर हम यह कहें कि ये राजस्थान से हैं और हरियाणा के लोगों इनसे बचना कि ये हरियाणवी नहीं हैं, इनके तो रीति रिवाज भी और हैं। (ोर) इसलिये इनकी यह तो कोई दलील नहीं है कि श्रीमती सोनिया गांधी विदे ी हैं। अध्यक्ष महोदय, हमें इसलिये दु:ख होता है कि ऐसी परिस्थिति हरियाणा में जब बनती है कि हरियाणा के अंदर ऐसी ताकतें हैं जो साम्प्रदायिकता के आधार पर अपनी जडें मजबूत करना चाहती हैं, जातिवादियों से सहारा लेकर अपनी जडें मजबूत करना चाहती हैं उन पार्टियों ने हरियाणा की जनता का तीन साल तक भाोशण किया और अगर इनका कोई नीतिगत मतभेद था तो फैसला ले लेना चाहिए था लेकिन कम से कम इतना तो सब्र करते कि इस वक्त हमारा दे ा संकट में है और दे ा की सीमाओं पर भात्रु छः—छः किलोमीटर, 8—8 किलोमीटर अन्दर घुस आया है। मुझे तो कई बार ताज्जुब होता है कि इस सरकार को पोखरन में आणविक विस्फोट करने की क्या जरूरत थी और दुनिया को यह कहा कि इस काम श्री अटल बिहारी वाजपेयी और भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है और हमने कर के दिखाया। जब कि यह काम 26 साल पहले श्रीमती इन्दिरा गांधी ने करके दिखाया था लेकिन उस समय उन्होंने यह सिद्ध करने की कोि ा ा की थी कि यह जो पोखरन का विस्फोट है, यह हमने अपने तकनीकी ज्ञान और साइंटिफिक इम्प्रूवमैंट के लिये तथा मानव जाति की भलाई के लिये किया और वि व के अंदर एक संदे ा गया कि जो भारत दे ा है वह एक परमाणु भाक्ति है। अध्यक्ष महोदय, गांव में भी

अगर कोई बडा चौधरी हो, वह अगर छोटी छोटी बातों पर लोगों से पंगे लेना भुरू कर दे तो जिस दिन कोई उससे उलझ जाएगा तो उसकी औकात का पता लग जाता है। इसलिये परमाणु विस्फोट करने की क्या जरूरत थी, हमने तीन विस्फोट किए तो उन्होंने पांच विस्फोट किए। आज वही पाकिस्तान जिसकी हिन्दुस्तान के सामने कोई सैनिक भाक्ति नहीं है, उसने आज यह सिद्ध कर दिया कि हमारे पास भी परमाणु भाक्ति का जवाब है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि यहां परमाणु विस्फोटों का बहुत भारी जिक्र हो रहा है कि किसने परमाणु विस्फोंट किए और कितने किये लेकिन आज कौन सा विस्फोट होने जा रहा है, उसका भी तो ये जिक्र करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं विस्फोट की बात इसलिये कर रहा था कि हमारे दे ा के प्रधान मंत्री ने एक ओर जहां पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के साथ मित्रता के संबंध स्थापित करने की कोि ा ा की वहां दूसरी ओर गुप्तचर विभाग की खबरें हैं कि सिर्फ 800 मर्सनरिज और पाक एडिड सैनिक जो हाईटस पर बैठे हैं उनके साथ लडते हुए हम अपने 175 सिपाही खो चुके हैं और 250 से ज्यादा सिपाही जख्मी हो चुके हैं। इसकी जिम्मेवारी किसकी है, यह सरकार इससे लोकप्रियता हासिल करना चाह रही है। दे ा भक्ति के लिये कोई कार्य हो तो हम उसकी सराहना करेंगे, प्र ांसा करेंगे लेकिन सिर्फ अपनी लोकप्रियता

हासिल करने के लिये हम दे ा को एक्सपोज कर दें तो गलत बात है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, ये सैंटर की बात कर रहे हैं और श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की बात कह रहे हैं तो क्या ये बताएंगे कि पोखरन टैस्टस जिसने इस दे ा को सारे वि व भर में सातवीं भाक्ति बनाया, उन पोखरन टैस्टस का ये विरोध कर रहे हैं, क्या इस तरह का ही इनका कल्चर है। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, पोखरन विस्फोट से भारती सातवीं या छटठी परमाणु भाक्ति नहीं बना। भारत दे ा परमाणु भाक्ति पिछले 25 साल से है। आपने हमारी परमाणु भाक्ति को प्रद र्ान करके दु मनों की निगाहें और पैनी कर दीं और आठ सौ आदमी हमारे दे ा की सीमाओं पर घुस आए। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह उन जवानों की भावनाओं का निरादर है। पूरा दे ा इस समय कारगिल की लडाई लड रहा है, ये हरियाणा के भाहीदों की बात का निरादर है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह विदे ा नीति पर बोलें। परन्तु इस लडाई के बारे में इस तरह से न बोलें। इस लडाई के बारे में इनकी नेता भी कह चुकी हैं निरादर इस बात पर भी है कि यह राश्ट्रीय सुरक्षा के मुददे पर इनको इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से मैं दर्खास्त करूंगा कि इनको उधर

जाना हो तो जाएं लेकिन राश्ट्रीय सुरक्षा के मुददे पर न बोलें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, सारा हाउस इस बात से सहमत होगा कि कारगिल में जवान लडाई लड रहे हैं और बीरेन्द्र सिंह जी यह बात कह रहे हैं कि इस लडाई के लिए जिम्मेदार कौन है ? मैं कहना चाहूंगा कि कारगिल में हो रहे युद्ध जैसी स्थिति के बाद आप जिम्मेदारी तय कर लेना लेकिन अभी तो इस मामले पर सभी की सहमति प्रकट करनी चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारी नेता ने यह कहा कि जो घुसपैठिए हैं उनको खदेडने के लिए यह सरकार जो भी कदम उठाएगी कांग्रेस पार्टी उनके उस कदम का समर्थन करती रहेगी और तब तक करती रहेगी जब तक कि घुसपैठिए पूरी तरह से उस क्षेत्र से खदेड नहीं दिये जाते। मैं यह कह रहा हूं कि जब कि 25 परसैंट से ज्यादा कैजुएलिटीज हमारे प्रान्त में हैं जहां हम गौरवान्वित हैं कि सबसे पहले हमारे हरियाणा के सेनानी हरियाणा के जवान मुठभेड में आगे थे चाहे वे ग्रेनेडियर्स हों, चाहे राजपूताना रायफल्स के हों, चाहे जाट रेजिमैंट के हों, इस सरकार की नीति को बर्दा त नहीं करेंगे जो एक तरफ यह कहती है कि एल0ओ0सीव को क्रॉस नहीं करो और दूसरी तरफ यह कहती है कि इनको भगाओ भी। आज दे ा यह मांग करता है कि अगर उनके इरादे इतने खतरनाक हैं तो हमें चाहे एल0ओ0सी0 को क्रॉस भी करना पडे तो करना चाहिए और जनरल मलिक भी यही

कहते हैं कि जब दे ा ऐसी विकट स्थिति में है युद्ध जैसा वातावरण है तो आपको बंसी लाल जी की सरकार से समर्थन वापस लेने की इस वक्त क्या जरूरत पडी, आप हमें तो कहते। अब आप यह बात क्यों कह रहे हैं ? आप महीने दो महीने इंतजार नहीं कर सकते थे ? क्या आप सत्ता प्राप्ति के लिए ऐसे उतालवे थे ? चौटाला साहब के साथ गडड मडड कर रहे थे कि कैसे सरकार को गिराया जाए ? यह सराकार गिरती है या नहीं गिरती है परन्तु हम हरियाणा प्रदे ा के अंदर किसी ऐसी सरकार को नहीं बनने देंगे जो जातिवाद या सांप्रदायिकता को बढावा दे।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। बीरेन्द्र सिंह का मन तो साफ है ही नहीं।

श्री अध्यक्षः आप पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के बारे में बताएं ?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी तरफ आंख काढ के ने देखा करें। यह मुझे अच्छा नहीं लगता हैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह को पता नहीं मुझसे क्या पीडा है। मैं तो बर्दा त कर लूंगा लेकिन जिनको आप समर्थन करने जा रहे हैं

उस व्यक्ति को जब 1977 में कांग्रेस से निश्कासित किया गया था। (विघ्न)

Mr. Speaker: Chautala ji, please give your personal explanation otherwise, I will have to ask you to take you seat.

Sh. Om Parkash Chautala: Speaker Sir .....

Mr. Speaker: Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान दे रहा हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः जो चौटाला साहब कह रहे हैं उसको रिकार्ड न किया जाये। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप बोलिये।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर, मैंने सिर्फ यह कहा है कि आज दे ा में युद्ध जैसी विकट स्थिति बनी हुई है। मेरे कहने का भाव सिर्फ यह था कि ये थोडा इंतजार कर सकते थे। बाकी हरियाणा की रवायत रही है। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः .....

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंहः चौटाला साहब का मैं इस बात के लिए सम्मान करता हूं कि जहां जहां भाहीद हुए वे वहां पर गये। मैं कहता हूं कि यह उनका बडप्पन है। यह उनकी अच्छाई है। जो सही बात होगी वह तो कही ही जायेगी और लोग भी उसको सही

कहेंगे। इन्होंने एक घण्टे के भाशण में यही बात कही है कि इस सरकार ने पिछले तीन सालों में कितने कहर ढाये हैं। कहर ढाने में इनकी कितनी भूमिका होती थी इनको इस बात का पता नहीं है। (विघ्न) मैं तो अध्यक्ष महोदय, यह कह सकता हूं कि हम यह कह रहे हैं कि सरकार को समर्थन देंगे। हम यह नहीं कह रहे कि सरकार का पूरा टैन्योर समर्थन करेंगे। हमारा कहना यह है कि हरियाणा के अंदर ऐसी स्थिति न बने कि जहां जातिवाद और साम्प्रदायिक ताकतें मिल कर सरकार बनाने का प्रयास करें। मुझे तो वह दिन अच्छी तरह से याद है जब चौटाला साहब मुख्य मंत्री होते थे तो कहा करते थे कि जब एक हजार और दो हजार आदमी इकटठे होकर यह न कहें कि चौटाला आ गया, चौटाला आ गया, तब तक कोई बात नहीं बनती।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः .....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब ने जो कुछ कहा या कहेंगे, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रका ाः .....

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं तो यहां तक कहूंगा कि भ्रश्टाचार, ज्यादतियां, जुल्म कोई सरकार अगर करेगी तो चाहे हम विपक्ष में बैठें हों, चाहे सत्ता पक्ष में बैठें हों, जुल्म करने वालों के खिलाफ हमे ाा लडाई लडेंगे। मैं तो यहां तक कहता हूं कि जो मुख्य मंत्री सता का केन्द्रीयकरण करेगा हम

उसका विरोध करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं। जो कडवाहट पैदा करेगा, रीजनल इम्बैलैंस पैदा करने की कोि ा ा करेगा हम उन भाक्तियों से लडेंगे। जो जनता के लिए इंसाफ नहीं करेंगे हम उनके खिलाफ लडाई लडेंगे। चौटाला साहब ने कहा कि जो बिजली का वायदा किया था वह पूरा नहीं किया। मैं यह मानता हूं कि बिजली का वायदा सबसे लाईट डोज थी। बडी डोज तो यह थी कि हम प्रोहिबि ान को लागू करेंगे।

18.00 बजे।

स्पीकर सर, पता नहीं कितने हजारों, लाखों रूपये उन पोस्टरों और होर्डिंग्ज पर इन्होंने खर्च किये। जहां जिस सरकार में बिल न हो और बिल न होने का सबसे बडा कारण कई दलों को मिलाकर बनाने वाली ऐसी सरकार जिसमें महाजन जी जैसे लोग यह कहें कि बी0जे0पी0 तो उसका मायका है और एच0बी0पी0 उसका पीहर है। अध्यक्ष महोदय, जिस दल में ऐसे लोग हों उस दल में ऐसी स्थिति होना स्वाभाविक है और मैं नहीं मानता कि अगर आज हम समर्थन कर भी दें तो ज्यादा दिन यह सरकार चल पायेगी। मैं साफ कहता हूं कि हरियाणा की जनता चुनाव चाहती है। (ाोर एवं व्यवधान) हरियाणा की जनता चाहती है कि हरियाणा की जनता चुनाव चाहती है। (ाोर एवं व्यवधान) हरियाणा की जनता चाहती है कि हरियाणा विधान सभा के चुनाव लोक सभा चुनावों के साथ हों तोकि गरीब जनता पर दो बार चुनाव का भार न पडे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता यह भी

नहीं चाहती कि ऐसी परिस्थितियां पैदा हों कि सरकार बने और चार दिन बाद फिर गिर जाए, चार को निकाल दिया और 2 को रख लिया। कांग्रेस भी ऐसी स्थिति की पक्षधर नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हम यह भी नहीं चाहेंगे कि हरियाणा में सांप्रदायिक और जातिवादी ताकतों को सरकार बनाने का मौका मिले। सांप्रदायिक और जातिवादी ताकतों से हरियाणा की जनता की रूह कांपती है। स्पीकर सर, आज हरियाणा की गरीब जनता को प्रोटैक ान की जरूरत है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि हरियाणा की जनता चाहती है कि हरियाणा विधान सभा के चुनाव भी लौक सभा के चुनावों के साथ हों। इस बारे में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से पूछना चाहूंगा कि वे अपनी स्थिति भी स्पश्ट कर दें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आप लोग तैयारी करें चुनाव जल्दी ही होंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्र निवेदन है कि हरियाणा की जनता को झूठे और होपलैस नारों से बचाया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि हरियाणा की राजनीति में परिवक्ता ओर मैजोरिटी आये तथा जनता की समस्याओं का समधान सही ढंग से हो। जो पार्टी यह सब कुछ कर सकती है उसी पार्टी को आगे बढने का मौका मिलना चाहिए। उस पार्टी को हरियाणा की जनता भी अपने साथ लेकर चलेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी नहीं चाहती कि हरियाणा में इन परिस्थितियों में ऐसी ताकतों की सरकार बने

जिससे हरियाणा में अव्यवस्था हो जाये। जो सांप्रदायिक ताकतें लॉ एंड आर्डर की दुहाई देती हैं अगर उनको सरकार बनाने का मौका मिल गया तो हरियाणा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रहेगी। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब जब मुख्य मंत्री थे तब यह कहते थे कि हरियाणा पुलिस तो अलग है मैं अपनी ऐसी पुलिस 4–5 हजार लोगों की बनाऊंगा जो लोगों की अक्ल ठीक कर दें। ऐसी परिस्थितियों में कांग्रेस भी जातिवादी और सांप्रदायिक ताकतों का साथ नहीं देगी। जो ताकतें हरियाणा की कानून व्यवस्था को बिल्कुल बरबाद कर सकती है। ऐसी ताकतों को कांग्रेस समर्थन नहीं देगी और इसलिए हमने फैसला किया है कि जो भी प्रस्ताव इन ताकतों को दूर रखने का होगा, उसका हम समर्थन करेंगे और इन ताकतों को रोकने की कोि ा ा करेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब श्री राम बिलास भार्मा बोलेंगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगा कि 22 जनवरी 1998 को भार्मा जी ने जो स्पीच इस हाऊस में पढी थी वह दोबारा पढी जाये।

श्री अध्यक्षः सांगवावन साहब जब आपका नंबर आये तब आप बोलना।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, आज 25 जून 1991 है। 25 जून 1975 का दिन हमें याद है जिस दिन

इस दे ा में एक काली रात एमरजैंसी के नाम से आई थी। (विघ्न) स्पीकर सर, या तो सांगवान साहब को ही बोलने दें या फिर मुझे। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमारः स्पीकर सर, यह कौन सा तरीका है ? (ाोर)

श्री अध्यक्षः अ ाोक कुमार जी, आप बैठिए।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, पहले ये 22 जनवरी की बता बताएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, कृपया आप रामबिलास भार्मा जी को बोलने दें। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं। .....

श्री अध्यक्षः श्री धीरपाल सिंह जी जो कुछ भी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं विघ्न) मैंने आपको व श्री ओम प्रका ा चौटाला जी को भी पता नहीं कितनी बार कहा है लेकिन पता नहीं आपका क्या पूर्वाग्रह है ?

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, एक आध दफा आप हमें भी प्लीज कर दिया करो।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, मैं आप सभी को प्लीज नहीं, सर कहता हूं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आज 25 जून 1999 को हरियाणा का यह महान सदन एक बडी ऐतिहासिक बात कही गवाही दे रहा है। बहुत से माननीय साथियों ने बडी बडी बातें कहीं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता जनार्दन की कृपा से मैं इस सदन में चौथी बार विधायक बन कर उपस्थित हूं। मैं एक ऐसी जिम्मेवार पार्टी का समर्पित सिपाही हूं जिसका 1952 से लेकर आज तक जन आंदोलन का इतिहास है। आज भाादी व हनीमून की तैयारी हो रही है। (विघ्न) आज एक नापाक भाादी होने जा रही है। (विघ्न) मैं माननीय साथियों को बताना चाहता हूं कि यह हरियाणा है और इसमें अलग अलग लोगों की अलग अलग पहचान है। भारतीय जनता पार्टी ने 3 साल तक हरियाणा विकास पार्टी के साथ दोस्ती का जो धर्म निभाया उसको पूरा सदन जानता है और सबसे अधिक अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं। जब चौधरी बंसी लाल जी को कांग्रेस पार्टी से निकाल दिया गया तो 1996 में हविपा–भाजपा गठबंधन हुआ और दोनों पार्टियों ने मिलकर चुनाव लडा। अध्यक्ष महोदय, हमारा अपना इतिहास है, हमारा भूत है, भविश्य है। हम कोई दुकान तो हैं नहीं। अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे। (विघ्न) स्पीकर सर, या तो सांगवान साहब को 2–4 घंटे के लिए बोलने का समय दे दिया जाए अथवा इनको कहें कि ये बीच में रोका टोकी न

करें। (ाोर) पहली बार इनका विधायक बनने का सिप्पा लगा है। (विघ्न) जो बातें सांगवान साहब, कह रहे हैं वे मैदान में होंगी।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये सतपाल का क्या मुकाबला करेंगे। (विघ्न) इन्होंने तो लोगों को बेवकूफ बनाया है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, सतपाल जी को 4–6 घंटे बोलने दीजिए। (विघ्न) ये बीच में बोलने के लिए खडे हो जाते हैं, यह इनका कोई तरीका है ?

श्री अध्यक्षः सांगवान जी आप बैठिये। आप बीच में डिस्टर्ब न करें।

श्री राम बिलास भार्माः रामबिलास भार्मा की आवाज को कोई दबा नहीं सकता। जिन दिनों एमरजैंसी की काली रात थी और हम बिहार की गया जेल में थे तब भी यह आवाज दबी नहीं थी। भारतीय जनता पार्टी मौलिक अधिकारों की लडाई लड रही थी। स्पीकर साहब हमने पूरी निश्ठा के साथ और श्रद्धा के साथ इनका साथ दिया। सांगवान साहब मेरे पुराने भाशण की चर्चा कर रहे थे। वह भाशण इस बात का सबूत है कि हमने पूरी दोस्ती का धर्म निभाया। स्पीकर साहब इन पिछले 3 वर्शों में एक एक कदम पर हमने देखा कि हत्या हो रही हैं, संस्थाओं को समाप्त किया जा रहा है, मंत्रियों को डिसमिस किया जा रहा है, कोई मंत्री बोल नहीं सकता तो इन हालात को देखते हुए हमें अपना समर्थन

वापस लेना पडा। (विघ्न) चौधरी बंसी लाल जी के साथ एक बार दोस्ती जुड जाए तो उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि ये दोस्ती के लिए म ाहूर नहीं है चौधरी बंसी लाल दु मनी के लिए म ाहूर हैं। जिस आदमी के साथ ये जुडते हैं, जो इनके साथ जुए में जुडता है उसकी ये जान लेने में वि वास रखते हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, यह क्या बात हुई, ये बडे उछल कूद कर बोल रहे हैं यह ठीक नहीं है। स्पीकर साहब, यह क्या बात हुई कि ये बोलने की नहीं दे रहे।

श्री अध्यक्षः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप थोडा संयम बरतें और वे भाब्द भी आज रिकार्ड में हैं जो आपने इसी सदन में चौधरी बंसी लाल जी के लिए कहे थे। आप थोडा ठीक बोलें।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं कभी इररैलेवैंट या असंसदीय भाशा नहीं बोलता। मैं ऐतिहासिक और संसदीय भाशा बोलता हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप बहुत पुराने विधायक हैं। बहुत अच्छा बोलना जानते हैं। इसलिए निवेदन है कि आप थोडी सी कन्ट्रोवर्सी पैदा न करें और ऐसी कोई बात न कहें जिससे केन्ट्रोवर्सी हो।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि कि आपने सभी को खुलकर बोलने का मौका दिया। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी बोले, बीरेन्द्र सिंह जी

बोले तो फिर यह रोक हमारे ऊपर ही क्यों है। सांगवान जी बार बार बीच में खडे होकर बोलना भाुरू कर देते हैं। आप इनको 5–7 घंटे बुलवा लो हम पूरी रात सुनने के लिए तैयार हैं या आप उनसे प्रार्थना करें कि हमारी बात सुने। यह सदन किसी एक का नहीं है। यह सदन पूरे हरियाणा की जनता का है। अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी चर्चा करके चले गए और वे बोलते हुए परमाणु परीक्षण पर भी चर्चा कर गए। सारी दुनिया, हिन्दुस्तान की 100 करोड जनता अटल बिहारी जी को बधाई दे रही है कि आपने समय पर यह परीक्षण किया। हमारे प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कारगिल की लडाई में विदे ा नीति में ऐसा पीछे छोडा कि वह एक कोने में खडा होकर रह गया। ऐसा बाजपेयी जी की विदे ा नीति के कारण हुआ है और इस काम के लिए पूरी दुनिया उनको बधाई दे रही है। इंडियन एक्सप्रैस आज का बहुत सम्मानित अखबार है। आज पहली बार भारत की जनता ने पाकिस्तान को अहसास कराया है कि हिन्दुस्तान का प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी है। हरियाणा प्रदे ा के नौजवानों की वहां पर भाहादतें हुई, उन नौजवानों ने यह दिखा दिया है कि आज हरियाणा की जनता उनकी पीठ के पीछे किस तरह से खडी है। हम रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव जिलों के उन भाोक संतप्त परिवार के घरों में उनको सांत्वना देने के लिए गए जिन परिवारों के नौजवान वहां पर भाहीद हुए थे, वहां से सीधे हमने यहां आकर 4 जून को महामहिम राज्यपाल महोदय से भाहीदों को दी जाने वाली रा ि ा को बढाने के बारे में कहा था। हमने यह भी कहा था कि

उनके आश्रितों को कोई प्रोत्साहन दिया जाए। बी0जे0पी0 प्रजातंख की हामी है। बी0जे0पी0 प्रजातंत्र के लिए उसकी पहचान है। बी0जे0पी0 मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए उसकी पहचान है। जब कुलपतियों की पिटाई हुई, जब अग्रोहा मैडिकल कालेज की बात आई, आन्दोलित कर्मचारियों के साथ वार्ता की। सफाई कर्मचारी सबसे छोटी इकाई है, गरीब इकाई है, हमारे पास यह विभाग आदरणीय डा0 कमला वर्मा के पास था। हमने बार बार आग्रह किया कि सफाई कर्मचारी से छोटा कर्मचारी कोई नहीं इसलिए उनके वेतन की मांग छोटी सी मांग है। वे अपनी छोटी सी मांग पर आन्दोलनरत हैं जब सरकार का कोई कर्मचारी अपनी कोई मांग को लेकर, अपनी छोटी मोटी ि ाकायत को लेकर सरकार के पास जाए तो वार्ता से उनकी समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। स्पीकर सर, बी0जे0पी0 ने जब भी अपने मुददो की कोई इस तरह की बात कही, कितनी बार आग्रह किया कि यूनिवर्सिटी ऐसी संस्थान हैं जो आटोनोमस बॉडी है और उसका कुलपति वह भी सेना का रिटायर्ड जनरल जिसने कारगिल का सफल आप्रे ान किया हो। हमने कितनी बार माननीय मुख्य मंत्री से कहा जिसको हमारे यहां बैठे सभी साथी जानते हैं और इस बात को हमने मंत्रिमंडल में भी उठाया कि आप किसी आदमी को नौकरी नहीं देते तो उसके प्राण तो नहीं लिए जा सकते हैं। कर्मचारी की तनख्वाह बंद कर देना, यूनिवर्सिटी का मौलिक अधिकार बंद कर देना, हमने अपनी पीडा अपनी पार्टी हाई कमान से व्यक्त की। 8–8 मंत्रियों को डिसमिस कर दिया, चौ0 जगनान

को डिसमिस कर दिया, डाक्टर धर्मबीर यादव को डिसमिस कर दिया, जसवंत सिंह बाबवल को डिसमिस कर दिया, बहन कृश्णा अहलावत

को डिसमिस कर दिया, राव नरबीर सिंह को डिसमिस कर दिया, बृज मोहन सिंगल को डिसमिस कर दिया, जसवंत सिंह नारनौंद वाले को डिसमिस कर दिया, हरियाणा की छवि क्या बन गई थी। एक तरफ मंत्रीमंडल के प्रमुख साथी दलित वर्ग के साथ अहीरवाल के साथी बिना किसी कारण के हटाए। कितने मंत्री साथी हैं जिनके खिलाफ मुकदमें दर्ज किए गए, बृज मोहन सिंगला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, डा0 धर्मबीर यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। स्पीकर सर, कितने लोग ऐसे हैं जिनके खिलाफ मुकदमें दर्ज किए गए।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। राम बिलास जी ने अभी उल्लेख किया कि मेरे ऊपर मुकदमा दर्ज किया गया। मेरे खिलाफ अगर कोई पर्चा देता है चाहे वह गलत हो चाहे सही हो, एक बार एफ0आई0आर0 तो लोज होती है, इन्कवायरी बाद में होती है कि वह सही है या गलत है और फैसला बाद में होता है। दूसरा जैसा कि इन्होंने कहा कि मंत्रीमंडल से बर्खास्त किया गया। फौज में भी एनुअल लीव दी जाती है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने भी मुझे एनुअल लीव दी थी। मैं वह लीव काटकर वापस आ गया था। (हंसी)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, प्रो0 साहब सियाने तो हुए परन्तु हरियाणा की एक कहावत है कि दादी सियानी तो हुई लेकिन रांड होकर हुई। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, अब कांग्रेस के हमारे मित्र चौ0 बीरेन्द्र सिंह जो बहुत वरिश्ठ नेता हैं, उनकी आवाज से, उनके लहजे से, उनके वाक्य के एक एक भाब्द से दुविधा प्रकट हो रही थी। आज 6 बजे तक यह अच्छा हो गया। आने वाले समय में इस सारी बात का पता लग जाएगा। स्पीकर साहब, भाजपा अपने इतिहास से धोखा नहीं कर सकती, प्रजातंत्र से धोखा नहीं करती। जब संस्थाओं को जनान्दोलन का जहां पर मान न हो, जहां इन्सान में वि वास नहीं, जहां भगवान में वि वास नहीं जहां विद्वान में वि वास नहीं, गुणवान में वि वास नहीं, यह दोस्ती का पैमाना नहीं है। स्पीकर सर, इन परिस्थितियों में हमें मजबूर होकर सोचना पडा। आज हरियाणा की जनता ने हमको मिला जुला वि वास दिया है। जहां तक जयललिता के प्रति बात आई। स्पीकर सर, हम तीन साल तक दोस्ती निभाते रहे, एक एक अक्षर दोस्ती का धर्म निभाते रहे और उनकी वजह से 17 तारीख को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार एक मत से हार गई उस वक्त तीन तीन दिन तक विकास पार्टी की चिटठी के लिए लगातार हॉबनोबिंग की गई। चौधरी सुरेन्द्र सिंह की पार्टी के साथ हम तीन साल तक रहे लेकिन हमें अपमान का जहर उस समय पीना पडा। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर सर, इन्होंने कहा कि विकास पार्टी ने तीन दिन तक चिटठी रखी। अध्यक्ष महोदय, जो श्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं उनके चेले हैं श्री राम बिलास भार्मा। वाजपेयी ने आज तक किसी के साथ नहीं निभाई। श्री बलराज मधोक, जो सबसे पहले आर0एस0एस0 के सीनियर नेता थे, ने दो तीन महीने पहले हिन्दुस्तान टाईम्ज में एक आर्टिकल लिखा था जिसमें वाजपेयी की सारी कहानी लिखी थी। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जब हरियाणा विकास पार्टी के एम0पी0 सुरेन्द्र सिंह को वाजपेयी ने फोन किया उससे 24 घण्टे पहले वाजपेयी हमारे साथ धोखा कर चुके थे, चौबीस घण्टे पहले हमारे साथ बेईमानी कर चुके थे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी एक्सलेने ान पूरी तरह से दे देता हूं। सबको पता लग गया था कि क्या बात हुई है। अध्यक्ष महोदय, सुब्रामण्यम स्वामी ने हाउस में खडे होकर कहा था कि सुरेन्द्र सिंह यह समझौता तुम्हारी ला ा पर हुआ है। हम आपस में बतालए, आज दिल्ली मे हर आदमी को पता है कि वाजपेयी ने हमारे साथ धोखा किया है लेकिन भाायद हरियाणा की जनता को पता नहीं लगा कि वाजपेयी ने हमारे साथ धोखा किया। अगर सुरेन्द्र इनके खिलाफ वोट दे देता तो यह कह सकते थे कि सुरेन्द्र सिंह ने पहले धोखा दिया है। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद क्या हुआ, हमने कहा कि धोखा खाना अच्छा है लेकिन धोखा देना अच्छा नहीं है। हमारी पार्टी ने बी0जे0पी0 को वोट दिया और केवल वोट दिया ही नहीं बल्कि श्री चन्द्र भोखर जी, हिन्दुस्तान के भूतपूर्व प्रधान मंत्री रहे हैं, सुरेन्द्र

सिंह ने उनका वोट भी मांगा और उनसे कहा कि अंकल वोट दे दो। उसके बाद इनके एक मंत्री ने, भारत सरकार के एक मंत्री ने तीन दिन के बाद एक चिटठी भेज दी। तब नई सरकार बनने की कोि ा ा चल रही थी। उस चिटठी में यह लिखा कि इस पर दस्तखत कर दो, सुरेन्द्र सिंह ने वह चिटठी उठा कर रख ली, दो तीन घण्टे बाद दूसरी चिटठी आ गई उसने वह चिटठी भी रख ली। वोट तो सुरेन्द्र सिंह पहले ही दे चुका था। सारी दिल्ली में यह बात साफ हो गई थी कि वाजपेयी ने हरियाणा विकास पार्टी के साथ धोखा किया है। अगर उन्होंने चौटाला साहब से वायदा किया था तो हमारे साथ भी जब हमने सरकार बनाई थी पांच साल का समझौता हुआ था, क्या वह समझौता नहीं था ? अध्यक्ष महोदय, क्योंकि उसको कुर्सी चाहिए थी इसलिए कुर्सी के लिए पूंछडी हिलाता फिर रहा था। फिर उस समय क्या हुआ कि सुरेन्द्र सिंह ने चिटठी देने से इन्कार कर दिया। उसके बाद प्रधान मंत्री ने खुद सुरेन्द्र सिंह को बुलाया आध पौन धण्टा गप्प लगाई और सुरेन्द्र इजाजत लेकर चल पडा तो वाजपेयी जी कहने लगे, सुरेन्द्र साथ रहना है। सुरेन्द्र बगैर कोई जवाब दिए वापिस चला आया। उसके घण्टे डेढ घण्टे के बाद सुशमा जी ने फोन किया कि सुरेन्द्र मैं और अडवानी कहते हैं कि चिटठी दे दो। सुरेन्द्र ने दस्तख्त करके सुशमा जी के घर चिटठी भिजवा दी। ये वाजपेयी जी की तारीफ करते हैं, वाजपेयी राजनीति का मोरल जानता है क्या ? इन्हौंने जयललिता की पार्टी तोडने की कोि ा ा की, बीजू पटनायक की पार्टी तोडने की कोि ा ा की, इतना ही नहीं

चौटाला की पार्टी को भी तोडने की कोि ा ा की। तोडने की क्या, वह तो टूट ही गई थी। ये तो चौटाला साहब खुद मौके पर पहुंच गए और पार्टी को टूटने से बचा लिया। इन्होंने समता पार्टी को भी तोडने की कोि ा ा की। एक साल जब वाजपेयी को प्रधान मंत्री बने हुए हो गए तो राम बिलास भार्मा जी हमारे मंत्री तोडने में लग गए। इन्हें मुख्यमंत्री की सीट का लालच था। इनको यह नहीं पता था कि इनकी अपनी सीट भी चली जाएगी। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, ये तो स्पीच ही देने लग गए। ये प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं, पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोल रहे हैं या किस मुददे पर बोल रहे हैं ? ये बता दें।

श्री अध्यक्ष: राम बिलास भार्मा जी, आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, ये जो बोल रहे हैं क्या कांग्रेस पार्टी की आक्सीजन का प्रभाव है ? यह क्या है ?

श्री अध्यक्ष: राम बिलास जी, आप बहुत पुराने मंत्री रहे हैं। आप यह बात करते रहे हैं कि लीडर ऑफ दि हाउस इन्टरवीन कर सकता है। आपने इस सदन में रहते हुए कहा था कि Leader of the House can intervene at any time while he wants. Please take your seat.

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, पहले मेरी बात तो पूरी होने दें। ये अपने जवाब में पूरी बात कह लेंगे।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद मुख्य मंत्री बनने हेतु कोई कसर बाकी नहीं छोडी। कभी किसी को लालच दिया और कभी किसी को लालच दिया। इन सब कोि ा ाों के बावजूद ये मुख्य मंत्री तो नहीं बन पाए लेकिन आज वहां पर बैठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब इनकी पार्टी ने एम0एल0एज0 की राय जाननी चाही तो उस बारे में मेरी इत्तलाह यह है कि 11 में से 9 मैम्बर्ज ने मेरे हक में लिखकर दिया। यह चाहें तो इस बात की तसल्ली कर लें। मगर एक आदमी बजिदद था क्योंकि वाजपेयी जी ने इनको भडका रखा था कि यह सरकार तोडनी है और ये तोडने के लिए मैदान में आ गए। मैं सोनिया जी का धन्यवाद करता हूं कि वे मेरी सरकार बचाने के लिए आ गईं। मैं उनका कभी अहसान नहीं भुला पाऊंगा। मैं इनकी तरह अहसान फरामो ा नहीं हूं। अध्यक्ष महोदय, जब मैं स्पीच दूंगा तो उसमें बताऊंगा कि 1991 के चुनावी मैनिफैस्टौं में भारतीय जनता पार्टी ने श्री ओम प्रका ा चौटाला जी और चौधरी देवी लाल जी के बारे में क्या लिखा था, वह मैं आपके सामने दिखाऊंगा भी तथा पढकर भी सुनाऊंगा। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने श्रीमन वाजपेयी जी के बारे में जो बातें कहीं हैं वे बे बुनियाद एवं निराधार हैं। इन्होंने अपनी बात से ही यह साबित कर

दिया है कि किस तरह से सत्ता प्राप्ति के लिए आदमी एक घंटें में अपनी बात बदलता है। यह बात सारी जनता जानती है कि इनके बेटे की सांठगांठ के लिए कांग्रेस से लगातार बात चल रही थी। यह तो भारतीय जनता पार्टी की, हम लोगों की हिम्मत थी कि हम इनको निभा रहे थे।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, आन एक प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। अध्यक्ष महोदय, चाहे मेरा बेटा हो या चाहे मैं हूं, कांग्रेस में हम पैदाय ा से हैं। मेरा बाप भी कांग्रेसी थी ओर सभी कांग्रेसियों से हमारे संबंध मधुर रहे हैं। इनके नेता भी मुझे कांग्रेसियों के पास भेजते रहे हैं और मैं उनके पास गया भी हूं। मैंने कभी भी किसी कांग्रेसी से अपने व्यक्तिगत संबंध नहीं तोडे। मेरे बेटे ने भी कभी भी किसी कांग्रेसी से अपने व्यक्तिगत संबंध नहीं तोडे। यह तो इनके साथ ही रहा होगा कि अगर वह हमारे साथ नहीं हैं तो उसके पास न जाओ। मेरी आज भी बी0जे0पी0 के नेताओं से दोस्ती है। इसलिए, अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी दोस्ती किसी से नहीं तोडता। इनकी तो बातें घढने की आदत है। जब मैं बोलूंगा तो इनका घडा घडाया फोडूंगा।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जो आदमी अपना घडा फोडकर दूसरे के घडे में जाने की तैयारी कर रहा हो वह

किसी का क्या घडा फोडेगा ? अभी भी इन्होंने 6 बजे भूपेन्द्र सिंह हुडडा को लिखकर यह दरख्वास्त दी कि सात दिन के बाद मैं स्टैप डाउन कर दूंगा। इस बारे में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी डायरैक्टली या इन्डायरैक्टली सारी बातें कह गये। ये अपना सर्वस्व न्यौछावर करके अटल बिहारी वाजपेयी जी के बारे में ऐसी बातें कर रहे हैं। इस बात का यह सबूत है कि एक घंटे में किस तरह से इनमें परिवर्तन हुआ है ? (विघ्न) मैं आपके सामने बापू आसाराम जी की बात कह रहा था कि संतों का आ ार्वाद हमारे साथ है। अगर संतों का आ ार्वाद हमारे साथ रहता है तो इसमें किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। अगर मैं कांवड लाता हूं तो इसमें किसी को क्या एतराज है ? यह तो मेरी व्यक्तिगत आस्था का सवाल है। मैं सता के लिए इस तरह से पल्टी नहीं मारता हूं। भारतीय जनता पार्टी के लोगों को अभी भी इस बात का फख्र है। अध्यक्ष महोदय, हमने इस ताना ाही का मुकाबला 1975 में भी किया है। पिछले तीन सालों में चौधरी बंसी लाल ने हरियाणा में किसी भी गैरतमंद इंसान को बख्शा नहीं चाहे वह आई0ए0एस0 हो या कोई और हो। इन्होंने आठ आठ मंत्रियों तक को बर्खास्त कर दिया।

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। स्पीकर सर, भाजपा के नेता रामबिलास भार्मा जी ने अपनी पार्टी के बारे में बहुत लम्बी चौडी बातें कहीं। लेकिन मैं उनका

ध्यान 11 मार्च 1997 की विधान सभा की कार्यवाही की तरफ दिलाना चाहता हूं जिसमें उन्होंने यह कहा था कि–

"जिस वक्त चौधरी बंसी लाल जी पहले मुख्य मंत्री थे उस वक्त वे 40 साल की आयु में मुख्यमंत्री बने थे और उन्होंने हिन्दुस्तान की राजनीति में 30 साल के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। जय प्रका ा नारायण जी ने कहा था कि आदमी परिवर्तनों से बहुत कुछ सीखता है। पहले बंसी लाल कांग्रेस के बंसी लाल थे जबकि आज ये विकास पार्टी और बी0जे0पी0 के बंसी लाल हैं। ओम प्रका ा चौटाला बुजुर्ग हैं। मैं उनको एक सलाह देता हूं कि आदमी को समय के साथ अपने व्यवहार को बदलना चाहिए। मैं इनको कहूंगा कि यदि इन्होंने कुछ सीखना है तो ये बंसी लाल जी से सीखें। किसी को ऊंच नीच कहने से या डर दिखाने से कोई आदमी बडा नहीं हो जाता।"

चौधरी साहब, यह इन्होंने उस समय आपके बारे में कहा था। आगे यह कहते हैं कि–

"23 साल से जिस कांग्रेस के साथ चौधरी बंसी लाल थे, उनको पूरी तरह से परखे बिना केवल कुछ मुददों के बिना पर अलग कर दिया। इनके टेलेंट को परखा नहीं गया।"

आगे फिर इन्होंने कहा–

"भारतीय जनता पार्टी का हमे ाा जोडने का इतिहास रहा है, टूटने का अगर इतिहास रहा है तो वह कांग्रेस का रहा है हमारा इतिहास टूटने का नहीं रहा है।"

अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तटस्थता की बात की थी, इसलिये मैं इनका ध्यान इस ओर आकर्शित कराना चाहता था।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इस सदन में तो बडे बडे ग्रंथ हैं। मैंने जो बात कही थी उस समय के अनुसार सही कही थी। (ाोर) हमने कोि ा ा की थी कि चौधरी बंसी लाल भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों में ढल जाएं परन्तु उनमें परिवर्तन नहीं आया। इनमें तो 1975 की इमरजैंसी वाले संस्कार फिर से जग गए। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: अब आपके कहने की जरूरत नहीं है। श्री राम बिलास जी ने खुद ही मान लिया है कि change is the law of nature.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: "सीता ने रावण की अकल हारी, बी0जे0पी0 की अकल राम बिलास ने मारी" (हंसी)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी ने 11 मार्च की प्रोसीडिंग पर अपने विचार रखे हैं जिसमें उन्होंने कहा है कि जो श्री रणदीप सुरजेवाला कह रहे हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आपका कोई प्वायंट आफ आर्डर है तो बताएं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः सर, यह मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री राम बिलास भार्माः सर, यह क्या प्वायंट आफ आर्डर है ? पिछले सदन की कार्यवाही यहां पढ कर सुनाना तो कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः सर, प्रदे ा की जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है जो इन्होंने बी0जे0पी0 और एच0वी0पी0 के बारे में कही थी कि हम दो जिस्म और एक जान हैं। (ाोर) आज इनके इस बारे में क्या विचार हैं ? (Interruptions)

(इस समय बहुत से सदस्य खडे होकर बोलने लगे।)

Mr. Speaker: I request all the Hon'ble members to please take their seats. No interruption please. Capt. Ajay Singh Ji, please take your seat.

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे अजीज कैप्टन अजय सिंह यादव और श्री रणदीप सुरजेवाला पुरानी प्रोसिडिंग्ज दिखा रहे थे और चौपाईयां पढी जा रही थी। लेकिन जब तक चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी नहीं बोले थे और उनकी तरफ से समर्थन अनाऊंस नहीं किया गया था तब तक इन सबके चेहरों पर मायूसी

थी। यहां तक कि सदन के नेता में भी खडे होने की हिम्मत नहीं थी। अब एकदम तेजी से इनको ऑक्सीजन मिली है और पिछली प्रोसिडिंग्ज भी इनको याद आने लगी हैं। इन प्रोसिडिंग्ज की बातों के ऊपर मैं भी एक बात यहां कहना चाहता हूं कि मेरे अजीज रणदीप सुरजेवाला को अपनी वे प्रोसिडिंग्ज भी पढनी चाहिए जब इनके पिता श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाला, सोनिया गांधी से मिले थे और उनको नरवाना लेकर आए थे कि इस सरकार से तंग आकर लोग आत्म हत्याएं कर रहे हैं। इस बारे में यहां कमेटी भी बिठाई गई थी और इन्क्वायरी भी हुई थी। क्या ये वे प्रोसिडिंग्ज भूल गए और अब यह सरकार दूध की धुली हो गई ? इसी सरकार के मिसडीडज के खिलाफ ही ये सोनिया जी को वहां लेकर गए थे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठिए। श्री राम बिलास जी, कृपया आप कन्कल्यूड कीजिए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, यह जो नई बात हुई है, यह चार दिन की चांदनी है फिर एक अंधेरी रात इनके सामने आकर खडी होगी। जब प्रजातंत्र की हत्या हो, जब जन प्रतिनिधियों को कटघरे में खडा किया जाए, जब आई0ए0एस0 ऑफीसर्ज के खिलाफ मुकदमें दर्ज हों, बी0सी0 के खिलाफ मुकदमें दर्ज हों, कर्मचारियों की तनख्वाहें बंद हों, एम0एल0एज0 के खिलाफ मुकदमे दर्ज हों व मंत्रियों की डिसमिसल हो तो हमें इन परिस्थितियों में ज्यादा देर रहना स्वीकार नहीं था। जब हमारी

कोई बात नहीं मानी गई। (ाोर एवं व्यवधान) जिस दिन हमारे साथियों को, अहिरवाल के लोगौं को डिसमिस किया गया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आप तो भूतपूर्व वरिश्ठ मंत्री रहे हैं। आप तो जानते हैं कि काउंसिल आफ मिनिस्टर्ज की ज्वाइंट रिस्पौंसिबिलिटी होती है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो उसी दिन इस बात का विरोध किया था जिस दिन चौधरी जगननाथ, राव नरबीर सिंह जी व उनसे पहले श्री धर्मबीर यादव को व श्री जसवन्त सिंह बाबल को मंत्रिमण्डल से निकाला गया था। मैंने उसी दिन तावडू में इस बात का विरोध किया था। हम इस पाप में भागीदार नहीं हो सकते थे। चौधरी बंसी लाल जी को फिर से कांग्रेस मुबारिक हो। जनता ने जो कांग्रेस के खिलाफ जनादे ा दिया था, अपनी कुर्सी बचाने के लिए चौधरी बंसी लाल जनता के उस जनादे ा की भावनाओं को बेचना चाहते हैं। यह वि वासघात हरियाणा की जनता बर्दा त नहीं करेगी। इसके साथ ही मैं इस वि वास प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूं। यह सरकार हरियाणा की जनता की भावनाओं को रिप्रैजैंट नहीं करती। यह उस जनादे ा के साथ वि वासघात है। यह जो नया लेन देन हुआ है, एकदम जो निश्ठाएं बदली हैं, एकदम जो वि वास बदले हैं इनको हरियाणा की जनता माफ नहीं करेगी। मैं इस वि वास प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूं।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि हविपा के पांच मंत्री डिसमिस हो गए, दो के इस्तीफे मंजूर हो गए, परंतु भारतीय जनता पार्टी का कोई मंत्री डिसमिस नहीं हुआ। चौधरी बंसी लाल हमारे नेता हैं, पार्टी के नेता हैं, सदन के नेता हैं, ये हमें डिसमिस करेंगे, हमें गोली मरवाएंगे, ये पूछने वाले कोन होते हो ?

श्री संपत सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ ऑर्डर है। सदन के नेता को पूरा अधिकार है कि किसी को कैबिनेट में ले या किसी को न ले अथवा किसी का महकम चैंज करे। यह उन्हें पूरा अधिकार है लेकिन स्पीकर सर, अभी दो चार दिन पहले चौधरी जगन नाथ ने कहा था कि हरिजनों और दलितों का कत्ल हो रहा है उन्हें दबाया जा रहा है। (विघ्न).....

श्री अध्यक्षः जो कुछ संपत सिंह जी कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री जगन नाथः स्पीकर सर, मैंने तो बडे लाइट वे में कहा था इसके बारे में पंडित लख्मी चंद जी की एक लाईन है कि –"देवर भाभी लड़या करें सै या ऊ सी लड़ाई ना सै"।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। राम बिलास भार्मा जी ने जो मेरी बीमारी के बारे में कहा है यह ठीक है कि मैं बीमार हूं और यह भी ठीक है कि 17 तारीख को मुझे हट–टर्बल हुई थी। जब मुझे हर्ट–टर्बल हुई तो मैं अपने घर में कन्फाईनड था। पी0जी0आई0 के तीन डाक्टर्ज 24 घण्टे मेरे पास रहते थे और अब भी आपकी इजाजत से तीनों डॉक्टर्ज आफिसर्ज गैलरी में बैठे हुए हैं। राम बिलास भार्मा अपने नेता अटल जी की तारीफ कर रहे हैं, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थन वापस लेने से पहले दिन साढे आठ बजे मुझ से टेलीफोन पर बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब, आपसे कुछ बात करनी थी। मैंने कहा कि जैसे ही डाक्टर मुझे सफर करने की इजाजत देंगे मैं दिल्ली आऊंगा और आपसे मिलूंगा। उनका 24 तारीख को पानीपत आने का प्रोग्राम था। तब अटल जी ने कहा कि मैं अपना पानीपत का प्रोग्राम कैन्सिल कर दूं तो मैंने कहा कि डाक्टर जैसे ही मुझे सफर करने की इजाजत देंगे, मैं 23 तारीख को पानीपत ठहरूंगा और 24 तारीख को आपका फंक ान अटैंड करूंगा जो कि एक घण्टे के लिए तय हुआ है और जैसे ही डाक्टर मुझे आगे की इजाजत देंगे मैं दिल्ली आ जाऊंगा। तब उन्होंने कहा, ठीक है। उन्होंने सोचा कि अब मौका है, यह तो हर्ट पे ैंट होकर चारपाई में लेट गया। क्योंकि मैं तो चारपाई पर ही लेटा हुआ था और उनसे बात भी चारपाई पर से ही कर रहा था। उस समय मुझे कोई टेलीफोन पास ऑन नहीं हो रहा था। केवल वाजपेयी जी का ही टेलीफोन पास ऑन किया

गया था। उन्होंने अगले दिन 11 बजे मीटिंग तय कर ली और यहां भारतीय जनता पार्टी को आदे ा दे दिए कि सरकार से समर्थन वापस ले लो क्योंकि वे जानते थे कि मैं तो कोई एक्टीविटी कर नहीं सकता और इससे बढिया मौका और कोई नहीं हो सकता। मुझ से पक्की तसल्ली कर ली गई कि मैं बीमार हूं। पहले फोन किया और बाद में पीठ में छुरा घौंप दिया। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर सर, ...

श्री अध्यक्ष: जो कुछ राम बिलास भार्मा जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद, जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं हाउस में रखे गये वि वास मत के पक्ष में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। मेरे से पूर्व दोनों तरफ से पहले चौटाला साहब, फिर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और फिर राम बिलास भार्मा जी बोले और उनको बोलने के लिए आपने काफी समय दिया। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे भी थोडा समय देंगे। स्पीकर सर, मैंने किसी भी सदस्य को बोलते वक्त बीच में डिस्टर्ब नहीं किया, इसलिए मेरी भी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि वे मुझे भी बोलते वक्त बीच में डिस्टर्ब न करें। स्पीकर सर, मैं यह भी ध्यान में रखूंगा कि मैं कोई भी ऐसी बात न कहूं जिससे हाउस की मर्यादा भंग होती हो और जो

भी बात कहूंगा वह सही कहूंगा। स्पीकर सर, हाउस की आज की कार्यवाही पर हरियाणा प्रदे ा की जनता ही नहीं बल्कि पूरे दे ा के लोग यहां के फैसलों और हालातों पर नजर रखे बैठे हैं और उन्हें बेचैनी है कि हाउस में आज क्या होगा ? स्पीकर सर, आज बडी ऊंची आवाज में राम बिलास भार्मा जी ने अपनी बात कही। मैं तो यह कहूंगा कि राम बिलास जी के पास आज बोलने के लिए कुछ नहीं है। चौटाला साहब ने भी आज हाउस में, पिछले सालों में हरियाणा में क्या हुआ, उसका ब्यौरा दोहराया, लेकिन उन्होंने मेहम की चर्चा नहीं की। उनके राज मैं किस तरह से भाई–भतीजावाद होता था, उसके बारे में चर्चा नहीं की। किस तरह से लोगों से झूठे वायदे करते थे उसका जिक्र नहीं किया। मेहम के बारे में भी कमी ान बैठा था उसके बारे में इन्होंने चर्चा नहीं की।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, ऑन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। स्पीकर सर, मेहम के बारे में भाायद मेरे माननीय साथी को पता नहीं कि क्या हुआ था ? मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब मैं मुख्य मंत्री था तब मैंने स्वयं इनकी सारी भ्रांतियां दूर करने के लिए सबसे पहले हाई कोर्ट के सिटिंग जज से इन्क्वायरी कराने का निर्णय लिया था। हाई कोर्ट के

सिटिंग जज माननीय जस्टिस ग्रेवाल ने मेहम कांड के ऊपर रिपोर्ट दी थी, भाायद यह बात मेरे माननीय साथी निर्मल सिंह को भी मालूम होगी और अगर नहीं है तो ये किसी से पूछ लें। माननीय जस्टिस ग्रेवाल की रिपोर्ट हमारे पक्ष में आई थी जिसमें दूसरे भाईयों को दोशी ठहराया गया था। इसलिए इनको ऐसी अनर्गल बात हाउस में नहीं करनी चाहिए।

एक आवाजः स्पीकर सर, इनको कहो कि ये सैकिया कमी ान की रिपोर्ट के बारे में भी बतायें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हाउस में कई सदस्य बैठे बैठे बोलते हैं, उन्हें ज्ञान ही नहीं है कि हाउस में किस तरह बोलना चाहिए। मैं सैकिया कमी ान की रिपोर्ट के बारे में कहना चाहता हूं कि सैकिया कमी ान की रिपोर्ट और ग्रेवाल आयोग की रिपोर्ट दोनों ही सदन के पटल पर रखी जायें और जो लोग दोशी हों, उन्हें सजा दी जाये क्योंकि जिन्होंने जुल्म किये हैं उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए।

श्री निर्मल सिंहः चौटाला साहब, हम आपकी बात मान लेते हैं लेकिन लोगों को कौन समझायेगा ?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हरियाणा के लोगों को क्या आप समझा कर आयेंगे ? वह भी हम ही समझायेंगे।

श्री निर्मल सिंहः आपके बारे में दुनिया जानती है, हमें समझाने की जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, अब आप बैठिये, आपको पर्सनल एक्सप्लेने ान का मौका दे दिया गया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप दूसरों को तो छूट दे देते हो। अगर हम बोलते हैं तो आपत्ति करते हो। दूसरों को बैठने के लिए नहीं कहते, हमें बैठने के लिए कह देते हो। (ाोर एवं व्यवधान) मेरी समझ में नहीं आता कि आपका क्या इलाज होगा ? सत्ता पक्ष के भाई वि वास मत के बारे में बात न करके कटाक्ष की बातें कर रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान) .....

श्री अध्यक्षः श्री ओम प्रका ा चौटाला जी जो कुछ बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, मैं भी यही चाहता हूं कि हर मैम्बर आपके माध्यम से ही बात करे लेकिन इस परम्परा को, इस मर्यादा को हर बार चौटाला साहब ही तोडते हैं। (ाोर)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं, आप बैठिए।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, श्री बलबीर सिंह जी मेहम से चुनाव जीतकर आज इस सदन में विराजमान हैं और प्वायंट आफ आर्डर पर बोलने के एि आपसे समय मांग रहे हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः वे भी तो एक जिम्मेवार विधायक हैं तथा उनकी बात मुझे भी सुन रही है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैं तो इतनी सी प्रार्थना कर रहा हूं कि आप कृपया उनकी बात सुन लें।

श्री अध्यक्षः ठीक है, बलबीर सिंह जी, आप बोलिए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भाई निर्मल सिंह जी को कहना चाहूंगा कि कोई बात कहने से पहले कम से कम अपने गिरेबान में झांक कर देख लेना चाहिये, भी ो में खुद को देख लेना चाहिए। स्पीकर सर, धारा 302 के अंतर्गत इनके ऊपर मुकदमा चला है, जेल काटकर ये आए हैं तथा दूसरों को ये दोशी बता रहे हैं। (ोर)..... को ..... ही दिखाई देता है। कम से कम इनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। (ोर)

श्री अध्यक्षः श्री बलबीर सिंह जी ने जो ..... भाब्द कहा है वह सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता व सभी माननीय सदस्यों से अर्ज करना चाहूंगा कि आज कारगिल ओर द्रास क्षेत्रों में हमारे जवान भाहीद हुए हैं।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप उनकी बात तो सुनिए वह तो अपनी बात की भूमिका बांध रहा है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप इनको सिखाकर लाया करो कि प्वायंट आफ आर्डर क्या होता है ? (ाोर) यह कोई क्लासरूम नहीं है। (ाोर)

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः बलबीर सिंह जी, आपको बोलने के लिए सिर्फ 2 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवादी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए 2 मिनट का समय दिया है। मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता, विपक्ष के नेता, सभी माननीय सदस्यगण एवं मंत्रिगण तथा भाई निर्मल सिंह जी को बताना चाहता हूं कि हरियाणा के लिए आज गौरव की बात है तथा जिस बात को सभी माननीय सदस्य भी खडे होकर कबूल करते हैं, वह यह है कि कारगिल, द्रास एवं बटालिक क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भाहीद हरियाणा के जवान हुए हैं तथा हरेक की छाती में ही गोली लगी है। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो सहायता और सुविधा साथ लगते राज्य अपने प्रदे ा के भाहीदों के परिवारों को दे रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा हमारी सरकार को हमारे भाहीदों के परिवारों को देनी चाहिए। धन्यवाद।

19.00 बजे।

श्री निर्मल सिंहः मेरे भाई ने मेरे बारे में कहा कि मैं 302 का मुजरिम हूं। भाायद इनको यह नहीं पता कि मैं कोर्ट से सर्टिफिकेट लेकर आया हूं कि मैं 302 का मुजरिम नहीं हूं। (विघ्न) आप डांगी से बच कर रहना। (ाोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, कारगिल में जो हमारे जवान लड रहे हैं यहां पर उनके बारे में जिक्र आया। हमें उनका हौंसला बढाना चाहिए, उनकी तारीफ करनी चाहिए। वे जवान अपनी जान की बाजी लगा कर अपनी सीमा की रक्षा करते हुए भाहीद हो रहे हैं। ऐसे वक्त में हमारी सभी पार्टियां, राजनीतिक विचारधारा से अलग हटकर, उनके साथ एक साथ खडी हैं, यह एक बहुत ही अच्छी बात है। लेकिन ऐसे मौके पर जब दे ा में ऐसे हालात हों, बी0जे0पी0 के भाईयों ने हरियाणा में जो घिनौना खेल खेला, वह इस वक्त नहीं खेलना चाहिए था। उनकी वजह से ही आज की सरकार को वि वास का मत हाउस में लेना पड रहा है। 1996 में जब चुनाव हुए थे तो चौधरी बंसी लाल जी और बी0जे0पी0 के भाई जनता से यह वायदा करके आये थे कि हम कम से कम 5 साल के लिए यह सरकार चलाएंगे। आज तक बी0जे0पी0 ने कभी भीकिसी का पूरा साथ नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, इसी हाउस में आपने देखा कि चौधरी बंसी लाल जी ने 3 साल तक इनको ढोया है। इन्होंने पलट कर इनकी पीठ में छुरा घौंपा है। जयललिता ने केन्द्र में इनकी सरकार से समर्थन वापस लिया। उसने चुनाव मिल कर नहीं लडा था। उसने केवल मुददों के आधार पर ही समर्थन देने की बात कही थी। जब उन्होंने देखा कि बी0जे0पी0 के भाई उनकी

पार्टी के सदस्यों को और दूसरे एलाएंस के सदस्यों को तोडने में लगे हैं तो उसने केन्द्र सरकार से अपना समर्थन वापिस ले लिया। वही इतिहास ये यहां पर दोहराना चाहते थे। चौधरी बंसी लाल जी का कोई कसूर हो तो ये बताएं। कभी तो चौटाला साहब और कभी राम बिलास भार्मा जी मुख्य मंत्री बनने की चाल चल रहे थे लेकिन इनका सपना साकार नहीं होगा। दरअसल ये कुर्सी के लिए लड रहे थे। मैं बी0जे0पी0 के भाईयों को याद दिलाना चाहता हूं कि ये वही चौटाला साहब हैं, जब इन्होंने इनके सीनियर लीडर डॉ0 मंगल सैन जी को ..... दिया था और दूसरे मंत्रियों की गाडियां वापिस ले ली थीं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, हमारे स्वर्गीय नेता जो इस सदन के 7 बार माननीय सदस्य रह चुके हैं, उनके बारे में कम से कम इनको अपनी भाशा संभाल कर कोई बात कहनी चाहिए। (विघ्न) यह ठीक है कि चार दिन की जो रो ानी है, उसमें पाप करके ये डूब लें।

श्री अध्यक्षः डॉ0 मंगल सैन जी के बारे में कोई असंसदीय भज्ञब्द कहा गया हो तो वह कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम कोई पाप नहीं कर रहे हैं, पाप तो ये कर रहे हैं। हम इण्डीपैण्डेट जीत कर आए थे और हमने कहा था कि हम इस सरकार को 5 साल बिना भार्त

समर्थन देंगे और दे रहे हैं। हम तो अपनी बात पर स्थिर हैं। पाप तो इन्होंने किया है (ाोर एवं व्यवधान) जो इण्डीपैण्डैंट कैंडीडेट चुनाव लडना है, वह किसी न किसी के खिलाफ जीत कर तो आता ही है। लेकिन तय तो यह हुआ था कि सांझी सरकार को समर्थन देंगे। इण्डीपैण्डैंटस डटे हुए हैं। कभी किसी इण्डीपैण्डैंट ने कोई फायदा उठाने की कोि ाश नहीं की। किसी को ब्लैकमैल करने की कोि ा ा नहीं की। किसी ने हालात का फायदा उठाने की कोि ा ा नहीं की। वे तो अपने पांव पर हैं और हरियाणा के लोगों को एग्जाम्पल दे रहे हैं। जो बडी पार्टियां हैं, उनका हाल देखो कि क्या हो रहा है ? आज आप दे ा में वोटों के लिए गए हो। वोट भी पडने वाले हैं। यह जो आपने किया है इसका मैसेज दुनिया में क्या जाएगा, पूरे दे ा में क्या जाएगा और स्टेट में क्या जाएगा ? आज आपने आपना फायदा देखकर ओम प्रका ा चौटाला साहब से दोस्ती कर ली कि 4 वोट आपको ज्यादा मिल जाएंगे। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः .....

श्री अध्यक्षः जो कुछ राम बिलास जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए। राम बिलास जी से मेरी प्रार्थना है कि वे

एक वरिश्ठ विधायक हैं। कम से कम without permission of the Chair please do not try to intervene.

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में फिर से चुनाव होने जा रहे हैं जैसा चौटाला साहब ने कहा कि सोनिया जी तो विदे ाी हैं। इसके अलावा भी इनके पास कहने को और कुछ है ? सोनिया जी कांस्टीच्यू ान के तहत ही चुनाव क्षेत्र में जाएंगी, लोगों में जाएंगी। वे कांस्टीच्यू ान की मर्यादा का ख्याल रखेंगी। सोनिया जी इस दे ा की बहू हैं। हमने अपने संस्कारों, अपनी संस्कृति से पूरी दुनिया में नाम कमाया है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोलना चाहता हूं। मेरे सम्मानित सदस्य बार बार मेरा ही नाम लेते हैं। सोनिया जी के प्रति मैं नहीं कह रहा हूं, हिन्दुस्तान की लोकसभा के कांग्रेस पार्टी के स्पीकर श्री संगमा जी कह रहे हैं। (विघ्न) आप पहले मेरी बात सुन लें।

श्री अध्यक्षः यह कोई पर्सनल एक्सप्लेने ान नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः .....

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा चौटाला जी जो कुछ भी कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, सोनिया गांधी इस सदन की सदस्य नहीं हैं इसलिए बार बार इस सदन में उनका

नाम लेना कोई अच्छी बात नहीं है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनका नाम कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मेरा आप सभी से पुनः अनुरोध है कि आप कंट्रोवर्सी को अवायड करें।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, इन्हीं मुददों पर ही चुनाव लडे जाने हैं। हिन्दुस्तान का आदमी जिस लडकी के साथ विवाह करके लाता है, उसको अपनी मालकिन बनाता है। हमने अपनी संस्कृति के दम पर राज किया है। बन्दूकों, तोपों और एटम बमों से न राज किया है और न किया जा सकता है। एटम बम तो ओर दे ाों के पास हम से भी ज्यादा होंगे। हमारे दे ा में 15 करोड मुसलमान भी हैं, क्या वे किसी चुनाव में हिस्सेदार नहीं हो सकते हैं। हरियाणा में किसी वि ोश संख्या पंजाबियों की है क्या वे किसी चुनाव में हिस्सेदार नहीं हो सकते। हिन्दुस्तान में किसी वि ोश समुदाय की बातों को लेकर चुनाव नहीं लडा जाएगा। (विघ्न) बीरेन्द्र सिंह ने ठीक फरमाया। कारगिल में लडाई जारी है। यह लडाई क्यों हुई, इसके ठोस कारण क्या थे ? लडाई कितनी जरूरी थी, इसका खुलासा तो जब लडाई भाान्त हो जाएगी, उसके बाद होगा। अभी तो हम इस बात पर एक मत हैं कि कहीं हमारी फौज डिमोरलाइज न हो। सब एकता दिखा रहे हैं। लडाई कितनी जरूरी थी, कितनी नहीं थी, इसका खुलासा तो जंग के बाद आएगा। जार्ज फर्नांडीज का ब्यान था कि 2 दिन में घुसपैठियों को निकाल देंगे। कितनी नादानी कर रहे हैं। पोखरण एटम बम

बनाकर सारी दुनिया में पतासे बांटे। मैं कहता हूं कि कब क्या एक दिन में बना लिया था। इतनी जल्दी उसका बटन दबाने की जरूरत क्या थी, वाह वाही लूटने की जरूरत क्या थी, थोडा इंतजार कर लेते। यहां के विधान को जान लेते कि बम चलाना जरूरी भी है या नहीं है। एक तरफ दु मन को चौकन्ना कर दिया दूसरी तरफ बार्डर पर झांक कर नहीं देखा कि कहां घुसपैठिए घुस रहे हैं ? फौज और बिजीलैंस आफिसर्ज के रिकार्ड की फाइलों के 3–3 महीनों तक जवाब नहीं दिए। आज यह बहुत बडी लडाई लड रहे हैं और ये उस लडाई को कै ा करना चाहते हैं। लेकिन अभी तो यह मुददा लोगों के बीच में आना है अभी तो इकटठा लोगों के बीच में जाना है। चुनाव के अन्दर जब यह मुददा उठेगा तो पता लगेगा कि कौन ठीक है, कौन गलत है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं सभी माननीय सदस्यों से नम्र निवेदन करता हूं कि यह राश्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और दे ा की सुरक्षा तथा इन्टैग्रिटी संकट में है I would request all the Hon'ble members to avoid such references.

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जैसे नेता से इन्होंने दु मनी की है और हरियाणा की जनता से धोखा किया है और इनक धोखे की सजा हरियाणा की जनता इनको देगी। हरियाणा की जनता के साथ इन्होंने जो दु मनी की है उसकी पूरी सजा इनको मिलने वाली है। (विघ्न) आज उधर से

बोलते हुए कहा गया और पुरजोर भाब्दों में कहा गया कि बंसी लाल जैसा दु मन नहीं है, मैं इनसे नम्र भाब्दों में कहूंगा कि यह बडा ऊंचा बोल गए, गलत कह गए। चौधरी बंसी लाल इनके साथ तीन साल तक दोस्ती निभाते रहे और इनको बर्दा त किया। पहले जिन लोगों ने हरियाणा की जनता के साथ उनके हितों के साथ धोखा किया उनका क्या हश्र हुआ वह सबको पता है। अब इस धोखे की बात इसी हाउस में जाएगी क्योकि जनता के साथ जो वायदे किए गए थे उनको पूरा करने के लिए इनको बंसी लाल जी का साथ देना चाहिए था लेकिन ऐसा न करने के कारण इनकी बदनामी होगी और जनता को इनको जवाब देना पडेगा। हरियाणा की जनता इस बात की आ ाा करती है कि चौधरी बंसी लाल की सरकार उनके हितों के लिए काम कर रही हैं इसलिए जनता की मोहर चौधरी बंसी लाल जी की बात पर लगेगी और इन लोगों को जनता से दण्ड मिलेगा। स्पीकर सर, इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और मुझे बोलने के लिए जो समय आपने दिया उसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आज सदन के नेता ने जो वि वास प्रस्ताव सदन के पटल पर रखा है, मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आज से तीन साल पहले हरियाणा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बनाई थी। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में

दोनों पार्टियों ने हरियाणा के लोगों से वायदे किए थे और उन सभी वायदों को पूरा करने के लिए पिछले तीन साल से हम लगे हुए हैं। स्पीकर सर, आप अच्छी तरह से जानते हैं और आज चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने भी एक बहुत अच्छी बात कही थी कि पांच साल के लिए प्रदे ा के लिए सरकार बडी उम्मीदों के साथ बनाई जाती है कि यह सरकार दे ा के लिए और प्रदे ा के विकास के लिए काम करेगी और जो जनता की कठिनाईयां हैं, उनको दूर करेगी। स्पीकर सर, मैं पिछले आठ साल से सदन के अन्दर बैठा हुआ हूं। जहां हमें हरियाणा की जनता की कठिनाईयों के बारे में चिन्ता करनी चाहिए, जहां हम हरियाणा प्रदे ा के लोगों के लिए सुविधाएं जुटाने की बात कर सकते हैं, मुझे बहुत दुख के साथ कहना पडता है कि पिछले आठ सालों में हमारे प्रदे ा के जितने भी मुख्यमंत्री रहे हैं वे सारे सै ान में एक दूसरे पर आरोप लगा कर और जवाब दे कर सारा समय खराब करते हैं। इन सारी बातों से नुकसान तो हरियाणा की जनता का ही होता है। आज हमारे भारतीय जनता पार्टी के साथी हम से अलग हो गए। स्पीकर सर, उनकी कोई भी योजना रही हो, लेकिन जो मुददा है वह यह है कि इस प्रदे ा की जनता को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी में जो उम्मीद थी इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले तीन सालों में उन पर विचार किया गया। जितने काम इन 3 सालों में किए गए या सरकार ने करने की कोि ा ा की है, आज हरियाणा की जनता ने उन कामों की प्र ांसा करनी भाुरू कर दी है।

मिसाल के तौर पर सबसे बडी समस्या इस प्रदे ा में बिजली की थी। आप सब अच्छी तरह जानते हैं कि जब हमारी पार्टी सत्ता में आई थी तो उससे पहले बिजली के कितने खराब हालात थे ? आज चौटाला जी ने बोलते हुए कहा कि हरियाणा की इन्डस्ट्रीज यहां से पलायन करके दूसरी जगहों पर जा रही हैं। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि अगर यहां से कोई उद्योग गया भी है तो क्या उसके लिए कसूरवार यह सरकार है ? जिस हरियाणा का नाम इस दे ा के अन्दर बडी इज्जत से लिया जाता रहा तो क्या बात है कि आज ये हालात हैं। क्या यह सही नहीं है कि इन्होंने ही ये हालात यहां पर पैदा कर दिए जिस वजह से यह सब कुछ हुआ है।

चौटाला जी ने बोलते हुए सडकों के बारे में भी जिक्र किया कि सारे हरियाणा में सडकें टूटी हुई हैं। स्पीकर साहब, आज से 20 साल पहले चौधरी बंसी लाल जी जो सडकें बनवा गए थे उसके बाद जितनी भी सरकारें आईं, किसी ने भी कोई सडक नहीं बनवाई और न ही उनकी ठीक तरीके से देखभाल की। आज उसी का खामियाजा हरियाणा की जनता को भुगतना पड रहा है। स्पीकर सर, पिछली सरकार के वक्त जब हम अपोजी ान में बैठते थे और हम अपोजी ान वाले अपने अपने हल्कों के बारे में बात कहते थे तो जान बूझ कर हमारी बातों को सुना नहीं जाता था। जब हमारी सरकार आई और मेरे पास यह विभाग आया तो मैंने मुख्य मंत्री जी से कहा कि अगर हम उन सडकों को ठीक नहीं

करवाएंगे तो यह हमारी पार्टी के लिए अच्छा नहीं होगा। स्पीकर सर, तमाम एम0डी0आर0 जो एक जिले को दूसरे जिले से जोडती हैं, जो सडक एक गांव को दूसरे गांव से जोडती हैं चाहे वह किसी विपक्ष के हल्के की सडक हो या पक्ष के हल्के की सडक हो। हमें पक्ष विपक्ष का ध्यान न रखकर उनको ठीक करवाना चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि आपकी मर्जी जैसा मर्जी कर लें। स्पीकर सर, कोई भी विपक्ष का एम0एल0ए0 आज यह नहीं कह सकता कि मेरे हल्के में काम नहीं हुआ है।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि इन्होंने सडकें ठीक करवाई हैं लेकिन मैं कई बार इनसे मिला और कहा कि मंत्री जी हमारे जिले के अन्दर सडकों की खस्ता हालत है। तो मंत्री जी ने एक ही जवाब दिया था कि हमारे पास पैसा नहीं है। मैंने इनसे कहा था कि जब आपकी सरकार ने भाराब बंद की थी और जो टैक्स लगाए थे तथा उन टैक्सों से जो पैसा आया था वह कहां गया। मंत्री जी यहां पर बैठें हैं आप इनसे पूछ लें कि मैंने इनसे यही बात कही थी या नहीं कही थी। अध्यक्ष महोदय, झज्जर से रोहतक, झज्जर से साम्पला, खरखोदा होते हुए जो सडक सोनीपत डिस्ट्रिक्ट को मिलती है उसकी बहुत ही खस्ता हालत है।

श्री अध्यक्षः मायना जी आप बैठ जाएं, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। कृपया अपनी सीट पर बैठें।

श्री बलवन्त सिंहः .....

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बलवन्त सिंहः .....

श्री अध्यक्षः मायना जी आप बैठ जाएं। चौधरी साहब कृपा करके आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मायना जी ने जिन सडकों का जिक्र किया है, ये उस बारे में अच्छी तरह से जानते हैं कि 15–20 सालों से उनकी तरफ किसी ने भी नहीं देखा है। अब हो सकता है कि एक दो सडकें ऐसी हों। (ाोर एवं व्यवधान) आप मुझे उन सडकों के बारे में बता दें क्यौंकि एक बात का जवाब मैं कहां से दूंगा ? अध्यक्ष महोदय, हमारा यह कार्यक्रम है कि जितने भी स्टेट हाइवे और एम0डी0आर0 हैं चाहे वह झज्जर जिले के हों या रोहतक जिले के हों, जो हम ठीक कर सकते थे हव हमने ठीक किए हैं लेकिन जो ठीक नहीं हो सके हैं उनके लिए टैंडर्ज हो चुके हैं इसलिए जो भी थोडी बहुत दिक्कतें रही हैं उनको भी हम ठीक करेंगे। हां, यह ठीक है कि जो गांव के लिंक्स रोडज हैं उनको भी ठीक करने का कोई प्रोग्राम हमने नहीं चलाया है क्योंकि अगर हम गांवों की सडकों को ठीक करने का प्रोग्राम चलाएंगे तो उसके लिए हमें दो हजार करोड रूपये की जरूरत होगी। अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदे ा नाजुक आर्थिक दौर

से गुजर रहा है यह आप जानते ही हैं। लेकिन हमारी पूरी नीयत है कि हम हरियाणा की तमाम सडकों को आने वाले वर्श में और उससे आगे आने वाले वर्श में ठीक करेंगे।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि ये जो भी सदन में कह रहे हैं कम से कम उसको तो सच कहें। जिस तरह से ये रोडज की बात कह रहे हैं वह ठीक नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलालः मैं तो स्टेट हाईवे और एम0डी0आर्ज0 की बात कह रहा हूं। अगर इनके हल्के में ये गुजरते हों तो ये बताएं।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, जी0टी0 रोड की रिपेयर तो ये करवाते हैं लेकिन हमारे हल्के में एक सडक दिल्ली को मिलाती है लेकिन उस पर आज तक भी कोई काम नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्षः आप इनको इस बारे में लिखकर दे दें।

श्री सूरजमलः जो काम हो रहे हैं उनके बारे में भी सबको पता है लेकिन यहां पर खडे होकर झूठ बोलतना तो ठीक नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इनको भाायद यह नहीं पता कि मैं तो केवल स्टेट हाई वेज और एमी0डी0आर0 की ही बात कर रहा हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लेकिन ये तो एक सूबे से दूसरे सूबे की बात कर रहे हैं यानी आपसे भी आगे बढ कर बात कर रहे हैं। इनके हल्के की एक सडक हरियाणा को दिल्ली से जोडती है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। पिछले 15–20 सालों में पिछली सरकारों ने किसी भी नहर या नालों की सफाई पर कोई काम नहीं किया इसलिए आप जानते हैं कि हर साल इस प्रदे ा में बाढ का प्रकोप होता रहा है और लाखों करोडों रूपये की किसानों की फसलें बर्बाद होती रहीं हैं। पिछले बीस पच्चीस सालों में पहली दफा इन नहरों और नालों का रख रखाव या सफाई की गयी है। पिछले बीस पच्चीस सालों में जब गांवों के किसान अधिकारियों से या मंत्रियों से अपने अपने कामों के लिए मिला करते थे तो उनकी बात कोई नहीं सुनता था लेकन हमारी सरकार ने प्रदे ा के तमाम नालों और नहरों की सफाई करवायी है चाहे वे विपक्षी विधायक के हल्के में हों या सत्ता पक्ष के विधायक के हल्के में हों हमने सबकी सफाई कराने की एक मुहिम चलायी है। श्री ओम प्रका ा चौटाला जी बोलते हुए आगरा नहर के बारे में कह रहे थे। स्पीकर सर, मैं उस इलाके से संबंध रखता हूं जिस इलाके के लोग भावनात्मक रि ता कायम रखने में वि वास रखते हैं। जब हम पहले भजन लाल जी की सरकार में विपक्ष में बैठते थे तो आप जानते ही हैं कि हमें बार बार यह कहना पडता था कि

फरीदाबाद जिले में और मेवात के इलाके में बहुत पिछडापन है बच्चों की ि ाक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है तथा वहां के किसानों एवं मजदूरों की कोई सुनवाई नहीं होती। आप जानते ही हैं कि पिछली सरकारों ने इन इलाकों की बहुत अनदेखी की है लेकिन अब पहली दफा वहां के लोगों को 20–25 सालों में आगरा नहर में पानी दिखाई दिया है। जो लोग वहां पर उदास हो गये थे या जिन लोगों ने वहां की नहरों को मिटटी से भर दिया था अब उन्हीं ने उन नहरों के पानी से अपने खेतौं में फसलें उगायी हैं। स्पीकर सर, जहां जहां हमारी आगरा नहर के रजवाहे जाते हैं उन गांवों में आज एक अलग किस्म की खु ाहाली देखने को मिलती है। इसी तरीके से जिला फरीदाबाद के अन्दर से गुजरने वाले जितने भी नाले हैं उनके ठीक तरीके से रख रखाव के लिये पिछले तीन साल से एक मुहिम चली हुई है और जब हम अपने हल्के के गांवों में जाते हैं तो लोग इस बात के लिये हमारी सरकार और मुख्य मंत्री जी की प्र ांसा करते हैं कि कम से कम इन नहरों के अन्दर पानी लाने की जो ना उम्मीद हो चुकी थी वहां इस सरकार ने पानी लाकर दिखाया। स्पीकर सर, इसी तरीके से जिला फरीदाबाद में जब हम भाहरों से गुजरते हुये गांवों में जाते हैं तो वहां लोगों को एक वि वास दिलाते हैं और उनसे वायदे करते हैं कि हम तुम्हारे ये काम करेंगे, सडकें बनायेंगे, बैकवर्ड भाइयों की चौपालें बनायेंगे। हरिजन भाइयों की चौपालें बनाएंगे, गांवों के स्कूलों के दर्जे बढायेंगे तो उन लोगों को बडी हैरानी होती है क्योंकि हम से पहले ऐसी चीजें वहां बनाई नहीं

गई। इसलिये स्पीकर सर, तीन साल के अर्से में जिला फरीदाबाद में ही नहीं बल्कि तमाम हरियाणा के अन्दर समान रूप से विकास करने की कोि ा ा की गई है। प्रदे ा के अन्दर रहने वाली 36 बिरादरियों के सम्मान को बहाल करने की कोि ा ा की गई है। स्पीकर सर, विकास के अलावा जो हमारे बेरोजगार नौजवान भाई हैं उनको बसों के रूट देने का प्रयास किया गया और नौजवान भाईयों को कानून और व्यवस्था के तहत मातहत रहने के लये सरकार की तरफ से और प्र ाासन की तरफ से प्रयास किया गया। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह चेयर पर पदासीन हुये) सभापति महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारी सरकार आने से पहले कालेजों और वि वविद्यालय में छात्रों के चुनावों के नाम पर कितनी बडी गुण्डागर्दी हुआ करती थी, कितने बडे अपराध हुआ करते थे। स्कूलों और कालेजों में जाने वाले छात्र किताबों की जगह हथियार ले जाया करते थे। छात्रों के चुनाव एक साल बाद हुआ करते थे लेकिन कई कई साल तक उन छात्रों में दु मनी निभाई जाती थी। हमने तमाम प्रदे ा के जो कुलपति हैं उनके साथ बैठ करके बात की और उनको इस बात के लिये राजी किया कि छात्रों के चुनावों पर रोक लगनी चाहिए और सभापति महोदय तीन साल के बाद हरियाणा के अन्दर कितने अच्छे नतीजे सामने आए हैं। आज स्कूलों में और कालेजों में जाने वाले छात्र इस बात को महसूस करते हैं कि सही मायनों के अन्दर कोई पढाई का माहौल इतने लम्बे अर्से के बाद वि वविद्यालयों और कालेजों में देखने

को मिल रहा है। सभापति महोदय, आपको पता है कि पहले नौकरियां किस तरह से मिला करती थी जब नौकरियां निकलती थी तो हम तो सुना करते थे कि मंत्रियों और विधायकों की जेबों में नियुक्ति पत्र हुआ करते थे जिसको चाहे वे अपनी मर्जी से नौकरी दे देते थे। यह बात सही है कि आज हमारे हरियाणा के क्षेत्रों के लोग हमसे नाराज हैं और इस बात पर गुस्सा जाहिर करते हैं कि अगर पिछली सरकारों में मनचाहे तरीके से नौकरियां दी जाती थीं तो तुम क्यों नहीं दे सकते ? आज पूरे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर चाहे पटवारियों की भर्ती हो, चाहे अध्यापकों की भर्ती हो, चाहे दूसरे पदों की भर्ती हो, हमने बिल्कुल, ईमानदार और बिना किसी भेदभाव के योग्यता के आधार पर ही युवकों को भर्ती करने की कोि ा ा की है। हमारे साथियों ने सडकों के बारे में जो कहा, सभापति महोदय आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमने वर्ल्ड बैंक को एक स्कीम बना कर भेजी थी अगर वर्ल्ड बैंक से पैसा मिल जाता तो निि चत रूप से हमारे प्रदे ा की वे सडकें ठीक हो सकती थीं। (ाोर) सभापति महोदय, जो परमाणु विस्फोट हुए उसकी वजह से वर्ल्ड बैंक ने हमारे प्रदे ा और दे ा के ऊपर प्रतिबन्ध लगा दिये। यह बात प्रदे ा और दे ा की जनता अच्छी तरह से जानती है कि वह मिलता हुआ पैसा हमें मिलने से चूक गया और उसकी वजह से सडकों के मामले में हमें बडी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। जो बातें दूसरे माननीय साथियों ने कहीं। मैं आपको इस बात का वि वास दिला सकता हूं और आप अच्छी तरह से जानते हैं कि आपस में मतभेद

भी होते हैं मनमुटाव भी होते हैं लेकिन हरियाणा प्रदे ा की जनता की भलाई के लिए इस सरकार के प्रयासों में कोई कमी नहीं है और मुझे वि वास है कि आने वाले दिनों में यह सरकार अगर बनी रही तो जो हमारे वायदे अभी अधूरे हैं उनको भी हम पूरा करेंगे और इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री धर्मबीर गाबा (गुडगांव): धन्यवाद चेयरमैन साहब, इस डैमोक्रेटिक सैटअप के अंदर यह हर पार्टी का दायित्व है कि वह नो कॉफीडैंस मो ान दे। हरियाणा के इतिहास में इन तेतीस सालों में यह पहला मौका है कि जब एक पार्टी द्वारा सपोर्ट विदड्रा करने के बाद हालत हुई है और आज हम उस पर बहस कर रहे हैं स्पे ाल सै ान बुलाया गया है। बी0जे0पी0 की वजह से यह सारा कुछ हो रहा है। डिसक ान हो रही है ये बार बार दोस्ती के दावे भी करते हैं और तीन साल के बाद इस दोस्ती को ताक पर रख दिया, सारे वायदे भी भूल गए। मैंने रामबिलास जी को पहले भी कहा था और अब भी कहना चाहता हूं कि वे समझते हैं कि जितना ऊंचा बोला जाए, उतना सच हो जाता है लेकिन ऐसा नहीं है इनका कद ऊंचा है और जोर से बोलते हैं लेकिन इस बात को भूल गए जिसकी गोद में जा रहे हैं उसकी गोद में सन 1987 में भी गए थे लेकिन जब 1991 में आए तो अकेले आए थे अबकी बार जा रहे हैं तो एक भी आ पाएगा या नहीं यह पता नहीं है ? यह हालत अपने लिए ये पैदा कर रहे हैं। सबसे बडी

बात तो यह है कि बंसी लाल जी की लिनियैंसी समझो या कोई और वजह हो सकती है जितनी छूट इनको दी गई और जो सत्याना ा इन्होंने मेरी कांस्टीच्यूएंसी गुडगांव का किया इसके लिए इन्हें वहा की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मैं आपको दावे के साथ कह सकता हूं कि गुडगांव में सौ से ऊपर काम्पलैक्स बने हैं अगर इसकी जांच का काम विजिलैंस को दे दिया जाए तो सारी बात सामने आ सकती हैं। उसका पैसा लेकर कौन खा गया यह तो बी0जे0पी0 के मंत्री बता सकते हैं या ऑफीसर बता सकते हैं। मैंने कई बार कहा कि ये आप गलत कर रहे हैं कल को कोई बात आ सकती है आपके खिलाफ विजिलैंस इंक्वायरी हो सकती है लेकिन उसके बाद भी कोई बात नहीं हुई। ये लोग धर्म का नारा लगाते हैं मुझे यह बात कहते हुए भार्म आती है।

श्रीमती कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आप आर्डर है जिस गुडगांव की ये बात करते हैं वहां की म्यूनिसपैलिटी में कांग्रेस की अध्यक्षा है जिसके माध्यम से सारे पाप हो रहे हैं।

श्री धर्मबीर गाबा: अध्यक्ष महोदय, मैंने कई बार कहा कि हमारे प्रैजिडैंट की वहां नहीं चलने दी जा रही है लेकिन उसके बावजूद भी कोई कहलवाना चाहे तो मैं कह देता हूं कि वहां के ई0ओ0 की चार बार ट्रांसफर कैंसिल की गई। मैं भी लोकल बॉडीज में मिनिस्टर रहा हूं एक बार किसी की ट्रांसफर कैंसिल कर दी तो कर दी लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी एक आदमी की ट्रांसफर चार बार कैंसिल की गई हो। किसी

आदमी की ट्रांसफर यदि चार चार बार कौंसिल करेंगे तो वह आदमी अपने आप मनमानी करेगा। ये लोग बडा धर्म का नारा लगाते हैं कि हम करप ान नहीं करेंगे। बडा नारा लगाते हैं कि हम तो बडे डैमोक्रेट हैं मैं कहता हूं कि कर्ण सिंह दलाल यहां बैठे हैं ई0आई0सी0 के साथ एक मीटिंग करा दी, उसके बाद चीफ इंजीनियर के साथ एक मीटिंग करा दी उसके बाद एस0ई0 के साथ एक मीटिं करा दी और दो बार खुद के साथ मीटिंग कर ली। मैंने दलाल साहब से कहा कि दलाल साहब मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए बस एक सडक बनाने की मांग करता हूं इसको बनवाने की कृपा करें। लेकिन तीन साल का समय बीत गया, दलाल साहब यही कहते रहे कि उस सडक को आज सैंक ान करता हूं कल सैंक ान करता हूं परन्तु आज तक मेरे इलाके की उस सडक को नहीं बनाया गया। मुझे अफसोस हुआ कि जिस आदमी को चौधरी बंसी लाल जी ने पूरी पॉवर दे रखी हो और वह यह कहे कि अगर बी0जे0पी0 वाले कहेंगे, तभी उस सडक को बनायेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि यह सडक इसलिए नहीं बन सकती क्योंकि इस इलाके के लोगों ने बी0जे0पी0 को वोट दिया है। इस इलाके के लोगों के साथ इससे बडी गददारी और क्या हो सकती है जिस इलाके में एक एम0एल0ए0 रहता हो और उस इलाके की सडक न बन सके इससे ज्यादा और क्या हो सकता है। गुडगांव नगर परिशद की अध्यक्ष एक महिला को बनाया गया था परन्तु उस महिला का चुनाव बाद में अवैध घोशित कर दिया गया। यह सब मेरे अमरीका चले जाने जाने के बाद हुआ

और जब मैं अमरीका से आया तो पता चला कि उस महिला को फिर से अध्यक्ष बना दिया है। आज हमारी पार्टी के सामने यह समस्या खडी हो गई है कि एक तरफ खाई है और दूसरी तरफ कुआं है। आज हमारी पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी के खिलाफ इस सदन में काफी कन्ट्रोवर्सी पैदा हुई और उनके बारे में काफी कुछ कहा गया। इस सदन में इतने पढे लिखे महानुभाव बैठें हैं। चौटाला साहब मुझे इस बात का जवाब दे दें कि सिक्किम जिसकी हिन्दुस्तान में अमलगमे ान हुई है उससे पहले सिक्किम हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं था। क्या आज सिक्किम का आदमी चुनाव लडने का हकदार नहीं है। क्या गोवा और पांडिचेरी जो पहले हिन्दुस्तान से अलग थे और अब हिन्दुस्तान में मिल गये हैं क्या उनका आदमी चुनाव लडने का हकदार नहीं है। क्या श्रीमती सोनिया गांधी जी ने यही कसूर किया है कि वे हिन्दुस्तान में पैदा नहीं हुई। मैं तो अपने घर की बात कहता हूं। मेरा एक ही लडका है और वह आजकल फ्रांस में सैटल है। अगर कल उसका लडका जो फ्रांस में पैदा हुआ है हिन्दुस्तान में आकर गुडगांव से चुनाव लडे तो क्या वह चुनाव नहीं लड सकता ? ये लोग क्या उसका एतराज करेंगे कि यह तो फ्रांस में पैदा हुआ है इसलिए चुनाव नहीं लड सकता ? इनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं है। किसी ढंग को अपनाकर तो ये लोग चलें। अपना तो एक ही उसूल है कि लोगौं को ढंग की बात बताई जाये। आज चौटाला साहब और बी0जे0पी0 वाले कहते हैं कि हम हरियाणा को हरियाली देंगे और अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो

हरियाणा को स्वर्ग बना देंगे। 1987 में जब लोकदल और बी0जे0पी0 की मिली जुली सरकार थी उसके बारे में भी आज कई मिसालें दी गईं। श्री राम बिलास भार्मा जी ने 11 मई को अखबार में अपनी एक स्टेटमैंट दी थी मैंने उस अखबार को पढा है। अध्यक्ष महोदय, आज मुझे समझ नहीं आ रहा कि इन्होंने चौटाला साहब से दोस्ती कैसे कर ली ? आज चौटाला साहब और भार्मा जी एक होने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी को अपनी बात पर रहना चाहिए। जो बात इन्होंने हाउस में कही उसका लिहाज तो रखना चाहिए, उसका पालन करना चाहिए। जो बात इन्होंने हाउस में कही उसका लिहाज तो रखना चाहिये, उसका पालन करना चाहिए। आज ये उस बात को भूल गये, इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। आज श्री राम बिलास भार्मा यह कहते हैं कि हमने यह कर दिया, हमने वह कर दिया। कोई भाई मुझे बताये कि इन्होंने मेरे हलके में क्या कार्य किया ? अध्यक्ष महोदय, मैं कर्ण सिंह दलाल जी को भी कहना चाहूंगा कि ये हाउस के अंदर वही बात करें, जो पूरी कर सकें।

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, प्लीज कंकलूड करें।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने आज हाउस में दावा किया है कि इन्होंने एक जिले से दूसरे जिले की सभी सडकें मिला दी हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि गुडगांा में गांव चन्दू से लेकर झज्जर तक की सडकी टूटी पडी हैं। उसमें दो दो फुट के गडढे पडे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब जिस रोड की बात कर रहे हैं यह लिंक रोड है। मैंने एम0डी0आर0 के बारे में कहा है।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने अब तक
न तो हमारी कोई सड़क बनवाई है, न ही बनवायेंगे और हमें उम्मीद भी
नहीं है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

लोक निर्माण (भवन व सड़कें) मंत्री द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। स्पीकर सर, गाबा साहब ने कहा कि हम सडकें नहीं बनायेंगे। मैंने कोई डींग नहीं मारी कि हमने हरियाणा प्रदे ा की सारी सडकें ठीक करवा दी जो सही तथ्य है वही सदन के सामने रखे हैं। हरियाणा प्रदे ा की सारी सडकें ठीक करववाने के लिए दो हजार करोड रूपये का खर्चा आएगा। इतना पैसा हम कहां से लायेंगे ?

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने गुड़गांवा कांस्टीच्यूंसी के अंदर कोई भी सडक नहीं बनवाई। अगर कोई

बनवाई है तो ये हमें बतायें ? दलाल साहब, आपने गुड़गांवा के अंदर मेन बाजार से रेलवे स्टे ान को जो रोड जाता है, वह भी नहीं बनवाया। अध्यक्ष महोदय, गुड़गांवा डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर है, मैं एक लास्ट बात कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा प्रदे ा के अंदर लॉ एंड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। हरियाणा प्रदे ा के अंदर लैंड माफिया तैयार हो रहे हैं। अभी 8–10 दिन पहले की बात है। गुड़गांवा के अंदर स्वर्ण पब्लिक हैल्थ के सामने एक धर्म ाला है उस पर कब्जा करने के लिए 20 आदमी पहुंच गये और कहने लगे कि हम इस पर कब्जा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर पंचायत के साढे पांच हजार मैंबर हैं, वे सभी आ गये और कहने लगे कि आप किस किस को गोली मारैंगे। क्योंकि वह कॉमर्ियल जगह है। हमने वहां पर इस बारे में डी0सी0 और एस0पी0 से रिक्वैस्ट की कि हमारे साथ यह हो रहा है। मैंने उनको एक बात यह भी कह दी कि इस पंचायत के साढे पांच हजार मैंबर हैं और एक एक मैंबर के गोली लगने के बाद ही इस धर्म ाला पर कब्जा मिलेगा तथा उन साढे पांच हजार में मैं भी भाामिल हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास उसका बिजली और पानी का बिल है, रजिस्ट्री है लेकिन फिर भी कहते हैं कि हमने कब्जा करना है। ऐसे लैंड माफियों को दूर करना चाहिए, इससे सरकार की अच्छाई नहीं होगी बल्कि बदनामी होगी। मैं तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की आवाज में अपनी आवाज मिलाकर यह कहना चाहता हूं कि अगर हमारे अंदर थोडी सी भी सैंस है, तो हम किसी भी

कीमत पर ऐसे लोगों को बर्दा त नहीं करेंगे जो जात पात व धर्म का नारा लगाते हों। धन्यवाद। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो सदन का वि वास मत हासिल करने के लिए सदन के अंदर प्रस्ताव पे ा किया है, उसके समर्थन में मैं बोलने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, आज सारे दे ा की निगाहें कारगिल पर लगी हुई हैं भारत माता के सपूत, अपने प्राणों की बाजी लगाकर दे ा की सीमाओं की रक्षा करने में लगे हुए हैं। आज तमाम समाचार पत्र, तमाम इलैक्ट्रोनिक मीडिया भी पूरी तरह से कारगिल पर फोकस किए हुए हैं। अगर 30 मिनट समाचार आते हैं तो उसमें से लगभग 20 मिनट केवल कारगिल की चर्चा की जाती है। ऐसे समय में हम हरियाणा के लोग, हम हरियाणा के चुने हुए प्रतिनिध, हम दे ा के उस प्रांत के प्रतिनिध, जिस प्रांत कि लोगों ने दे ा की एल0ओ0सी0 की रक्षा करने के लिए सबसे अधिक बलिदान, सबस आगे बढ चढ कर दिया, तमाम पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठ कर उन सेनानियों के पीछे एकजुट होकर खडे होने की बजाए, आज हम इस सदन में इकटठे होकर इस सदन की कुर्सी के लिए संघर्श कर रहे हैं। एक तरफ तो भाहीदों की संख्या गिनी जा रही है और दूसरी तरफ दिन रात एम0एल0एज0 की संख्या गिनी जा रही है। केवल ऐसे प्रांत से आज की तारीख तक, जैसे कि सरकारी रिकार्ड में बताया गया है, 40 सेनानी भाहीद हो चुके हैं। आखिर सोचना कि ऐसी क्या

मजबूरी होगी कि आज बजाय इसके कि हम कोई वि ोश सत्र बुलाते हैं और उसमें बैठकर यह विचार करते कि सीमाओं पर जो भाहीद हो रहे हैं, हमें उनके लिये क्या करना चाहिए, उनको क्या सहायता देनी चाहिए, लेकिन उस गंभीर समस्या पर विचार करने की बजाय, आज हम वि वास मत पर विचार करने के लिए यहां पर एकत्रित हुए हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी। अध्यक्ष महोदय, पीछे चुनावों में हविपा और भाजपा को जो मैंडेट मिला था, वह मैंडेट हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को अलग अलग नहीं मिला था, वह मेंडेट ज्वाएंट था। वह मेंडेट हविपा भाजपा गठबंधन को मिला था। हम तो आजाद उम्मीदवार के नाते जीतकर आए हैं। हम तो सदन में तमाम पार्टियों के खिलाफ जीत कर आए हैं। यह जो सरकार थी यह पिछले 3 साल से हमारे प्रदे ा में विकास के कार्य कर रही थी। जो मौजूदा सरकार थी उसका चुनाव एच0वी0पी0 ने और बी0जे0पी0 ने मिलकर लडा था। बी0जे0पी0 के जो उम्मीदवार थे उनके लिए विकास पार्टी के नेताओं ने वोट मांगे और जो विकास पार्टी के उम्मीदवार थे, उनके लिए बी0जे0पी0 के प्रदे ा स्तर पर और राश्ट्रीय स्तर तक के नेताओं ने वोट मांगे थे। वह मिला जुला मैंडेट था। वह सैपरेट मैंडेट नहीं था। उस वक्त इस ऐलाएंस ने प्रदे ा में पूरे 5 साल तक प्रदे ा की बागडोर संभालने की बात कही थी। जनता ने जिस बात को माना था कि जिस ऐलाएंस को बहुमत दिया था उसको पांच साल तक सरकार चलाने का मैंडेट दिया था। इस तरह से बी0जे0पी0 के साथियों द्वारा बीच में समर्थन वापस लेना

हरियाणा की जनता के साथ वि वासघात है। आज दे ा में लोगों की सबसे बडी चिन्ता उठा पटक से सरकारें जो चल रही हैं उसके बारे में है। दे ा की जनता रोज की उठापटक से तंग आ चुकी है। वह इसको अच्छा नहीं मानती। जो अब हुआ है उसको भी प्रदे ा की जनता उचित नहीं मानती। आज लोगों की सबसे बडी चिन्ता स्थाई सरकार के प्रति भी है। लोग चाहते हैं कि जो भी सरकार बने वह पूरे 5 साल तक चले। यहां पर तमाम पार्टियों के नेता बैठे हैं। आज के माहौल में कोई भी पार्टी अकेले सरकार चलाने या बनाने में सक्षम नहीं है। आज ऐलाएंस का युग है। आज मिली जुली सरकार का वक्त है। आज लोगों को वि वास हो चला है कि ऐलाएंस की सरकार का युग है। लोग चाहते हैं कि जो भी सरकार हो वह पांच साल तक चले इसी बात को देखते हुए आने वाले लोक सभा के चुनावों के लिए एक नया गठजोड ''नै ानल डैमोक्रेटिक फ्रंट'' नाम से नया दल बनाया जा रहा है। इस फ्रंट को छोटी मोटी पार्टियों को जोड कर बनाया जा रहा है और लोग सोच रहे हैं कि इस फ्रंट को मौका दिया जाये ताकि सरकार पूरे पांच साल चले लेकिन अब जैसे हालात हो रहे हैं उनको देखते हुए इस पर भी एक प्र न चिन्ह लग कर रह गया है। अब लोग सोचने पर मजबूर हो रहे हैं कि क्या यह ऐलाएंस आने वाले चुनाव में हिन्दुस्तान में कामयाब हो सकता है ? लोगों के वि वास को इस निर्णय से एक धक्का लगा, धोखा हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं खुद भी भारतीय जनता पार्टी में रहा हूं। चाहे मैं आजाद चुनाव लडूं लेकिन मैं इस बात को मानता हूं कि मेरा

राजनीतिक घराना भाजपा है इसलिए मैं मानता हूं कि मुझे भी भारतीय जनता पार्टी के इस निर्णय से अत्याधिक कश्ट और दुख हुआ है। क्योंकि ये तमाम बातें इसके साथ साथ जुडी हुई हैं और जिस प्रकार का खेल खेला गया है। ये रि तों की पवित्रता की बात को जता रहे हैं। कहा जाता है कि भारीरों का मेल नहीं बल्कि आत्माओं का मेल है। एक तरफ तो भारतीय जनता पार्टी और विकास पार्टी के रि तों की पवित्रता की बात कही जाती रही और अन्दर अन्दर ही ओम प्रका ा चौटाला की पार्टी के साथ सांठगांठ की जाती रही। एक पत्नी के होते हुए जो दूसरी स्त्री से सम्बन्ध रखता है, उसे अपराध माना जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ .... का मुकदमा चलाया जाना चहिए कि इन्होंने पवित्र गठबन्ध को तोडकर अपवित्र गठबन्धन कायम करेन की कोि ा ा की है और वह भी उस पार्टी के आदमी से जिसे भाब्दों का बाजीगर कहा जाता रहा है। (ाोर) 10 मार्च 1997 को दो लाइनें पढकर सुनाता हूं जिसमें रामबिलास भार्मा जी कह रहे हैं कि अध्यक्ष महोदय आप जानते हैं कि ओम प्रका ा चौटाला भाब्दों के कलाकार और बाजीगर हैं और मामले को टविस्ट कर देते हैं। मुझे दुःख है कि सब कुछ जानते हुए भी रामबिलास जी किस बाजीगर के भाब्दजाल में फंस गए ?

श्री राम बिलास भार्मा: सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। .....

Mr. Speaker: No Point of order. Nothing to be recorded.

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने जो नारे हरियाणा की जनता को दिये थे, मैं समझता हूं कि वे नारे गठबन्धन ने दिए थे। जो गठबन्धन के नेता के माध्यम से कहा गया कि 30 जून तक हम अपने प्रान्त को 24 घण्टे बिजली प्रदेान करेंगे। (ाोर)

20.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, सारा हरियाणा बडी बेताबी से 30 जून का इन्तजार कर रहा है। 24 घण्टे बिजली मुहैया करवाने के लए अनेकों उपाय भी किए गए हैं और अनेकों नये संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि प्रदे ा को 24 घण्टे बिजली दिलाई जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली की बात सदन की कार्यवाही में लाना चाहता हूं। हरियाणा में बिजली की व्यवस्था को सुधारने क लिए कदम उठाने जरूरी हैं। इस बात से हम सभी सहमत होंगे कि किसी भी दे ा और प्रदे ा की प्रगति सबसे अधिक बिजली पर ही निर्भर करती है। क्योंकि अगर बिजली होगी तो खेतों में अधिक पानी जाएगा, यदि खेतों में पानी जाएगा तो अनाज ज्यादा पैदा होगा, खेतों में अधिक अनाज होगा तो किसानों की जेब में अधिक पैसा जाएगा, किसानों की जेब में अधिक पैसा जाएगा तो अधिक खरीददारी करेगा, अगर वह अधिक खरीददारी करेगा तो दुकानदार की सेल अधिक होगी, अगर दुकानदार की सेल अधिक होगी तो

बाजार से मांग अधिक होगी, अगर बाजार में मांग अधिक होगी तो कारखानों का उत्पादन बढेगा, अगर कारखानों में उत्पादन बढेगा तो मजदूरों को अधिक उजरत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब है कि किसी भी दे ा या प्रदे ा की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण बिजली होती है। इसलिए प्रदे ा के नेता चौधरी बंसी लाल ने बिजली का उत्पादन बढाने के लिए सराहनीय पग उठाए। हरियाणा सरकार द्वारा इस दि ाा में जो कदम उठाए जा रहे हैं उसके बारे में दे ा के प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हरियाणा सरकार को एक प्र ांसा पत्र भी लिखा था। वह प्र ांसा पत्र पिछले सै ान में राम बिलास भार्मा जी ने पढ कर सुनाया था। उसमें इस सरकार द्वारा बिजली का उत्पादन बढाने के लिए इस सरकार की प्र ांसा की गई थी। इस पत्र को मैं यहां पर पढ कर सुना देता हूः–

"The Prime Miniter had expressed satisfaction in regard to the performance of the Thermal Plants in particular and the overall performance of the sector in general. He had desired that we should convey his appreciation to the workers and the officers in the power plants which have performed well during the first six months of the year."

अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी ने बिजली के सैक्टर में इस सरकार द्वारा जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनकी प्र ांसा की है और मुख्य मंत्री जी ने उसके लिए 30 जून की तारीख निर्धारित की थी कि 30 जून के बाद हम 24 घंटे बिजली देंगे। अटल

बिहारी वाजपेयी जी के अनुयायियों ने 30 जून तक का समय भी इस सरकार को नहीं दिया। (घण्टी) कि प्रदे ा की जनता जो बिजली का इन्तजार कर रही थी वह काम पूरा किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, इस का क्या कारण है, इन्होंने किस लिए समर्थन वापिस लिया यह तो आने वाला समय ही बताएगा ? सारे प्रदे ा की जनता अच्छी प्रकार से जानती है और मुझे पूरी उम्मीद और वि वास है कि समय आने पर जनता इसका माकूल जवाब भी देगी। अध्यक्ष महोदय, इससे ज्यादा न कहते हुए सदन के नेता ने जो प्रस्ताव पे ा किया है उसका मैं समर्थन करता हूं ताकि यह सरकार प्रदे ा के विकास के लिए काम करती रहे, प्रदे ा की प्रगति के लिए काम करती रहे। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद): स्पीकर सर, अभी सदन के नेता ने जो वोट ऑफ कॉन्फिडेंस का प्रस्ताव रखा है, जिन हालात में यह प्रस्ताव आया है उसके बारे में अभी चर्चा हुई है। मैं समझा इस प्रस्ताव के मूवर इसे मूव करके चले गए उसके बाद वोट ऑफ कान्फिडेंस की भाुरूआती बहस आदरणीय महाजन साहब ने की। इस सरकार द्वारा जो उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं उनके बारे में भी कुछ विचार हो जाता तो ठीक रहता। बजाए इसके इधर उधर भटक गए, कहीं कारगिल के ई ु को छेडा जा रहा है, कहीं समय उचित नहीं है उसको छेडा जा रहा है और कहीं कुछ छेडा जा रहा है। इस तरह की भावनाओं को लकर यह सरकार चलने

की कोि ा ा कर रही है। इनको कौन पूछने वाला है। स्पीकर सर, पहले इनको किसी ने रोका था। 3 सालों में पहले कहीं पर कोई कारगिल का मुददा नहीं था, कोई ऐसी सैंसिटिव बात नहीं हो रही थी। इन 3 सालों में इनको काम करने का पूरा मौका मिला। इन्होंने इन तीन सालों में क्या किया ? मैं इनको यह कहना चाहता हूं कि केवल मात्र मजाक करने से बात नहीं बनती कि मेरे मायके वाले। महाजन साहब का मतलब यह है कि इनका मायका आर0एस0एस0 है। महाजन साहब, 1982 में आजाद कैंडिडेट के रूप में जीत कर आए थे और चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने थे तो ये उनके साथ हो गए। पहले ये हमारे साथ थे और बाद में उनको सपोर्ट दे दिया। स्पीकर साहब, तब भी इन्होंने कहा था कि आर0एस0एस0 मेरी मां है और चौधरी भजन लाल मेरा बाप है। आज आर0एस0एस0 भी इनका मायका है और भजन लाल वाला भी इनका मायका है। स्पीकर सर, तो इनकी ससुराल कौन सी हुई। इसका मतलब यह हुआ कि चौधरी बंसी लाल वाली इनकी ससुराल है। क्या अब ये अपनी ससुराल में आए हैं। स्पीकर सर, इस तरह से बातें कहने से बात नहीं बनेगी। ये अपने अन्दर झांक कर देखें कि ये वोट कहां से लेकर आते हैं और जाते कहां हैं ? ऐसे आदमी से इन्होंने मो ान मूव करवाया है और वह केवल माात्र दो बातें कह कर के बैठ गया। इन्होंने 30 जून को 24 घंटे बिजली देने का वायदा किया था इसलिए इनको यह बातें जची नहीं और कारगिल का मुददा छेड कर बैठ गए। ये सिर्फ चार मिनट में अपीन बात खत्म करके गए थे। स्पीकर सर,

मैं यह कहना चाहता हूं कि इन तीन सालों के अन्दर यह सरकार हर फ्रंट पर फेल हुई है। सर, कुछ लोगों की जो टिप्पणियां हैं वह भी मैं आपको बताऊंगा। सबसे पहले पोलिटिकल लैवल पर यह जो अनस्टेबलिटी की बात करते हैं कि स्टेबल गवर्नमैंट होनी चाहिए। इस अनस्टेबलिटी के क्रियेटर कौन हैं। बार बार मंत्री मण्डल के सदस्यों को निकालना उन पर भ्रश्टाचार के चार्ज लगाना और उनके परिवार के लोगों पर भ्रश्टाचार के चार्ज लगाना फिर उन्हीं लोगों को वापिस मंत्री मण्डल में ले लेना। स्पीकर सर, आप बताएं क्या इससे पहले कभी ऐसा हुआ है ? अगर अनस्टेबलिटी किसी ने की है तो खुद मुख्य मंत्री ने की है। वरना यह सरकार तो स्टेबल चल रही थी, कौन इनको रोक रहा था ? हमारी तो संख्या सरकार को रोकने की नहीं थी। आज बार बार कह रहे हैं कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने मुख्य मंत्री बनने के लिए यह सारा खेल रचा दिया। हम तो बार बार कहते आ रहे हैं कि आज हम इस पोजी ान में नहीं हैं। स्पीकर सर, हमारी सरकार बनेगी। लेकिन पब्लिक का मैनडेट लेकर बनेगी। हम तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह के भाुक्रगुजार हैं, अगर ये अपनी बात पर आ जाएं। इन्होंने जो अपनी बात कही है कि हरियाणा की जनता पार्लियामैंट के साथ ही चुनाव चाहती है। ये चाहे 2, 4 और 6 दिन के लिए अपना समर्थन दे दें, लेकिन चुनाव पार्लियामैंट चुनावों के साथ ही हों। अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट के चुनावों के साथ चुनाव हो सकता है और आज से ही उसकी भाुरूआत हो सकती है। अगर आप असैम्बली के डिजोल्यू ान का रिजौल्यू ान

लेकर आओ तो हम आपको सपोर्ट करेंगे। सबको पता लग जाएगा कि लोग क्या चाहते हैं और किसको लाना चाहते हैं। एक बहाना लेकर आपने अपना समर्थन इनको दिया है। एक अनहोनी एलायंए करने की आपने कोि ा ा की है। मैं उन बातों पर नहीं जाऊंगा कि चौधरी बंसी लाल जी ने कांग्रेस के अध्यक्ष के बारे में क्या कहा या उन्होंने इनके बारे में क्या कहा। वे बातें फिर तलखी बातें हो जाएंगी। इसलिए मैं ये बातें नहीं कहना चाहूंगा। मैं तो सिर्फ यह कहूंगा कि इनको अपने भाब्दों पर टिके रहना चाहिये। लोग पार्लियामैंट के साथ चुनाव चाहते हैं और आप उनकी इच्छाओं को ऑनर करें तथा कांफीडैंस मो ान की बजाए डिजौल्यू ान का मो ान लाएं तो स्पीकर सर सारा झंझट ही मिट जायेगा। लोगो की वि ाज भी पूरी हो जाएंगी। स्पीकर सर, मैं गवर्नमैंट के फैल्योर की बात करता हूं, आपने भी इनका मैनीफैस्टो देखा होगा, यह एच0वी0पी0 का मैनीफैस्टो है। इसके ऊपर आज के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी का फोटो है और दूसरी तरफ दो बच्चों की फोटो है। स्पीकर सर, यह कवरिंग पेज सरकार को इतना अट्रैक्टिव लगा कि ये सही देखते रहे। कभी मुख्य मंत्री की तरफ देखते रहे और कभी दूसरी तरफ देखते रहे। अगर इन्होंने इसके अंदर झांक कर देखा होता कि इसके अन्दर 12 पेज हैं, उन 12 पेजों की तरफ इनका ध्यान ही नहीं गया। सबसे पहले मैं बिजली का जिक्र करना चाहूंगा। इन्होंने इस बारे में मैनीफेस्टों में लिखा है और ये भूल गए होंगे। इन्होंने लिखा है,''हरियाणा विकास पार्टी

सत्ता में आने के बाद दो मास में 24 घटे हरियाणा में बिजली उपलब्ध करवाएगी''।

स्पीकर सर, इन्होंने 24 घंटे बिजली दो महीने के अन्दर उपलब्ध करवाने की बात कही थी। स्पीकर सर, इस बारे में आकपो भी मालूम होगा क्योंकि आपसे भी इस बारे में कन्सल्ट किया होगा। अध्यक्ष महोदय, आज 3 साल से ऊपर हो गए हैं लेकिन इनके दो महीने अब तक पूरे नहीं हो रहे हैं। सवाल दो महीने का नहीं है, सवाल यह है कि इस मैनीफैस्ओ को इस सरकार ने उठा कर ही नहीं देखा है। आज कौन सा ऐसा फील्ड है जिसमें सरकार बची रही है। किसानों की हालत भी आपने देख ली है। 15 लाख एकड जमीन में किसानों की खडी फसल बर्बाद हो गई है। बार बार मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मुआवजा देंगे, मुआवजे देंगे लेकिन हरियाणा प्रदे ा के लोग तरसते ही रहे गये और उनको एक भी नया पैसा मुआवजे के रूप में नहीं दिया गया। स्पीकर सर, यह तो आपकी सरकार है इसलिए आपको भी इस बारे में पता होगा ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सम्पत सिंह जी जो मुआवजा देने वाली बात कह रहे हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि यह ठीक है कि काफी एकड जमीन में पानी भरा था, जिसकी वजह से फसलों का भी नुक्सान हुआ था लेकिन सरकार ने बडी तत्परता के साथ किसानों के खेतों का पानी निकाला है। जहां तक किसानों को

मुआवजा देने की बात है सरकार ने तो उनको पूरी कोि ा ा मुआवजा देने की की है। सैंट्रल गवर्नमैंट की एक टीम मि0 नेगी, आई0ए0एस0 के नेतृत्व में आयी थी जिसने पूरे हरियाणा का सर्वे किया था। सर, आपको पता ही है कि पहले की सरकारों ने भी जो मुआवजा दिया है उसका पैसा सैंट्रल गवर्नमैंट ने ही दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधान मंत्री होते हुए और उस समय की हमारी सहयोगी भाजपा के होते हुए भी जान बूझकर इन्होंने हरियाणा के किसानों को मुआवजा नहीं होने दिया ताकि यहां के किसान खु ाहाल न हों। जिस पार्टी से इन्होंने गठजोड किया है उस पार्टी के बदौलत ही हरियाणा के किसान को बाढ से हुए नुक्सान का मुआवजा नहीं मिल सका।

श्री सम्पत सिंहः अब तो सारी बुराई इनकी ही है। अगर कोई काम नहीं कर पाए तो वह इनकी वजह से और अगर कर पाए तो वह अपनी वजह से। क्या बात है ? अध्यक्ष महोदय, एक नया पैसा भी इन्होंने लोगों को नहीं दिया। इसी तरह से जीरी की जो फसल हुई वह मंडियों में ही सडती रही क्योंकि उनकी खरीद करने वाला कोई नहीं था। उस वक्त किसान रोता रहा और अंत में वह औने पौने दामों पर अपनी जीरी को लुटाकर चला गया तो यह हालत आज उन लोगों की है। यही हालत लेबर की भी है। दलाल साहब ने कहा कि रोडज की मरम्मत के लिए हमारे पास पैसा नहीं आया है न तो वर्ल्ड बैंक से और न ही गवर्नमैंट आफ इंडिया से। लेकिन तीन सालों तक आपने एक भी सडक पर काम

क्यों नहीं किया। यह ठीक है कि इस बार आपने पांच दस सडकों पर काम भाुरू कर दिया लेकिन इससे बात नहीं बनती क्योंकि यह तो एक कंटीनुअस प्रौसेस है सडकें बनती हैं लेकिन उसके बाद वे रिपेयर मांगती हैं। ये हमें बता दें कि इन दो तीन महीनों को छोड कर अगर इन्होंने सडकों पर कोई पैसा खर्च किया हो। अगर अब आप इनको ठीक भी करेंगे तो यह आपके काबू में नहीं आएंगी बल्कि उससे फालतु ही टूटेंगी। आज 90 परसैंट सडकों पर व्हीकल्ज नहीं चल सकते हैं क्योंकि ये बहुत ही बुरी तरह से टूटी हुई हैं। अगर इस दे ा के अंदर अमरीकन या यूरोपियन कंट्रीज की तरह कानून होते तो सरकार के खिलाफ क्रिमिनल केस किया जा सकता था क्योंकि खराब रोडज की वजह से कितने ही लोगों की म ाीनरी खराब हुई हैं या कितने ही बीमार लोग इनकी वजह से समय पर अपना इलाज नहीं करवा सके लेकिन यहां पर ऐसा कोई कानून नहीं है इसलिए ये लोग मजे ले रहे हैं और गुमराह कर रहे हैं।

लोक निर्माण (भवन एवं सडकें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, अभी जब थोडी देर पहले मैं अपनी बात कह रहा था तो भाायद आदरणीय सम्पत सिंह जी ने सुना भी होगा। मैंने तो कोई गुमराह करने वाली बात नहीं कही थी। मैंने खुद माना है कि गांवों की रोडज को हम ठीक नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन सम्पत सिंह ने इस बात को जरूर देखा होगा कि हमने स्टेट हाई वे और एम0डी0आर्ज0

को ठीक करने की जरूर कोि ा ा की है। जब इनका अपना राज था तब भी सडकें ठीक नहीं हो पायी थीं। इन्होंने कहा है कि सडकों की मरम्मत पर कोई पैसा खर्च नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, जब से यह विभाग मेरे पास आया है तब से अब तक कम से कम सवा सौ करोड रूपये हम खर्च कर चुके हैं। और हरियाणा प्रदे ा के तमाम जिलों में काम चलता नजर आ रहा है। सडकों की हालत खराब है इसलिए इनको पूरी तरह से ठीक करने में समय जरूर लगेगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, आज डिवैल्पमैंट की वर्क्स न होने की वजह से इम्पलौयमैंट भी घट रही है जिसके आंकडे मैं बाद में बताऊंगा, प्राईवेट सैक्टर्ज के भी और पब्लिक सैक्टर्ज के भी। इसी तरह से इन्होंने

mअ क

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है चौधरी संपत सिंह जगलरी ज्यादा करते हैं। असलियत कम कहते हैं क्योंकि असलियत का इनको पता नहीं है मेरे हाथ में यह लैटर जून 18, 1999 का है यह लैटर जो हिन्दुस्तान के वर्ल्ड बैंक के प्रौजैक्ट का इन्चार्ज है उसने चीफ सैक्रेटरी श्री आर0एस0 वर्मा को लिखा है– I am reading some portion of the letter written by Mr. Edwin R. Lin, Country Director, India to Mr. R.S. Verma, Chief Secretary, Government of Haryana, Haryana Civil Secretariat, Sector 17-B, Chandigarh. In this letter it is written-

"Dear Mr. Verma,

Haryana Power Sector Reform and Development Programme..

It gives me great pleasure to inform you that the Haryana Power restructuring project has been chosen as one of the ten best projects of the hundred projects evaluated for excellent quality at the entry stage by the Bank's Quality Assurance Group (QAG). This demonstrates the high level of commitment of the Govt. of Haryana. I would like to congratulate Messrs Quaraishi, Issar and their staff for their

remarkable contribution in leading the preparation and implementation of the reform."

वर्ल्ड में जो 10 प्रौजैक्ट अच्छे समझे गए हैं, उन दस में से एक हरियाणा का बिजली बोर्ड है। इनको क्या पता। हालांकि ये महकमा इनके पास थोडे दिन रह लिया। लेकिन इनको पता नहीं है। चूहे हो हरड़ मिल गई तो वह अपने आप को पंसारी समझ बैठा।

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इनको तो जो पब्लिक रिले ान वाले या दूसरे डिपार्टमैंट वाले कागज पकडा देते हैं उसे ये पढ देते हैं इनको क्या ज्ञान है ? वाटर सिसोर्सिज के बारे में डेविन का जो लैटर पडा हुआ है उसको ये पढें लेकिन इनको तो जो सूट करता है वही लैटर है। जो सूट नहीं करता वह बेकार चला जाता है। आज जनरे ान की बात है। (घंटी) इन्होंने कौन सा नया प्लान्ट लगाया है इन तीन सालों में कौन सी औन जनरे ान की है एन0टी0पी0सी0 जो गैस प्लान्ट लगा रही है, उससे हम परचेज करेंगे और जो जनरे ान 1.25 पैसे में पडती है वह हम 3 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से उससे परचेज करेंगे। तीन गुना रेट पर आप मार्किट से परचेज कर रहे हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस भाई को कुछ पता नहीं है।

श्री संपत सिंहः जैसे पानीपत थर्मल पावर प्लाट की बात है तो तीस जून तक थर्मल पॉवर प्लांट की छठी यूनिट आ जाएगी और जो 143 मैगावाट की एन0टी0पी0सी0 की यूनिट है उससे हमारी जनरे ान बढ जाएगी, लेकिन तीस जून तक नहीं बढने वाली। जहां तक डिस्ट्रीब्यू ान का सवाल है तो उसमें कोई पोल लाइन बन रही है तो उसका उदघाटन हो रहा है, कोई ट्रांसफार्मर लग रहा है तो उसका उदघाटन हो रहा है बिजली मंत्री जी नोट कर लें। 1995–96 में जो नये सब स्टे ान बने थे उनमें 63 नये थे इनकी सरकार आने के पहले साल 53 सब स्टे ानों की ऑगमैन्टे ान हुई थी। इस साल जब वर्श 1998–99 कंप्लीट हो गया है। इसमें नये सब स्टे ान 11 बने हैं और 36 की औगमैंटे ान हुई हैं टोटल 47 बनता है और उस साल थे 63। ये जितना चाहें क्लेम करते जायें परन्तु सब स्टे ान की संख्या पर साल कम होती जा रही है। औगमैंटे ान और नये सब स्टे ांज कम लगाये जा रहे हैं (विघ्न)

बिजली राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी की जानकारी के लिए इन्हें बताना चाहता हूं कि 39 सब स्टे ान नये लगा दिये गये हैं जिनमें 220 के0वी0ए0, 132 के0वी0ए0, 66 के0वी0ए0 और 33 के0वी0ए0 के हैं और 182 सब स्टे ान के करीब 30 जून तक औगमैंट हो जायेंगे। टोटल 415 सब स्टे ान हमारे हरियाणा में हैं। इसी तरह से डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम है और उसके आगे का जो काम होना है

वह सारे का सारा पूरी तरह से कर लिया गया है। 30 जून तक 24 घण्टे प्रदे ा के लोगों को बिजली देने का इंतजाम कर लिया गया है। इसीलिए इन विपक्ष के भाईयों को तकलीफ हो रही है कि जब प्रदे ा के लोगों को 24 घण्टे बिजली मिलने लग जायेगी तो ये क्या कहेंगे ? (विघ्न)

गृह मंन्त्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा जोर से तो बोल नहीं सकता लेकिन मैं सामने बैठे भाईयों को बताना चाहता हूं कि ये जितने कान्फीडैंस के साथ, भरोसे के साथ फिगर्ज पे ा किये जो रहे हैं, ये सब झूठे फिगर हैं मैं सारे हरियाणा की बात तो नहीं कहता परन्तु एक बात मैं दावे के साथ कहता हूं। चौधरी सम्पत सिंह जी भी बैठे हुए हैं फतेहाबाद जिले मे पिछले दस सालों में इतना विकास का काम नहीं हुआ जितना इस एक साल में बिजली का काम हुआ है। इस बात मैं अगर झूठ हो तो I am prepared to face any action from the House and the Hon'ble Speaker. (विघ्न) मेरी बात को सुनो। दूसरी बात यह है कि 20 साल के अन्दर वाटर वर्क्स से पानी की सप्लाई नहीं पहुंची थी जो कि इन तीन सालों में पहुंच गई है। यह बात मैं दावे के साथ कहता हूं और यह मैं मेरे हल्के की बात नहीं बल्कि सारे फतेहाबाद जिले के बारे में कह रहा हूं जो कि चौधरी सम्पत सिंह का हल्का और चौधरी देवी लाल जी जब इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री थे उनका भी हल्का था। तीसरी बात यह है कि आज के दिन फतेहाबाद जिले के अन्दर भटटू से ठारा खेडी की सडक

को छोड कर सारे फतेहाबाद जिले की सडकों का काम पूरा हो चुका है और इन दोनों सडकों का भी एस्टिमेट बन कर तैयार हो चुका है और ये सडकें भी जल्दी ही बना दी जायेंगी। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप जल्दी कंकल्यूड करें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, गोदारा साहब ने फतेहाबाद जिले का जिक्र किया। इनकी अपनी कांस्टीच्यून्सी जिसको मैंने तीन बार रिप्रैजैंट किया है। इनके दो गांवों का मैंने 19 तारीख को दोरा किया था। पिछले दस दिनों के अन्दर उन गांवों में बिजली न होने के कारण लोगों को वाटर वर्क्स से पानी भी नहीं मिला। ये दो गांव बनमन्दोरी और बनावाली हैं। इस बात का आप वायरलैस से पता करवा सकते हैं क्योंकि आप गृह मंत्री हैं। ये तीन साल की बात कर रहे हैं और मैं तो आज की बात कह रहा हूं। 1996–97 में 54, 1997–98 में 59 और 1998–99 में 47 यानी 160 और इससे पहले के तीन सालों में 167 सब स्टे ान नये और औगमैंटे ान किए गये हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर आंकडों की बात करेंगे तो इनको तकलीफ होगी और इनकी तकलीफ का मेरे पास कोई इलाज नहीं। अब मैं ट्रांसफार्मर्ज की बात करना चाहता हूं।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, जो आंकडें मेरे माननीय साथी बता रहे हैं पता नहीं ये आंकडें ये कहां से ले आये।

श्री मनी राम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, फतेहाबाद के अंदर एक दां गांवों में पानी की समस्या होगी, इसका मतलब यह नहीं है कि सारे गांवों में ही पानी की समस्या है। जैसा कि मेरे माननीय साथी चौधरी सम्पत सिंह जी ने अभी कहा।

बागवावनी व वाणिज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): अध्यक्ष महोदय, अभी पीछे आंधी आई थी जिसके कारण बिजली के खम्बे टूट गये थे और उन गांवों में बिजली की सप्लाई न होने के कारण पानी की समस्या हो गई थी।

लोक निर्माण (भवन व सडकें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी संपत सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि ये बिजली के मामले में न बोलें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय .....

श्री अध्यक्ष: संपत सिंह जी ने जो कुछ कहा वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर एवं व्यवधान) संपत सिंह जी अब आप अपनी सीट पर बैठिये।

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं कंकलूड कर रहा हूं।

.....

श्री अध्यक्षः संपत सिंह जी आगे जो कुछ भी कहें वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...
...

श्री अध्यक्षः श्री ओम प्रका ा चौटाला और इनकी पार्टी के अन्य सदस्य जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, किसी भी बात का समापन तो करना ही होता है। (ाोर एवं विघ्न)(इस समय बहुत से सदस्य अपनी सीटस पर खडे होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker: I request you all to kindly take your seats. (Interruptions)

Sh. Sampat Singh: Sir, let me conclude. (Noise & Interruptions)

श्री अध्यक्षः संपत सिंह जैसा आदमी हाउस के अंदर यह कहे कि मारेंगे, भाोभा नहीं देता है। (ाोर)

श्री संपत सिंहः मुख्यमंत्री ..... भाब्द कहे तो कोई बात नहीं। आप उस समय यहीं सदन में बैठे थे। (ाोर एवं विघ्न).....

श्री अध्यक्षः जो कुछ संपत सिंह जी कह रहे हैं, रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं विघ्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने .... भाब्द कहा है।

श्री अध्यक्षः जो भी अनपार्लियामैंटरी भाशा, चाहे वह किसिी की भी हो, उसे कार्यवाही से निकाला जाए। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये ..... मारने की बात कर रहे हैं। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, ऐसा लगता है आप कुछ और कहना नहीं चाहते हैं। आप हाउस छोडकर जाना चाहते हैं। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज जिस भी वक्ता को बोलने के लिए अनुमति देते हैं, आखि रवह अपनी बात कन्कलूड तो करेगा। जब तक वह अपनी बात कनकलूड नहीं करेगा तो जनता को व इस सदन को कैसे पता चलेगा कि वह सरकार के पक्ष में बोला अथवा विपक्ष में (ाोर)

श्री अध्यक्षः फिर क्या वे ..... मारकर अपनी बात कन्कल्यूड करेंगे। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सदन में ..... मारने की बात नहीं कही है। इन्होंने तो यह कहा कि इस सरकार से लोग संतुश्ट नहीं है, तथा लोग ..... . मारेंगे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कनकल्यूड कर ही नहीं रहैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आपने जिस मैम्बर को बोलने के लिए समय दिया है, उसको अपनी बात खत्म भी तो करने देंगे।

श्री अध्यक्षः मैं इनको 100 बार कह चुका हूं कि आप कंकल्यूड करें। लेकिन ये कर नहीं रहे। (ाोर) आप केवल अपनी बात 2 मिनट में कनक्लयूड करें। (ाोर) जो पार्लियामैंट प्रोसीजन है उसको तो ऐडोप्ट करना ही पडेगा। सम्पत सिंह जी, आप केवल 2 मिनट में अपनी बात खत्म करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब मैंने संपत सिंह जी को कोई गलत बात नहीं की। मैं तो बडी सरल भाशा में बिजली पर चर्चा कर रहा था। मैं कह रहा था कि ये बिजली के बारे में चर्चा कर रहा था। मैं कह रहा था कि ये बिजली के बारे में ऐसी कोई बात न करें क्योंकि बिजली के बार में हरियाणा के लोग मौजूदा सरकार से पूरी तरह संतुशट हैं। ये बीच में ..... पर पता नहीं कहां से आ गए।

..... तो इनकी सरकार में लगा करते थे और इनके मंत्रियों पर लगा करते थे।

श्री धीरपाल सिंहः जब आप सदन से बाहर जनता के बीच में जाएंगे तो आपको जनता से ..... लगेंगे।

श्री सम्पत सिंहः कौन सी सरकार थी कौन ..... मारता था, हमें तो कुछ पता नहीं।

श्री अध्यक्षः इस भाब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के ट्रांसफारमर के बारे में चर्चा कर रहा था। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में नई सडकें बनाने की बात कही गई कि केवल 65 किलोमीटर नई सडक बनेगी। इसका मतलब यह हुआ कि यह नई सडक भी 1–1 किलोमीटर लम्बी सत्ता पक्ष के सदस्यों के हल्कों में ही बन पाएगी। इस 1–1 किलोमीटर लम्बी सडकें बनाने के बारे में हमारे हल्कों का नम्बर आने वाला नहीं है। इस साल सरकार केवल मात्र 65 किलोमीटर सडकें नई बनाएगी तो उसके लिए हम सरकार की क्या प्र ांसा करें। अध्यक्ष महोदय, नई सडकें तो बनानी दूर की बात रही जो पुरानी सडकें टूटी पडी हैं उनकी रिपेयर भी सरकार अब तक नहीं कर पायी है। टूटी हुई सडकों की रिपेयर के बारे में सदन के नेता ने कहा था कि सभी टूटी सडकों की रिपेयर हो जाएगी। इस समय के मुख्य

मंत्री जी के बारे में एक समय यह कहा जाता था कि जो यह वायदा करते हैं उसे पूरा करवाते हैं। लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि आज तक सडकों की रिपेयर नहीं हो पायी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि सरकार किसी काम को करने का जो वायदा करती है उसे पूरा नहीं कर पाती।

अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं अपने क्षेत्र के जल निकासी के बारे में कहना चाहूंगी। मैं कहना चाह रही हूं कि जहां पर बारि ा का पानी किसानों की जमीनों में खडा हुआ था वहां पर बहुत सी जगहों से अब भी पानी नहीं निकाला गया है। पानी न निकलने के कारण किसानों की तीन तीन फसलें मारी जा चुकी हैं लेकिन पानी की निकासी की तरफ सरकार का ध्यान नहीं जा रहा। मेरे हल्के से ड्रेन नं0 8 निकलती है मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी कि उस ड्रेन की कैपेसिटी बढायें बिना और इसमें दो ड्रेन और लाकर डाल दी गई। भगवान न करे 1995 जैसी बाढ आ गई तो फिर मेरे हल्के का क्या होगा क्योंकि एक तो पहले ही इस ड्रेन से पानी पूरा नहीं निकल पा रहा था और अब सरकार ने दो ड्रेन उसमें और लाकर डाल दी। अब यदि वैसी बाढ आ गई तो इस ड्रेन को इस ड्रेन नं0 8 में डालने पर कोई प्रोटैस्ट नहीं किया। ये जो दो ड्रेन निकाली गई उनके बारे में मैं भ्ाुरू से कहती रही कि इनका लैवल ठीक नहीं है लेकिन उस वक्त मेरी बात किसी ने नहीं सुनी। अब इन ड्रेनों में जो पानी खडा है उसको पम्पों से उठा कर आगे डाला जा रहा है। जो बात

मैं कह रही हूं उससे किसी को दुःखी होने वाली बात नहीं है। मैं सही बात कह रही हूं। इस तरह से जो फिजूल खर्चा किया जाता है उसको जो बोझ पडता है वह किसी पार्टी पर नहीं पडता बल्कि प्रदे ा की जनता पर पडता है। जो सही बात नहीं होगी उसको कहने का हमारा अधिकार है।

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि आपके हल्के के किस गांव की जमीन में अब भी बरसात का पानी खडा है।

श्रीमती करतार देवीः खुद मेरे हल्के के मेरे गांव कलानौर की जमीन में बारि ा का पानी अब भी खडा है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): बहन जी क्या आपने खुद वह ड्रेन बनाये जाने के बारे में मांग नहीं की थी ? जब पीछे बाढ का पानी आया था तो उस वक्त केलंगा और खरक व दूसरे गांवों में काफी पानी खडा हो गया था। उस वक्त क्या आपने वह ड्रेन बनाने की बात नहीं कही थी ?

श्रीमती करतार देवीः मैंने मांग की थी लेकिन मेरी मांग तो मानी ही नहीं गई। जिस जगह से ड्रेन निकालने की मैंने मांग की थी वहां से तो ड्रेन निकाली ही नहीं गई।

अब मैं एक बात सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में कहना चाहूंगी। मैं सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगी कि सरकार की मौजूदा नीति के कारण हजारों हजारों लोग गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में आने से वंचित हो गए हैं। मैंने

इस बारे में अधिकारियों से पूछताछ की तो वे कहने लगे कि सेन्ट्रल गवर्नमैंट की गाईड लाईन ही ऐसी है कि यदि किसी ने दो कमरे डाल रखे हैं तो वह भी गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में नहीं आयेंगे। इन गरीब लोगों ने किसी भले वक्त में अगर कमरे उनको खाने को देंगे। अब उनकी रिपेयर के लिए भी तो पैसा चाहिए।

अगर भारत सरकार की कोई भार्तें हैं तो उन्हें सुधारा जा सकता है। हरियाणा को बिहार न समझा जाए। हरियाणा की सामाजित परिस्थितियों को मददेनजर रखा जाए और उसके मुताबिक ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगौं की जो लिस्ट बनाने जा रहे हैं, उसको सही बनाया जाए।

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी सीटों पर बैठें (विघ्न एवं भाोर) मैं आपसे यह निवेदन कर रहा हूं कि अगर आप यह कहते हैं कि लीडर ऑफ दि हाउस, हाउस को गुमराह कर रहे हैं, फैक्टस से दूर हैं तो आप लिख कर दे दें और इनके खिलाफ प्रिविलेज मोसन ले आएं (विघ्न एंव भाोर) मैं दोबारा आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि प्लीज अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एंव भाोर) मैं दोबारा आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि प्लीज अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं भाोर) चौटाला साहब, आप एक बार नहीं बल्कि तीन बार मुख्य मंत्री रह चुके हैं इसलिए आपको

अच्छी तरह से पता है कि लीडर ऑफ दि हाउस जो कहता है वह फैक्ट होता है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बंसी लालः मैं जो कह रहा हूं वह आफि ायल डौकुमैंट के बेसिस पर कह रहा हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं आप सबसे रिक्वैस्ट करूंगा कि इस प्रकार से बोलने से बात नहीं बनेगी। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपनी सीटों पर बैठिये। (विघ्न एवं भाोर) कोई डौकुमैंट की बात नहीं है, आप अपनी सीट पर बैठिये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप बैठिए। (विघ्न एवं भाोर) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं भाोर) इनके पास अगर सारी रिपोर्ट है तो ये लिख कर दें और प्रिविलेज मो ान ले आएं। (विघ्न एवं भाोर) Chautal Sahib, I request you to take you seat. (Interruptions) I warn you please take your seat. (Interruptions).

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की पार्टी उस वक्त कहती थी कि भाजपा दे ा की सबसे बडी धोखे बाज पार्टी है। हमने भाजपा के साथ उस समय समझौता किया जब यह पार्टी सियासी तौर पर अछूत थी और सिवाय ि ावसेना के इसे किसी ने मुंह नहीं लगाया था, आज ये लोग मुझे कहते हैं कि लोग हमारे साथ नहीं हैं। मैंने इनके जैसा ना भाुकरगुजार आज तक नहीं देखा। इन्हें तो मेरा अहसानमन्द होना चाहिए था कि मैं उस समय इनके साथ मिल कर चलने को राजी हो गया जब लोग

इनके साथ मिलने से डरते थे, मैंने उस वक्त सोचा था कि भाायद मेरी सोहबत का कुछ असर इन पर भी हो जाए पर ये तो जिनिटल धोखेबाज हैं। बेचारी जयललिता के खिलाफ पोस्टर छाप दिए। अध्यक्ष महोदय, ये लोग अपना इतिहास देखें। श्रीमती लक्ष्मी पार्वती के साथ इन्होंने मिल कर चुनाव लडा और बाद में ये चन्द्रबाबू नायडू के साथ लग गए। राजनीतिक बात तो अलग है परन्तु इन्होंने उस बेचारी की तरफ पलट कर हाल भी कभी नहीं पूछा। इन्होंने मायावती का साथ लिया और जब उसके साथ मतभेद हो गए तो इन्होंने उत्तर प्रदे ा में उसकी पार्टी तोड दी, फिर इनकी बे ार्मी देखिए कि केन्द्र में अपनी सरकार बचाने के लिए उसी मायावती की चौखट पर जाकर खडे हो गए लेकिन उसने भी इन्हें मौके पर अंगूठा दिखा दिया तो उसके भी पोस्टर निकाल रिए कि यह हमसे धोखा है। इनको अपने वायदे तो याद नहीं, परन्तु उसने कर दिया तो कहने लगे कि धोखा है। (विघ्न) जयललिता सांझे मोर्च में भाामिल हुई मगर उसके मुखालिफ पार्टी के साथ सौदाबाजी की, हमारी सरकार में भाामिल होकर इन्होंने चौटाला के साथ सौदाबाजी की। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कभी किसी का साथ दिया ही नहीं। दो बार चौधरी देवी लाल के साथ धोखा किया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं अहसानमंद हूं श्रीमती सोनिया गांधी का जिन्होंने आज हमारी सरकार बचाई। इसके अलावा नेहरू खानदान के साथ मेरा पुराना संबंध है। पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने मुझे राज्य सभा का मैम्बर बनाया, इन्दिरा जी ने मुझे मुख्य मंत्री बनाया और इन्दिरा जी ने ही मुझे रक्षा मंत्री

बनाया और श्री राजीव गांधी ने मुझे हिन्दुस्तान के सबसे बडे पोर्टफोलियों का मंत्री बनाया। अब सोनिया गांधी कम्यूनल फोर्सिज के खिलाफ लड रही है तो इसलिए हम भी उनका साथ डट कर देंगे। उनकी गाईडैंस में चलेंगे और उनके साथ रहेंगे। मैं सोनिया जी का बार बार धन्यावाद करता हूं और जो इन भाईयों ने साथ दिया है उसके लिए मैं इनका भी धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार ने इस 30 जून को हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का वायदा किया था जो कि इसी बुधवार को पूरा हो जाएगा। श्री ओम प्रका ा चौटाला को 24 घंटे मिलने वाली बिजली का करंट अभी से लग रहा है। भाजपा ने हमारी पार्टी में फूट डालने की को ि ा ा की और अलोकतांत्रिक प्रयास करते रहे ताकि यह सरकार 24 घंटे बिजली देने के वायदे को पूरा न कर सके और इन्हीं पचडों में उलझी रहे। लेकिन मैं इस सदन के माध्यम से हरियाणा की जनता को यह वि वास दिलाता हूं कि उन्हें इस बुधवार से 24 घंटे बिजली मिलनी भाुरू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अब इसके बाद मुझ पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि मेरी सरकार ने विकास के कोई काम नहीं किए हैं, यह असत्य और गलत बात है। अगर प्रधान मंत्री जी के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है तो वे मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लें, इन्क्वायरी कर लें, वे चाहे जो मर्जी कर लें। अध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 के प्रवक्ता ने हरियाणा सरकार से समर्थन वापिस लेने के बाद कहा कि हम गंगा जी नहा लिए हैं यह बिल्कुल ठीक बात उन्होंने कही है। हम सभी जानते हैं कि हमारे

यहां गंगा कब नहाया जाता है, मैं तो यही कहता हूं कि ई वर इनकी आत्मा को भाांति दे। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय, के आदे ा का सम्मान करते हुए आज हम इस सदनमें वि वास का मत लेकर आए हैं। लेकिन आज हमारा और दे ा के बाकी लोगों का दिल दिमाग दे ा की सीमाओं पर लगा है। लेकिन दे ा के प्रधान मंत्री का ध्यान सीमाओं की तरफ नहीं है तो यह दे ा का दुर्भाग्य ही है। यह लडाई खत्म हो जाए और दे ा की धरती से दु मन को खदेड दिया जाए तो मैं जनता के बीच में जाकर अपने हर नौजवान की भाहादत का सवाल उठाऊंगा और प्रधान मंत्री से और उनकी पार्टी से जवाब मांगूगा। फिलहाल मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि मेरी तकरीर के बाद अपने बहुमूल्य मत वि वास मत के पक्ष में देने का निर्णय करें।

श्री धीरपाल सिंहः हमारी पार्टी के सभी विधायकों ने यह निर्णय लिया है कि हम अपना एक दिन का वेतन भाहीदों के परिवार वालों को देंगें।

श्री बंसी लालः यह निर्णय तो हमने आपसे पहले ले लिया था। हम आपकी बात मानते हैं कि आप दे ा भक्त हैं। हम यह नहीं सकते कि आप दे ा भक्त नहीं हैं। हमने पहले ही ऐलान कर दिया था कि हम एक महीने का वेतन देंगे। रक्षा मंत्री कहते हैं इसके पीछे पाकिस्तान और आई0एस0आई0 का हाथ नहीं है, फिर कहते हैं कि हम घुसपैठियों को सेफ पैसेज दे देंगे। प्रधान

मंत्री कहते हैं कि सेफ पैसेज देने का विचार किया जा सकता है। अगर ये प्र ाासन के बारे में कुछ सीख लें तो बहुत अच्छी बात है कि प्र ाासन कैसे चलता है। उसी दिन प्रधान मंत्री तो कह रहे थे कि सेफ पैसेज पर बात सोची जा सकती है और दिल्ली के मिलिट्री अस्पताल में टी0वी0 पर उन जवानों का इंट्रव्यू आया, जो जख्मी थे। उनसे टेलीविजन वालों ने पूछा कि आपका क्या हाल है तो एक जवान कहने लगा कि जख्मी हो गया था, उसको कहा कि अब आपके लिए क्या किया जा सकता है तो कहने लगा कि अगर मुझे अस्पताल वाले जल्दी छुटटी दे दे ंतो मैं फिर मोर्चे पर जाना चाहता हूं और फिर हम दु मनों को मारेंगे और पीछे से कुमक आने नहीं देंगे, ऐसी है एक जवान की सोच। रक्षा मंत्री और प्रधान मंत्री जी की सोच दूसरी है। हरियाणा में अक्तूबर में आई बाढ से संबंधित कई आंकडें मेरे पास उपलब्ध हैं। यदि आप चाहेंगे तो मैं बता दूंगा। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, 15 जून 1999 के इंडियन एक्सप्रैस में under the heading of "Accountability in the Year of War" and 'The guilty men of 1999" में मनी भांकर अऽयर ने लिखा है किः—

"the Jan Sangh demanded the dismissed of Defence Minister Krishna Menon. "If reinforcements had been sent on time," the said,"the Chinese advance could have been halted." Criticising the armed forces for being "passive", the Jan Sangh advised the army to "concentrate on a few points" and "take the initative to attack Chinese positions and supply lines".

आगे यह लिखा है—

“Concerned at the poor quality of the army leadership, the delegation further demanded that retired generals be recalled and put in “overall charge of strategy”.

On which Pandit Nehru agreed and implemented it. In the said article, Sh. Mani Shanker Aiyar has further stated –

“The delegation was led by one Atal Behari Vajpayee.”

Sh. Aiyar state that his source is. “The Hindustan Times” of October 27, 1962. He further states-

“Nehru had the grace to induct retired generals Thimayya and Himmatsinh ji into the National Defence Counci. In 1999, any opposition suggestion falls on deaf ears. In 1962, the Rajya Sabha was convened on November 8, within a fortnight of Vajpayee asking for it; in 1999, the same Vajpayee who insisted in 1962 on a Rajya Sabha session in the middle of a war has refused a Rajya Sabha session to deal with armed incursions across the Line of Control.”

इस आर्टिकल मे आगे और लिखा है:–

“Vajpayee 1962 then thundered, “In neglecting the nation’s security, we committed a crime against the country, leaving the contry’s frontiers insecure was a great sin on our part.”

I want to ask Vajpayee ji what is his position today ? Were they prepared ? Did they send some reinforcements ? I happened to be a former Defence Minister of India and I know

a lot but this is not proper time to mention all those things. Those things will be mentioned at a proper time, when we will get rid of infiltrators. At this moment, we are with the Governement and we are at the back of the Jawans who are fighting on the fronts. आगे जाकर मणि ांकर लिखते हैं:–

"I would like to know whether the Prime Minister was informed whether in NEFA we were fully prepared or not ? He then added; "And if we are tolf that the Primce Minister was not in the know, the next question will have to be answered as to who it was who kept him in the dark ?"

अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि प्रधान मंत्री जी जब लाहौर में नवाज भारीफ की दावत खा रहे थे, उससमय इनफिलट्रेटर्ज हमारे यहां बंकर्ज बना रहे थे (विघ्न) और हमारे दे ा की टैरिटरी पर कब्जा कर रहे थे। (विघ्न)

डॉ0 वीरेन्द्रपाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि पांच दिन पहले सारी की सारी नैतिकता कहां चली गई थी ? इनको पता था कि प्रधान मंत्री जी में इतनी कमियां हैं तो ये उनको पे ा करते (विघ्न).....

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) जो ये बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से दरख्वास्त करना चाहता हूं। (विघ्न एवं भाोर) .....

श्री अध्यक्षः जो बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए।

Mr. Speaker: Sharma Ji, I will request you to kindely seek the permission of the Chair. आप जैसे वरिश्ठ विधायक को ऐसी बात भाोभा नहीं देती है।

श्री राम बिलास भार्माः .....

Mr. Speaker: Nothingh to be recorded, what is being said by Sh. Ram Bilas Sharma. (Interruptions) Take your seat, please.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको दे ा के सम्मान की एक छोटी सी बात की मिसाल देता हूं। वाजपेयी जी को किसी ने लाहौर नहीं बुलाया था, उन्होंने अपने आप ही कहा था कि मैं जाऊंगा इनविटे ान तो बाद में आया था क्योंकि वे तो बंकर बनाने में लगे हुए थे। अध्यक्ष महोदय, एक वक्त ऐसा भी था जब हमारे प्रधान मंत्री लाल बहादुर भाास्त्री जी थे। उन्होंने अमेरिका और कनाडा में जाने का टूर बनाया। उस वक्त अमेरिका गवर्नमैंट ने एक ऐसी बात कह दी जो कि भारत की भाान के खिलाफ थी। लाल बहादुर भाास्त्री जी ने अमेरिका जाने का टूर कैंसियल कर दिया और कनाडा गए। न्यूयार्क में उनका जहाज

रि–फ्यूल किया गया। मगर वे जहाज में ही बैठे रहे। अमेरिकन्ज ने कहा कि आप वी0आई0पी0 लौन्ज में आइए और चाय तथा कुछ सनैक्स लीजिए। उन्होंने कहा कि मेरे जहाज में सब कुछ है। अमेरिका की धरती पर उन्होंने पावं नहीं रखा। अध्यक्ष महोदय, एक वक्त वह था और एक वक्त आज का है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में अक्तूबर 1998 में आई बाढ से करोडों रूपए का नुक्सान हुआ। हमने भारत सरकार से 757 करोड 29 लाख रूपए की आर्थिक सहायता की मांग की मगर काफी समय तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। हमारे बार बार सहायता मांगने पर हमको 13 करोड 27 लाख रूपये अभी कुछ हफते पहले मिले। जो कि ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर भी नहीं है। जबकि हमारे पडौसी राज्यों को कई अरब रूपए आर्थिक सहायता के रूप में दिए गए। भाजपा की केन्द्र सरकार ने हरियाणा की जनता के हितों में कोई रूचि नहीं दिखाई और अब कह रहे हैं कि हमने समर्थन वापिस लेने का फैसला हरियाणा की जनता के हित में किया है। हमने इनकी टीम को यहां बुलाकर दिखाया कि कितना नुक्सान हुआ है। मैं प्रधान मंत्री जी से मिला, चेयरमैन प्लानिंग कमी ान से मिला, फाईनांस मिनिस्टिर को मिला और मैं इनके सब कर्ता धर्ताओं को मिला। सबने हमको सिम्पर्थी दिखाई और पैसा हमको एक भी न मिला। सारा पैसा पडौसी राज्यों को देते रहे, जहां पर नुक्सान भी हमारे मुकाबले 1/10 भी नहीं था। मैं प्रधान मंत्री जी को, फाईनांस मिनिस्टर जी को चिटठी पर चिटठी लिखता रहा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बी0जे0पी0 का 1991

का घोशणा पत्र मेरे पास है और इसकी पहली 5 लाईनें इस प्रकार हैं:

"गत विधान सभा चुनाव में राजनीतिक दल होने के नाते भाजपा ने तत्कालीन लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लडा था। किन्तु लोकदल के नेतृत्व द्वारा अपने ही परिवार वाद, अकु ाल प्र ाासन के कारण मतदाताओं के साथ किए गए चुनावी वायदे पूरे करने में हम असफल रहे।"

यह भाजपा ने 1991 में अपने मैनिफैस्टों में कहा। इससे आगे कहा–

''किन्तु भाजपा को इस बात का गर्व भी है कि चौधरी देवी लाल के उप प्रधान मंत्री बन जाने की स्थिति में चौधरी चौटाला ने हरियाणा की बागडोर सम्भाली तो उनकी कार्य ौली का पूर्वानुमान लगाते हुए और हरियाणा की जनता की भावनाओं का आदर करते हुए भाजपा नेतृत्व ने उनके मंत्रिमण्डल से बाहर रहने का नि चय किया।''

अध्यक्ष महोदय, मैं यह दिखा भी देता हूं कहीं भार्मा जी को यह याद न हो। (विध्न) यह चुनाव घोशणा पत्र भारतीय जनता पार्टी का 1991 का है। इसमें ओपनिंग पैरा में लिखा है– एक मुक्ति ऐलान। इसमें लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के मतदाताओं से सर्वप्रथम इस बात के लिए क्षमा चाहती है कि गत विधान सभा चुनावों में संघर्श समिति के प्रमुख हिस्सेदार

राजनीतिक दल होने के नाते भाजपा ने तत्कालीन लोकदल के साथ मिल कर चुनाव लडा था। अध्यक्ष महोदय, तत्कालीन लोकदल के बारे में हरियाणा भाजपा ने क्षमा याचना की है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अब तो ये पाप का घडा आपके सिर पर ही फोडेंगे।

श्री बंसी लालः हां, यह बात ठीक है कि ये पाप का घडा मेरे सिर पर फोडेंगे लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि मुझे तो इनका तजुर्बा नहीं था परन्तु चौटाला साहब को तो इनका पूरा तजुर्बा है इसलिए ये मार नहीं खाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं भाजपा के 1991 के घोशणा पत्र के बारे में बता रहा था जिसमें इन्होंने यह भी कहा था कि लोक दल नेतृत्व द्वारा अपनाए गए परिवावाद एवं अकु ाल प्र ाासन के कारण मतदाताओं के साथ किए गए चुनावी वायदे पूरे करने में ये असफल रहे किन्तु भाजपा को इस बात का गर्व भी है कि चौधरी देवी लाल के उप प्रधान मंत्री बन जाने की स्थिति में जब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने हरियाणा की बागडोर संभाली तो उनकी कार्य ौली का पूर्वानुमान लगाते हुए हरियाणा की जनता की भावनाओं का आदर करते हुए भाजपा नेतृत्व ने उनके मंत्रिमंडल से बाहर रहने का नि चय किया। अब तक राज्य में हुए गठबंधनों के कडवे अनुभवों के दृश्टिगत इस बार भाजपा ने अकेले ही अपने बूते पर चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। पहली बार हरियाणा भाजपा लोकसभा की सभी दस सीटों तथा विधान सभा की 90 सीटों पर

चुनाव लड रही है। अध्यक्ष महोदय, यह 90 सीटों पर लड लें चाहे ये दस सीटों पर लडें लेकिन ये किसी न किसी के पिछलग्गु बन कर ही असैम्बली या लोकसभा में घुस सकते हैं अपने दम पर आज तक नहीं घुस पाए और न ही आगे घुसेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एक और नारे का ये बडे जोर से भाहरों में प्रचार करते हैं कि मुख्य मंत्री ने चुंगी समाप्त नहीं की। जबकि चुंगी समाप्त करने का वायदा इनके 1996 के मैनीफैस्टों में था। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास भारतीय जनता पार्टी का 1996 का घोशणा पत्र है इसलिए मैं इसको भार्मा जी को भी दिखा दूं ताकि इनकी कोई गलत फहमी न रह जाए। अध्यक्ष महोदय, इसमें भाहरी क्षेत्र के विकास के नाम से एक हैडिंग है जिसमें लिखा है कि केन्द्र सरकार से अनुदान की व्यवस्था करवाकर चुंगी कर समाप्त करवाना। अध्यक्ष महोदय, मैंने तो कभी नहीं रोका कि चुंगी को माफ न करो लेकिन इन्होंने ही अपने चुनाव घोशणा पत्र में लिख रखा कि केन्द्र सरकार से अनुदान की व्यवस्था करवाकर चुंगी को खत्म करेंगे। अगर अब तक ये केन्द्र सरकार से अनुदान ले आए होते तो उसी दिन हम चुंगी माफ कर देंते। मैंने तो इनको कभी नहीं रोका ये अब ले आएंगे तो हम माफ कर देंगे।

श्री राम बिलास भार्मा: हम तो तीन साल से कह रहे थे।

श्री बंसी लाल: अगर आप तीन साल से कह रहे थे तो गलत बात कहने से तो कोई फर्क नहीं पडता। अध्यक्ष महोदय,

मैंने तो चुंगी हटाने के लिए एक कमेटी भी बनायी थी जिसमें दोनों पार्टियों के आदमी थे इस कमेटी के गोदारा साहब चेयरमैन थे और राम बिलास जी, कमला वर्मा, गणे ीलाल एवं भाि ापाल मेहता इसके मैम्बर्ज थे। इस कमेटी ने सिफारि ा की थी कि चुंगी हटायी नहीं जा सकती बल्कि इसको बढाओ। इसके बाद जब कैबिनेट में यह केस आने लगा तो उसके पांच मिनट पहले भार्मा जी ने मेरे पास आकर कहा कि बाबू जी आज इसको पास न करें मैंने कहा बहुत अच्छा लेकिन फिर ये उल्टी वाणी पढने लगे। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद भी हमने कमला वर्मा जो इस महकमे की इंचाज्र थीं, की चेयरमैनि ाप में एक और कमेटी बना दी तो आप ही बताएं कि मैं बीच में कहां से आ गया, मैं कहां से बीच में घुस गया ? तो इसलिये ये कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इनकी कथनी और करनी में बहुत अन्तर है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, चुंगी का मुददा तो हमने मंत्रिमंडल की प्रोसिडिंग्ज में डैफर किया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, जब जयललिता ने समर्थन वापिस लिया तो इन्होंने वाजपेयी जी का पोस्टर दिखा कर, पूछा कि इस आदमी का क्या कसूर था ? अब वाजपेयी जी से पूछो कि मेरा क्या कसूर था कि उन्हौंने समर्थन वापिस लिया। बी0जे0पी0 द्वारा समर्थन वापिस लेना पूर्णत: स्वार्थ से भरा कदम है। भाजपा के वाइस प्रजिडैंट श्री के0एल0 भार्मा ने कहा कि

समर्थन वापिसी का निर्णय 8 जून को लिया गया था जबकि समर्थन वापिसी का फोरमल डिसिजन तो इन्होंने मई महीने के पहले सप्ताह में ही ले लिया था और असली डिसिजन तब लिया था जिस दिन चौटाला साहब ने इनको समर्थन दिया और इन्होंने समर्थन लिया और चौटाला साहब को पता था कि ये जुबान से फिर सकते हैं इसलिये उन्हौंने लिखवा कर चिटठी ले ली और अपने कब्जे में कर ली। (ाोर) यह सौदा तो 17 अप्रैल को ही हो गया था और समर्थन वापिसी से संबंधित पत्र श्री ओम प्रका ा चौटाला को केन्द्र सरकार की सरकार के वि वास प्रस्ताव पर मतदान से एक दिन पहले ही दिया गया था। मेहम सैकिया आयोग की रिपोर्ट पर भाजपा का स्टैण्ड यह रहा है कि आज तक काई कार्यवाही नहीं हुई। मेहम के लोगों को उसका बेसब्री से इन्तजार है और अध्यक्ष महोदय, कहो तो मैं असैम्बली की डिबेट पढकर सुना दें, लम्बी चौडी है और इसकी तीन चार फाइलें हैं जिसमें राम बिलास भार्मा जी ने मेहम के बारे में क्या कहा ? अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने तो हाई कोर्ट के जज की चर्चा की लेकिन मैं सैकिया कमी ान जिसमें सुप्रीम कोर्ट के जज थे, की चर्चा करता हूं। मैं सुप्रीम कोर्ट के जज की सैकिया की रिपोर्ट का यहां जिक्र करता हूं जिसमें लिखा था कि–

"Actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men resulted in the death of Sh. Amir Singh. Even though the commission on appreciation fo the affidavits and arguments rejected the hypothesis of conspiracy between Mr.

Chautala, Mr. Tomar and Mr. Vijay Singh. It has no alternative than to arrive at the finding that the actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men have resulted in the death of Mr. Amir Singh during the fateful night.

इसके आगे सैकिया कमी ान की रिपोर्ट का जो कनक्लूडिंग पैरा है उस कनकलूडिंग पैरे में लिखा है कि–

"There was nobody to deny the same. The Commission, therefore reasonably arrived at the finding that the actions of and circumstances around Mr. Chautala and his men resulted in the death of Mr. Amir Singh during the fateful night."

चौटाला साहब रैडडी कमी ान का हवाला दे रहे थे, यह तो बहुत बाद की बात है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उसमें तो इनको क्लीयर मुल्जिम करार दिया है और उसी आधार पर इनके खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हुई है। (ाोर) अगर रैडडी कमी ान के आखिरी पैरे को पढा जाए तो उसमें इनकी इतनी भदद पीटी की कोई भी खुददार आदमी एक क्षण भी आपने पद पर नहीं रह सकता। (ाोर) उसने कहा कि इससे बडा करप ान का कोई सबूत नहीं हो सकता। यह रैडडी कमी ान की फाइंडिग है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इसमें सब कुछ लिखा हुआ है, काफी लम्बी रिपोर्ट है, अगर सारी पढ़ूं तो बहुत टाइम लगेगा। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा और फिर कहता हूं कि सैकिया कमी ान या ग्रेवाल कमी ान की जो भी रिपोर्ट आई हैं सरकार उसके आधार पर ऐक ान ले। (ाोर)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह केस सी0बी0आई0 के पास था और भारत सरकार की जूरिडिक ान में था, हरियाणा की जूरिडिक ान में नहीं था। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, डीजल का भाव जो एक रूपया प्रति लिटर केन्द्र सरकार ने घटायाथा उसे कुछ दिन बाद फिर बढा दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनके खिलाफ तो सीधा चार्ज है– भाोर .....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए क्योंकि वह मेरी परमि ान के बगैर बोल रहे हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, यह क्या तरीका हुआ, आप जैसे मर्जी मुझे बोलेंगे। (ाोर)

22.00 बजे।

जब आपके मन में आता है तो आप खडे हो जाते हैं। आप आराम से बैठ जाइए। (ाोर) दुरूपयोग आप कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान) आप बैठ जाइए। जो कुछ भी चौटाला साहब ने मेरी परमि ान के बगैर कहा है उसे बिल्कुल डिलीट कर दीजिए। यहां आंखें दिखाने से काम नहीं चलेगा।

श्री अत्तर सिंह सैनीः यहां रिकार्ड मौजूद है अगर परमि ान ली है तो बताएं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, भाजपा का चौटाला के प्रति दृश्टिकोण 1977–78 के नारनौल उप चुनाव में स्वर्गीय मंगल सैन जी को पी0डब्ल्यू0डी0 रैस्ट हाउस से बाहर फैंक दिया। (विघ्न) जबकि वे मंत्री थे और अपनी पार्टी के प्रचार के लिए गए थे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ऑन ए प्वाइंट ऑफ आर्डर, अध्यक्ष महोदय, एक आदमी जो इस संसार में नहीं है, उसके बारे में इस सदन में बात नहीं कही जानी चाहिए।

श्री बंसी लालः मैं उसकी बात नहीं कर रहा हूं। मैं आपकी बात कह रहा हूं। मैं डाक्टर मंगल सैन जी की बात नहीं कह रहा हूं। इनकी करतूतों की बात कह रहा हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उसी मंगल सैन के साथ आपने क्या व्यवहार किया था मुझे तो बताने में भी भार्म आएगी। आपकी करतूत रेडी कमी ान में छपी हैं .....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, 20 जनवरी 1998 को श्री राम बिलास भार्मा ने हरियाणा विधान सभा में कहा था कि चौटाला सन्यास ले लेते (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन श्री चौटाला संयास कैसे लेते क्योंकि संयास लेने के लिए किसी गुरू की आव यकता पडती है और कोई गुरू श्री चौटाला जैसे व्यक्ति को चेला बनाने के लिए तैयार नहीं है। इसी सदन की कार्यवाही में यह बात है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कहते हैं कि मुझे मेरी करतूतें बताओ और बताते हैं तो बताने नहीं देते। वाजपेयी जी की सरकार ने जब वि वास मत लियाथा उससे एक दिन पूर्व श्री चौटाला का बयान था कि किसी कीमत पर हम वाजपेयी जी की सरकार को समर्थन नहीं देंगे। यह बात इन्होंने टैलीविजन पर बडे जौर भाोर से कही थी। मेहम का उप चुनाव रदद करवाने के लिए उम्मीदवार अमीर सिंह की हत्या की गई और चुनाव के दौरान बैंसी और मदीना में, बैंसी में नौ और मदीना में तीन निर्दोश लोगों की हत्या की गई। महामहिम राज्यपाल श्री जी0 डी0 तपासे जी के साथ बदतमीजी की गई। श्री कृपा राम पूनियां का मुंह काला किया गया यह मैं इनका हरिजनों के प्रति प्रेम बता रहा हूं।

चौधरी देवी लाल जी ने बनियों और पंजाबियों को वोट डालने के अधिकार से वंचित कर देने की बात कही थी। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन में अपनी स्टेटमैंट नहीं दे सकता, उसके बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, उस समय के भूतपूर्व मुख्य मंत्री और भूतपूर्व उप प्रधान मंत्री ने बनियों और पंजाबियों को वोट डालने के अधिकार से वंचित कर देने की बात कही थी। महात्मा गांधी राश्ट्रपिता थे मगर उन्होंने बनिए के घर जन्म लिया था। उनके नाम का पैम्फलैट इन समुदायों के बारे में नफरत पैदा करने के लिए बांटे गये थे। 22 अक्तूबर 1978 को जब भूतपूर्व मुख्य मंत्री और भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तो श्री ओम प्रका ा चौटाला को कस्टम अधिकारियों ने हवाई अडडे पर 58 स्विस घडियों और 47 फाउण्टेन पैन की तस्करी में पकड लिया तो श्री ओम प्रका ा जी के पिता श्री ने इन्हें अपने बेटे से डिस ओन कर दिया। 1998 के लोक सभा चुनाव में चौटाला साहब के बेटे को भूतपूर्व मुख्यमंत्री और बी0एस0पी0 ने समर्थन दिया। आदमपुर के चुनाव में भाजपा के लोगों ने श्री सुरेन्द्र सिंह का विरोध किया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की राजनीति में पहली बार ग्रीन ब्रिगेड द्वारा हिंसक वारदातें भाुरू की गई थीं। और मुझे भाजपा द्वारा छोड देने की कोई हैरानगी नहीं है क्योंकि ये लोग तो सब कुछ छोडे बैठे हैं। जिस राम के नाम

पर वोट लिया उसी को छोड दिया तो बेचारा बंसी लाल कहां बचता। जनसंघ नाम छोड दिया, दीपक नि ाान छोड दिया, केसरिया झण्डा छोड दिया। याद है वह नारा कि 'दे ा धर्म के नाम पर गऊ हमारी माता है' वह भी अब छोड दिया। आर्टीकल 370 का क्या हुआ, वह भी छोड दिया। कॉमन सिविल कोड को भी छोड दिया। डॉ0 हेडगेवर और गोवलकर को छोडकर गान्धी जी को पकड लिया। फिर बेचारा राम हाथ आ गया। चुनाव जीत लिया तो उसे छोड दिया। ये किस किस को छोडेंगे और कहां कहां तक छोडतें जायेंगे। मन्त्री हटाना और बनाना मुख्य मंत्री का अधिकार है और मेरे वे साथी इस बात को मानते हैं और आपके सामने भी उन्होंने कहा है। प्रधानमंत्री जी ने अभी हाल ही में श्री जगमोहन जी को संचार मंत्रालयस से क्यों हटाया ? और हटाने का कोई कारण भी नहीं बताया। परन्तु कारण सारा दे ा और दे ा की जनता जानती है। क्योंकि सेलूलर फोन वालों की तरफ साढे चार या पांच हजार करोड रूपये बकाया थे और श्री जगमोहन जी उस पैसे की वसूली पर लगे हुए थे और उन्होंने एक हजार करोड रूपये की वसूल भी कर ली थी कि अचानक उनके महकमें को बदल दिया गया। मुझे कहते हैं ओर खुद क्या कर रहे हैं। भ्रश्टाचार की बात तो प्रधानमंत्री जी ने कह दी मगर 24 जुलाई 1999 के हिन्दुस्तान टाईम्स अखबार के अडिटोरियल में "अप फार ग्रेब्स अगेन" में लिखा है

"Prime Minister would not be believing his own words when he talked of "Serious charges of corruption and

other acts of commission and omission" against the Govt. to justify the withdrawal of support to the Haryana Government.

अध्यक्ष महोदय, आगे ओर भी बहुत कुछ लिखा हुआ है लेकिन मैं इतनी ही बात कहूंगा। भाजपा ने अब तो चौटाला साहब से गठजोड कर लिया है उनके बारे में ये क्या क्या करते रहे हैं। यह बात भाजपा के लोग जानते हैं। 1977 और 1987 में स्वर्गीय डाक्टर मंगल सैन और दूसरे साथियों के साथ क्या क्या हुआ तथा 1991 में भाजपा ने अपने चुनाव घोशणा पत्र में चौटाला साहब के बारे में क्या कहा था यह बात भी सबको मालूम है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब भी कहते थे कि जिस आदमी की भाादी नहीं हुई, घर बार नहीं है वह आदमी दे ा कैसे चला सकता है। इन लोगों ने हरियाणा प्रदे ा की भलाई के बारे में नहीं सोचा और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार तोडने के लिए गठजोड कर लिया। भाजपा ने मेरे से गठजोड इसलिए तोडा क्योंकि मैं प्रदे ा की जनता को बिजली देना चाहता हूं, सडक बनाकर देना चाहता हूं और प्रदे ा में अमन चैन लाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं भाजपा वालों से पूछना चाहता हूं कि ये बतायें कि मेरा क्या कसूर था जबकि इनका समझौता हमारे साथ पांच साल के लिए हुआ था और मैंने यह समझौता ईमानदारी के साथ निभाया। अध्यक्ष महोदय, मेरा कसूर सिर्फ इतना था कि मैंने भाजपा की सांप्रदायिकता की लाईन स्वीकार नहीं की और भाजपा की सभाओं में भी हमे ाा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता तथा राश्ट्र एकता की बता की, जो भाजपा को नहीं भाई। हिसार में चर्च के आगे इन्होंने चर्च

के खिलाफ नारे लगाये और 50–50 इ तहार फैंक दिये। चर्च वालें ने रिपोर्ट दर्ज करा दी। मेरे से डी0सी0 ने पूछा कि सर ऐसा हो गया क्या करें ? मैंने डी0सी0 को कहा कि जो भी दोशी है उसे गिरफ्तार करो। डी0सी0 ने मुझे कहा कि इस पर तो भाजपा वाले ऐतराज करेंगे, मैंने कहा कोई कुछ भी कहे तुम दोशी व्यक्तियों को गिरफ्तार करो। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से फरीदाबाद के अंदर भी चर्च के पास जाकर नारे लगाये, रात का समय था पुलिस आई तब तक जिन्होंने नारे लगाये थे वे भाग गये। फरीदाबाद के एस0पी0 का मरे पास टैलीफोन आया और उसने कहा कि सर अगर बात बढ जाये तो मैं क्या करू ? मैंने कहा जो कानून में है वही करो। जो गडबडी करे उसे गिरफ्तार करो। अध्यक्ष महोदय, ये बातें इनको अच्छी नहीं लगीं। अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रधान मंत्री जी को प्रदे ा से जुडी समस्याओं को लेकर अनेक बार पत्र लिखे, जो एस0वाई0एल0, बिजली का हमारा सही हक दिलाने बारे, बाढ राहत, बेरोजगारों की सहकारिता समितियों को एजैंसियों और पैट्रोल पंप दिलाने बारे थे। लेकिन इन्होंने कोई भी काम नहीं किया। बाढ राहत के लिए थोडी बहुत रा ि ा जरूर दी थी। अध्यक्ष महोदय, मैं राम बिलास जी से पूछना चाहता हूं कि क्या इन्होंने कभी हरियाणा प्रदे ा के इन हितों के बारे में प्रधानमंत्री जी से बात की। कभी एस0वाई0एल0 बनवाने की बात की। इसका क्या कारण था, कारण यह था कि लोक सभा में हमारी एक वोट थी और चौटाला साहब के चार वोट थे तथा बादल साहब के 8 वोट थे। इसलिए 12 के आगे 1 की कैसे चले

? मैं क्या करता ? मेरी मजबूरी थी। सरकार की फाईलें देख लो मैंने इस बारे में कितनी चिटठियां लिखी हैं। इतना ही नहीं, एक और बात बडे ताज्जुब की है, वह यह है कि पंजाब में जो लेवी भूगर है, उसका भाव 48–49 रूपए प्रति क्विंटल हरियाणा की भूगर से ज्यादा है। हरियाणा की भूगर का रेट कम है। मैं पूछना चाहता हूं कि पंजाब की भूगर और हमारी भूगर में क्या फर्क है जबकि कॉस्ट ऑफ प्रोडक ान तो हमारा ज्यादा है। पंजाब के किसानों को बिजली मुफ्त मिलती है, पानी मुफ्त मिलता है, लेकिन हमारे किसानों को बिजली और पानी दोनों के पेसे देने पडते हैं। और रेट हमारे किसान के नाम का कम और पंजाब के किसान के नाम का ज्यादा। मैंने प्रधान मंत्री जी को इस बारे में एक डिटेल्ड चिटठी लिखी है, जिसकी आज तक अकनोलेजमैंट नहीं आयी है। चीनी पाकिस्तान से मंगवाते हैं। दूसरी तरह हमारे पास एक लाख टन लेवी फ्री चीनी उपलब्ध है, जिसको बेचने नहीं दे रहे हैं। कहते हैं कि हमारे हुक्म के अनुसार बेचनी है। हमें भारत सरकार से यह इंसाफ मिला है। भाजपा की दिल्ली सरकार से हमें यह इंसाफ मिला है। इस बारे में मैंने सरकार के साथ हैं। केन्द्रीय सरार हमलावरों को दे ा से बाहर निकालने के लिए जो कदम उठा रही है, उसका हम पूरा समर्थन करते हैं। इसके लिए जो भी कुर्बानी देनी पडेगी, हम तैयार हैं लेकिन पिछले दिनों हमारे आर्मी चीफ ने एक बात कही कि हमारे जवानों के पास लडने के लिए सही अर्थात अप टू डेट हथियार नहीं हैं, पहाडों में पहनने के लिए जुराबें नहीं हैं, कपडें नहीं हैं तथा रात को जब जवान सोते हैं तो

वे सोने वाले बैग में तो पांव डालते हैं और बाहर सोते हैं। यह बात आर्मी चीफ ने 4–5 दिन पहले कही है। इस बात को मैं डिस्कलोज नहीं कर रहा हूं। इस बात को आर्मी चीफ ने डिस्कलोज किया है, जो डिसिपलिन का पक्का होता है। वक्त आने पर ये सारी बातें हम वाजपेयी जी से जरूर पूछेंगे। जब लडाई इतने दिनों से कारगिल में चल रही है तो हमारे जवानों को माडर्न वैपन क्यों न मिलें, उनको अच्छे कपडे क्यों ने मिलें ? आज हरियाणा का आम आदमी यह बात कहता है बाहर के किसी आदमी से मिलने का तो मेरा मौका नहीं लगा है, कि एक बात का जवाब दो कि पिछले 50 सालों में कारगिल में 8 किलोमीटर अंदर तक कभी भी पाकिस्तानी नहीं घुस पाए। एक साल में ही कैसे घुस गए ? वे पूछते हैं कि क्या तुम्हारी दिल्ली की सरकार सो रही थी ? अब हम इनको कैसे बताएं कि दिल्ली की सरकार सो रही थी या बैठी थी ? वह उठी थी या बैठी थी हमको क्या पता मगर दे ा के साथ तो धोखा हुआ है। यह बात आम आदमी सड़क पर खडे होकर पूछता है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरे पास इण्डियन एक्सप्रैस अखबार है। इसको आप देखें (ाोर एवं विघ्न) अब रात रात में वाजपेयी जी में सब बुराई आ गई। (ाोर) रात रात में हरियाणा में ईसाईयों पर अटैक हो गये। मुख्य मंत्री जी की मजबूरी समझी जात सकती है। (ाोर एवं विघ्न) मैं यह कहना

चाहूंगा कि भारती की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आज की स्थिति में इनकी ये सारी बातें नहीं करनी चाहिएं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल 11 मई को परमाणु बम चलाया गया। यह ठीक है हम उस सांझा सरकार में भाामिल थे और हमने भी कहा था कि अच्छा किया। एक बात मैं उस दिन से लेकर आज तक भी कह रहा हूं कि परमाणु बम तो 1974 में इन्दिरा जी ने चला दिया था, आज से 23–24 साल पहले। यह परमाणु बम वाजपेयी जी ने तो बनाया नहीं, यह तो साईंसदानों ने बनाया है। इनहोंने उस बम को ऐसे मौके पर फोड दिया। जो सही वक्त नहीं था क्योंकि इसके फोडने से हमारी सासरी इमदाद बंद हो गई। हमारी सडकें बननी बंद हो गई और दूसरे विकास के जो कार्य थे वे सारे बंद हो गए। इससे संबंधित मेरे पास बहुत सारी बातें कहने को हैं, मैं कह सकता हूं लेकिन आज का दिन वह बातें कहने का नहीं है। मेरे पास बहुत कुछ कहने को रह गया है, मैं बहुत कुछ कह सकता हूं। आई नो मच मोर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी संपत सिंह जी पूछ रहे थे कि आप लोगों ने प्रदे ा के लिए क्या किया पिछले तीन सालों में। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि प्रदे ा में बिजली 24 घंटे देने के लिए हमने दिन रात मेहनत की। इन पिछले 37 महीनों में हमने 30 नए सब स्टे ान बनाये और 154 सब स्टे ानों की क्षमता को बढाया और 5200 किलोमीटर लंबी ट्रांसमि ान एवं डिस्ट्रीब्यू ान लाइनें बिछाई गई। वर्श 1996 में हरियाणा बनने से

लेकर अगले 32 वर्शों में राज्य का कुल बिजली उत्पादन 863 मैगावाट तक पहुंचा था। हमने बिजली उत्पादन बढाने की अनेक योजनाओं पर काम भुरू किया। इस 30 जून तक 213 मैगावाट बिजली की बढौतरी हो जाएगी। फरीदाबाद के एन0टी0पी0सी0 के प्लांट से 143 मैगावाट, मारूति लि0 से 20 मैगावाट, मैगनम से 25 मैगावाट और बी0बी0एम0बी0 के साथ जो नवीनीकरण एग्रीमैंट हुआ है उससे हमारे हिस्से में 25 मैगावाट की और वृद्धि होगी। (विघ्न) एन0टी0पी0सी0 से तो परचेज तो करते हैं, वह तो आप भी करते थे।

श्री सम्पत सिंहः मैं तो सिर्फ यह पूछ रहा हूं कि हमारी जो अपनी ओन जनरे ान है उसमें हमने कितने यूनिट और बिजली जोडी है। बी0बी0एम0बी0 या एन0टी0पी0सी0 से तो हम परचेज करते हैं। आप यह बातएं कि हमारी ओन जनरे ान कितनी है ?

श्री बंसी लालः जो आप पूछ रहे हैं, वही मैं बता रहा हूं। अगले वर्श में हमारे प्रदे ा की बिजली क्षमता में 1289 मैगावाट और बढौतरी हो जाएगी। हमारे 4 प्लांट तो री–फर्नि ा हो जाएंगे। 270 मैगावाट तो उनसे मिलेगी। इसके अलावा हमारा 210 मैगावाट का छठा प्लांट चालू हो जाएगा। चौधरी सम्पत सिंह जी, जब आप इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर थे। उस वक्त बी0एच0ई0एल0 से म ाीनरी आ गई थी अगर उस वक्त आप उस

प्लांट को बना देते तो वह प्लांट 238 करोड रूपये में बन जाता। आज वह प्लांट 640 करोड रूपए का हो गया। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री सम्पत सिंह द्वारा

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। जैसा मुख्य मंत्री बंसी लाल जी ने कहा म ीनरी के आर्डर बी0एच0ई0एल0 को बकायदा कर दिए थे। और एडवांस मनी भी जमा करा दी गई थी और इसी तरह से कंस्ट्रक ान वर्क जो कि जमीन का है आल मोस्ट वह भी कम्पलीट हो गया था। जिस पर 30–32 करोड रूपए खर्च हो गए थे। स्पीकर सर, यह ऑन गोइंग प्रोजैक्ट है। एक दिन में तैयार नहीं होता। आपकी सरकार आए भी 3 साल हो गए हैं। 3 साल में तो अभी तक तैयार नहीं हो पाया। टाइम लग रहा है। स्पीकर सर, हमारी सरकार चली गई, जाने के बाद आज जिस पार्टी का समर्थन इन्होंने लिया है उस पार्टी की सरकार आई और उन्होंने 5 साल तक वह म ीनरी नहीं छुडवाई। इसलिए हमारा इसमें कोई दोश नहीं क्योंकि हमारा प्रोसैस चल रहा था। यह बीच में सरकार जाने की वजह से, इनकी अपनी एलायंए पार्टी की वजह से हुआ है, हमारी वजह से नहीं हुआ है।

वि वास मत प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः एक वर्श में प्रदे ा की बिजली की क्षमता 1289 मेगावाट थी और आगे और बढौतरी हो जाएगी।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जैसा मुख्य मंत्री जी ने कहा कि पानीपत थर्मल प्लांट का जो छठा यूनिट है, उसमें आपने क्या किया। 1989–90 के अन्दर जब चौ0 देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे, 157.6 करोड रूपए के वर्क आर्डर किए थे जिसमें 100 करोड रूपए का सामान आ गया था। (विघ्न) 5 साल तक कांग्रेस पार्टी ने इस काम को हाथ नहीं लगाया और 3 साल तक वर्तमान मुख्य मंत्री ने उस काम को नहीं छेड़ा। फाइलिंग वर्क हंड्रेड परसैंट पूरा हो गया था। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चरखी क्षेत्र के लिए बिजली सबसिडी में वृद्धि की गई। वर्श 1998–99 में साढे 8 करोड रूपए की सबसिडी दी गई जो कि चालू वित्त वर्श में 900 करोड रूपए तक पहुंचने की आ ाा है। किसानों के लिए बिजली की दरों की स्लैब प्रणाली लागू की है। पहले यह केवल दक्षिणी हरियाणा में ही लागू थी, इससे केवल 62 हजार किसानों को ही लाभ होता था और अब एक लाख 25 हजार किसानों को इसका फायदा मिलता है। इतना भारी बिजली सुधारीकरण कार्यक्रम भाुरू करने के बावजूद भी हमने यह सुनि ित किया है कि किसानों को रियायती दरों में बिजली मिलती रहेगी। सिंचाई तथा ड्रैनेज प्रणाली को सुद्ढ करने के लिए तथा बाढ नियंत्रण कार्यों पर

1069 करोड रूपए खर्च किए गए। लगभग सभी टेलों पर पानी पहुंचने लगा। सिंचित क्षेत्र में 6 लाख एकड की वृद्धि हुई है। पहले जो जमीन सैराब होती थी, इससे ड्रेनेज और नहरें साफ करने से 6 लाख एकड अतिरिक्त सिंचाई हो रही है। इससे हरियाणा के किसानों की 325 करोड रूपया साल की आमदनी बढी है। प्रदे ा में 240 नए रजबाहों को निर्माण किया गया है और 26 रजबाहों का विस्तार किया गया। हरियाणा की आगरा नहर के चैनलों के रख रखाव का कार्य हरियाणा सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। इससे मेवात क्षेत्र के सिंचित क्षेत्र में बढौतरी हुई है। हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण कार्य हमने पूरे जोर भाोर से भाुरू किया और निर्धारित समय से भी 3 महीने पहले ही इसका निर्णय कार्य पूरा कर दिया। अब इसे केवल विधिवत चालू किया जाना है। 202 करोड रूपए की लागत से बने इस बैराज से प्रदे ा की नहरों को 6000 क्यूसिक अधिक पानी मिलेगा और यह हथनीकुण्ड बैराज 17 जनू को बनकर तैयार हो चुका है। जबकि हमने कहा था कि यह हथनीकुण्ड बैराज 30 जून तक बन जाएगा लेकिन 17 जून को बनकर तैयार हो गया है। नाबार्ड द्वारा बाढ नियंत्रण की 77 करोड रूपए की लागत की 22 स्वीकृत स्कीमों में से 150 स्कीमें पूरी हो गई और 40 स्कीमों पर काम चल रहा है। नाबार्ड ने नए रजबाहे बनने व वर्तमान रजबाहों का विस्तार करने पर 132 करोड रूपए की लागत की 200 स्कीमें स्वीकृत की थी जिनमें से 116 स्कीमों पर कार्य हो चुका है और 48 पर कार्य प्रगति पर है। इसमें से लिफ्ट नहर प्रणाली के अन्तर्गत 122 माइनर्ज के निर्माण कार्य पर

77 करोड 19 लाख रूपए खर्च होने हैं और यह कार्य दिसम्बर 1999 तक पूरा होने की आ ाा है। इनके पूरा होने से भिवानी, महेन्दगढ़, रिवाड़ी, झज्जर जिलों में 84 हजार 500 एकड अतिरिक्त भूमि में सिंचाई होने लगेगी। इसके अलावा गुड़गांव, रिवाड़ी और झज्जर जिलों के 99 गांवों के 78790 एकड भूमि को सिंचाई सुविधाएं उपलबध कराने के लिए रिवाड़ी उठान योजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण पर 46 करोड 50 लाख रूपए की लागत आएगी। इस योजना में 15 माइनर्ज में से 7 माइनर्ज का निर्माण कार्य भाुरू हो चुका है। बाढ, रिसाव तथा लवणता महम ड्रैन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। लाखन माजरा ड्रैन का काम अन्तिम चरण में है और यह कार्य भीघ्र ही पूरा हो जाएगा। 25 करोड रूपये की लागत से बनने वाली ड्रेनों से महत हल्के के 51 गांवों को फायदा होगा। किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के तहत वर्श 1996–97 तथा 1997–98 में जिन किसानों की फसलें प्राकृतिक आपदाओं के कारण 50 प्रति ात या उससे अधिक खराब हो गई थीं उनका रूपये के अतिरिक्त कर्जे दिए गए और ब्याज की दर भी 16 प्रति ात से घटाकर 14 प्रति ात की गई। फसली ऋणों की अधिकतम सीमा 50 हजार रूपये से बढा कर 60 हजार रूपये की गई और गन्ने का दे ा भर में सब से अधिक 95/–रूपये प्रति क्विंटल का भाव हमने दिया। किसानों के गन्ने की कीमतें हम बराबर वैसे तो देते रहे हैं अब 18–20 करोड रूपये बाकी हैं वह भी जल्दी ही चुका देंगे। किसानों के लाभ के लिए किसान सहारा स्कीम चालू की गई। इस स्कीम के तहत

हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरे ान के गोदामों में रखी गई किसानों की उपज पर ब्याज की रियायती दरों पर कर्जा दिया जाता है। किसान गोदाम में रखी गई उपज के 75 प्रति ात मूल्य के बराबर कर्ज ले सकता है। अब किसानों को मजबूरी में सस्ते भाव पर अपनी उपज नहीं बेचनी पडेगी। ट्रैक्टर व कृशि म ीनों तथा टयूबवैल्ज भूमि सैम्पल करने और भूमि सुधार, बागवानी भूमिगत पाईप लाइन बिछाने, आदि के काम के लिए 3 लाख रूपये के कर्ज को स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रे ान फीस से छूट दी गई। सहकारी कर्जों की वसूल कै लिए गिरफ्तारियां बंद की गई। किसानों को अपनी फसल सुविधापूर्वक बेचने में मदद करने के लिए 3 नई मार्किट कमेटियां स्थापित की गईं और ग्रामीण क्षेत्रों में 6 नये खरीद केन्द्र स्थापित किए गए तथा 14 नई मण्डियों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। हमने राज्य में 5 राजमार्गों तथा एक जिला सडकी को जिसकी लम्बाई 690 किलोमीटर होगी, नै ानल हाईवे बनवा लिया जिसका खर्चा भारत सरकार वहन करेगी। राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा 278 किलोमीटर लम्बी नई सडकों का निर्माण किया गया, 1073 किलोमीटर लम्बी सडकों को तोड कर सुदृढ किया गया और 5205 किलोमीटर लम्बी सडकों पर बजरी व तारकोल की नई परत बिछाई गई। इसके अलावा हरियाणा मार्किटिंग बोर्ड ने 766 किलोमीटर लम्बी नई सडकें बनाई हैं। चण्डीगढ़ में सैक्टर 17 में बस स्टैंड कै समीप आठ मंजिला सिविल सचिवालय का निर्माण लगभग 9 करोड रूपये की लागत से एक साल के रिकार्ड समय में पूरा किया गया है। इसके बन जाने

से राज्य सरकार को हर माह लाखों रूपये के किराये की बचत हुई है। वहीं आम जनता को सभी कार्यालय एक छत के नीचे आ जाने से बहुत भारी सुविधा हुई है। पंचकूला, अम्बाला चरण–2, और कैथल में लघु सचिवालय का निर्माण किया गया है। यमुना नगर, रोहतक, रिवाड़ी, फतेहाबाद, झज्जर, करनाल तथा दादरी में लघु सचिवालयों का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है। न्यायिक परिसर डिविजनल कम्पलैक्स, पंचकूला का निर्माण हो चुका है। यमुना नगर, कैथल, रिवाड़ी, करनाल, लोहारू तथा दादरी में न्यायिक परिसरों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है और अम्बाला में भीघ्र भारू होने वाला है। 781 स्कूलों का दर्जा बढाया गया है। प्रत्येक जिले में एक एक स्कूल को आद र्ा स्कूल बनाया गया है। आठ राजकीय कॉलेज तथा 8 सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज स्थापित किए गए हैं। अहिरवाल के नांगल चौधरी और अटेली मण्डी स्थित दो कालोनियों का प्रबंध सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। किसान नगर, नारनौल में सरकार कालेज खोला गया है। महेन्द्रगढ़ में लड़कियों के लिए राजकीय कालेज खोला गया है। नारनौल में एक सरकार बी0एड0 कालेज स्थापित करने के लिए 75 लाख रूपए दिए गए हैं और इसमें आगामी सत्र से कक्षाएं भारू हो जाएंगी। जे0बी0टी0 की सीटस 2180 से बढाकर 3510 तथा ओ0टी0 की सीटस 300 से बढा कर 850 कर दी गई हैं। 12000 अध्यापकों की भर्ती की गई है। प्रदे ा में 16 नए इंजीनियरिंग कालेज तथा 20 व्यावसायिक संस्थाएं भारू की गई हैं। पंजाबी को दूसरी भाशा का दर्जा दिया गया है। हरियाणा

पंजाबी साहित्य अकादमी स्थापित की गई हैं। पीने का साफ पानी सुनि चित करने के लिए नहरी पानी पर आधारित पेयजल योजनाओं की फिल्टरा मीडिया की सफाई और इनकी मिटटी निकालने की ओर वि ोश ध्यान दिया गया है। प्रदे ा के 1957 गांवों की पेयजल सप्लाई में बढौतरी की गई तथा 228 ढाणियों को पेयजल उपलब्ध करवाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी के 41250 घरेलु कनैक् ान दिए गए हैं। अहिरवाल क्षेत्र में जहां भूमिगत क्षेत्र फ्लोराईड की मात्रा अधिक है, के लिए नहरी पानी पर आधारित 21 पेयजल योजनाएं भ्रु की गई हैं जिनमें से 6 पूरी की जा चुकी हैं। अंबाला सदर, कैथल और सोनीपत में नई पेयजल योजना भ्रु की गई है। अंबाला छावनी में 15 करोड की लागत से नहरी पानी पर आधारित योजना तथा भिवानी भाहर के लिए 20 करोड की लागत से जलघर बनाने की योजना लागू की जा रही है। भाहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति योजनाओं पर 37 करोड 33 लाख रूपए की रा ि ा खर्च की गई है। यमुना ऐक् ान प्लान के तहत यमुनानगर, जगाधारी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव, पलवल, फरीदाबाद, छछरौली, रादौर, इन्द्री, घरौंडा और गोहाना में ट्रीटमैंट प्लांट लगाने पर 159 करोड 30 लाख रूपए खर्च किए गए हैं। फरीदाबाद तथा गुड़गांव में एक एक ट्रीटमैंट प्लांट तैयार हो गया है। सोनीपत में ट्रीटमैंट प्लांट तैयार हो गया है।

बडी तथा मध्यम स्तर की 168 यूनिटस और 12415 यूनिटस स्थापित की गई हैं। इनमें 90490 लोगौं को रोजगार मिला है। जिला गुड़गांव में अहिरवाल क्षेत्र के गांव मानेसर में 450 करोड रूपए की लागत से उद्योग मिडिल टाऊन की स्थापना की स्थापना की जा रही है जो कि 1749 एकड के क्षेत्र में फैला होगा। रिवाड़ी जिले में अहिरवाल क्षेत्र के गांव बावल में उद्योग केन्द्र के प्रथम चरण का कार्य पूरा किया गया है तथा दूसरे चरण का कार्य चल रहा है। सोनीपत के गांव बडी में 275 एकड भूमि पर हौजरी कम टैक्सटाईल से एस्टेट विकास का कार्य किया जा रहा है।

श्रमिकों को बढिया चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए अलग से इ0एस0आई0 निदे ालय बनाया गया है। भिवानी में 1 करोड 23 लाख रूपये की लागत से इ0एस0आई0 अस्पताल बनाया गया है। गुड़गांव और सोनीपत में भी इ0एस0आई0 अस्पताल बनाया गया है। 1 जनवरी 1999 से अकु ाल श्रमिकों को न्यूनतम वेतन 1901 रूपए प्रति मास देना निर्धारित किया गया है। यह उत्तरी प्रदे ा में दिल्ली को छोड कर सबसे ज्यादा है।

बे–रोजगार युवकों को आजीविका कमाने के लिए सक्षम बनाने के लिए उन्हें मैक्सीकैब की 6458 परमिट दिए गए हैं। स्व रोजगार की विभिन्न स्कीमों के तहत गत तीन वर्शों में 18911 लोगों को 62 करोड 78 लाख रूपयों के ऋण दिए गए। इसके अलावा दस हजार महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध

करवाने के लिए 1998–99 में चार करोड 48 लाख रूपये की हरियाणा महिला डेयरी योजना लागू की गयी है। हमने केन्द्रीय पट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से मांग की है कि ि ाक्षित बेरोजगार युवकों की सहकारी समितियों को रसोई गैस, मिटटी के तेल एवं डीजल की डिलरि ाप एजेंसियां दी जाएं।

बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों को वायदे के अनुसार हर महीने की सात तारीख को पैं ान दी जा रही है और ग्रामीण चौकीदारों का मासिक भत्ता तीन सौ रूपये सक बढाकर चार सौ रूपये किया गया तथा वर्दी भत्ता बढाकर पांच सौ रूपये सालाना कर दिया है। इस तरह से किसी भी वर्ग का हक नहीं मारा गया है। अनुसूचित जातियों एवं पिछडे वर्गों के व्यक्तियों के सामाजिक एवं आर्थिक द ाा सुधारने के लिए 74 करोड 21 लाख रूपये की रा ि ा खर्च की गयी है। इसके अलावा इन्हीं वर्गों के लोगों को नौकरियों में आरक्षण का पूरा लाभ दिया गया है। इन वर्गों के लोगों को पुलिस भर्ती में भौक्षणिक योग्यता और भाारीरिक मापदंडों में छूट दी गयी है। सिपाही की भर्ती के लिए न्यूनतम भौक्षणिक योग्यता दसवीं से कम करके आठवीं की गयी और आयु में पांच वर्श की छूट तथा ऊंचाई एवं छाती के माप में एक इंच की छूट दी गयी है। इंदिरा आवास योजना के तहत 42 करोड 86 लाख रूपये खर्च करके 20690 मकानों का निर्माण किया गया है।

स्वतंत्रता सेनानियों और आजाद हिन्द फौज के सदस्यों की पैं ान बढा कर 1400 रूपये प्रति मास और चिकित्सा भत्ता

बढा कर 125 रूपये प्रति मास किया गया है। प्लाट अलौट करने और भौक्षिक संस्थाओं में सर्विस आदि के लिए मुख्य मंत्री के स्वैच्छिक कोटे को हमने आते ही समाप्त कर दिया था। इसके अलावा झज्जर और फतेहाबाद दो नये जिले भी बनाये गये। साथ ही उच्च स्तर पर भ्रश्टाचार रोकने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति की गयी। अध्यक्ष महोदय, हमने जो लोकायुक्त बनाया वह इलाहाबाद हाई कोर्ट का सिटिंग जज था रिटायर्ड जज नहीं। मैं पब्लिक मीटिंग्ज में कहता हूं कि कोई भी आदमी मुख्य मंत्री से लेकर नीचे तक अपने अधिकारियों के खिलाफ ि ाकायत करना चाहता है तो उसको लोकायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़ को लिखना चाहिए। इस लोकायुक्त ने पूरे हरियाणा का दौरा किया और हर जिले में जाकर उन्होंने यह कहा है कि चाहे एम0एल0ए0 के खिलाफ कोई ि ाकायत हो, चाहे मिनिस्टर के खिलाफ कोई ि ाकायत हो, चाहे एम0एल0ए0 के खिलाफ कोई ि ाकायत हो, चाहे मिनिस्टर के खिलाफ कोई ि ाकायत हो, चाहे एम0एल0ए0 के खिलाफ कोई ि ाकायत हो या किसी अधिकारी के खिलाफ कोई ि ाकायत हो यानी सारी ि ाकायतें लोकायुक्त के पास की जा सकती हैं। उन्होंने कहा है कि मैं किसी के मातहत नहीं हूं। वे मेरे जिले में भी गये हैं। इसी तरह से व्यापारियेां को राहत पहुंचाने के लिए कर नियमों एवं प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। कई वस्तुओं पर बिक्री कर कम किया गया है और व्यापारियों की दो रूपये से ढाई रूपये आढत भी मैंने ही की है।

छोटे व्यापारियों जिनका कि व्यावसायिक कारोबार 25 लाख से अधिक नहीं है उनके लिये स्वयं कर निर्धारण स्कीम लागू की गई है जिससे 60 हजार राजकीय पंजीकृत व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिये पांचवें वेतन आयोग की सिफारि ें लागू की गई। इससे सरकारी खजाने पर अब तक की 2205 करोड 27 लाख रूपये का अतिरिक्त भार पडा है और अब हमारा 5वें पे कमी ान प्लस डियरनैंस अलाउंस पर जो सालाना खर्चा है, 1000 करोड रूपये साल का तनख्वाह का बिल बढ गया है। वि वविद्यालयों और कालेजों के प्राध्यापकों के यू0जी0सी0 की सिफारि ाों के आधार पर भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सं ाोधित वेतन मान–1 जनवरी 1996 से दिये गये। अनुदान पाने वाले गैर सरकारी कालेजों और सहायता प्राप्त विद्यालयों के कर्मचारियों के लिये 11 मई, 1998 से पैं ान योजना भाुरू की गई। नगरपालिका कर्मचारियों को भी पांचवें वेतन आयोग के अनुसार सं ाोधित वेतनमान दिये गये। अध्यक्ष महोदय, अभी थोडी देर पहले ही चौटाला साहब कह रहे थे कि जमीन कम का त हुई और फसल कम हुई। मैं उनको इतला के लिये बताना चाहूंगा कि हमारी स्टेट में 1997–98 में 20 लाख 64 हजार हैक्टेयर जमीन का त हुई थी, 1998–99 में यह बढ कर 22 लाख हैक्टेयर हो गई यानी 3 लाख 36 हजार हैक्टेयर जमीन में ज्यादा फसल का त हुई और 1997–98 में 75 लाख 54 हजार टन गेहूं

पैदा हुई, 1998–99 में 38 लाख 65 हजार टन हुई। ये तीनों चारों फिगर्ज जब से हरियाणा बना, तब से लेकर आज तक सबसे ज्यादा हैं। चौटाला साहब को पता नहीं कैसे ख्याल हो गया कि का त नहीं हुई और फसल कम हुई। हमने किसानों की जिप्सम या अन्य किसी चीज की कोई सबसिडी बन्द नहीं की। बिजली के सब स्टे ान के बारे में सब कुछ श्री अत्तर सिंह सैनी बता चुके हैं। इसके अलावा चौटाला साहब की सरकार थी तो 1987–88 में 3235 टयूबवैल्ज कनैक ान्ज डिस कनैक्ट हुये, 1988–89 में 2399 टयूबवैल्ज कनैक ांज डिस कनैक्ट हुये और 1989–90 में 1750 टयूबवैल्ज कनैक ान्ज डिस कनेक्ट हुये। यह कोन्टीन्यूइंग प्रौसेस है, कटते रहते हैं और लगते रहते हैं। इसी तरह चौटाला साहब की सरकार में 1987–88 में 9966 डोमैस्टिक कनैक ान्ज कटे और 1988–89 में 8184 व 1989–90 में 9961 डोमैस्टिक कनैक ांज कटे यानी 28111 डोमैस्टिक कनैक ांज भी इनके राज में कटे। अब जो टयूबवैल्ज कटे हैं उसमें 1996–97 में 33411, 1997–98 में 15578 तथा 1998–99 में 19364 टयूबवैल्ज कनेक ान्ज कटे हैं।

उन टयूबवैल्ज के कनैक ान्ज इसलिये कटे क्योंकि बाढ आ गई थी और टयूबवैल को बिजली नहीं दी जा सकती थी। किसानों ने अपने आप कनैक ान कटवा लिए। बाकी हमने किसके काटे ? जो कभी भी बिजली का बिल न दे तो बगैर पैसे तो हम बिजली नहीं दे सकते।

श्री संपत सिंहः यह बताएं कि नये कनैक ान्ज कितने दिए हैं ?

श्री बंसी लालः इसके अलावा हमने 1996–97 में टयूबवैल के 1895 कनैक ान्ज दिये, 1997–98 में 960 और 1998–99 में 835 और कुल मिलाकर 2090 कनैक ान्ज दिये। डौमैस्टिक कनैक ान्ज 1996–97 में 155309, 1997–98 में 136934, 1998–99 में 124172 और कुल मिला कर नये डोमैस्टिक कनैक ान्ज 416415 दिये।

श्री संपत सिंहः ऐग्रीकल्चर सैक्टर में 1987 से 1991 तक कितने कनैक ान्ज दिए ? आपने सिर्फ अपने टाइम के तीन साल के दो हजार कनैक ांज के बारे में बता दिया।

श्री बंसी लालः चौटाला साहब ने कहा था कि इन्होंने कोई नये कनैक ान नहीं दिए, मैंने उसका जवाब दिया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः तीन साल में लगभग 67 हजार कनैक ान्ज आपने काटे।

श्री बंसी लालः हमने 68353 टयूबवैल डिसकनैक्ट किए और 2600 नये दिए। बाकी इनके वक्त के डयोढे टयूबवैल के कनैक ान ऐसे हैं जो आज पैसे भरी दें तो सुबह कनैक ान लग जाएगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अब जिनाक समर्थन आपने लिया है उनका फैसला यह है कि बिना पैसे बिजली और पानी देना पड़ेगा। नही ंतो सरकार नहीं चलेगी।

श्री बंसी लालः आप भी यही वायदे रोज करते फिर रहे हो कि हम बिना पैसे बिजली और पानी देंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अब जिनसे समर्थन ले रहे हो उनको फैसला भी यही है।

श्री बंसी लालः ये कह रहे हैं तो हम देंगे। चौटाला साहब ने कहा कि हमने कोई वायदा पूरा नहीं किया हमने करीब करीब सभी मेजर वायदे पूरे कर दिए। इन्हौंने मैनडेट की बात कह दी। मैनडेट जो दिया था वह हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों को मिल कर दिया था और इस बात पर कि पांच साल मुख्य मंत्री बंसी लाल रहेगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लोगों में यह भार्त नहीं था। जनता में यह कोई भार्त नहीं थी।

श्री मनी राम गोदाराः मैं गलत बात नहीं करता। जनता से वायदे करके वोट लिए थे और एक बात का फैसला हुआ था कि चीफ मिनिस्टर हरियाणा विकास पार्टी के चौधरी बंसी लाल पूरे पांच साल रहेंगे और सैंटर के अंदर जो कोई भी राज होगा उसका बी0जे0पी0 का कोई भी ओहदेदार होगा। सैंटर के अंदर प्राइम मिनिस्टर बी0जे0पी0 का होगा।

श्री बंसी लालः एक बात चौटाला साहब के बारे में कही गई थी पता नहीं किसने कही थी मेरे ख्याल से श्री राम बिलास भार्मा ने कही थी कि चाहे सारा गांव मर जाए तुम सरपंच नहीं बनते। यह बात चौटाला साहब के बारे में श्री भार्मा ने कई बार इस सदन में कही थी लगता है वही आपको याद रह गई। चौटाला साहब लॉ एण्ड ऑर्डर की बात करते हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप विधान सभा भंग करने का रेजोल्यू ान कर दो फिर सारा रोग कट जाएगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे ताज्जुब होता है कि चौटाला साहब जब मुख्य मंत्री थे तो महम में कितना लॉ एण्ड आर्डर हुआ था और कैसा लॉ एण्ड आर्डर था ? एस0पी0 भिवानी के लिए इलैक ान कमी ान की तरफ से ये हिदायतें दी गई थी कि एस0पी0 भिवानी महम हल्के में नहीं जायेगा और न ही अपना स्टे ान छोड कर कहीं जाएगा। लेकिन गवर्नमैंट की तरफ से चौटाला साहब की ये हिदायतें थी कि आई0जी0 वही बात मानेगा जो एस0पी0 भिवानी कहेगा। सारी गाडियां और वायरलैस उसी कांस्टीच्युंसी के नाम से चलते थे। वहां के कैंडीडैट सामने बैठे हैं। उसके बाद क्या हुआ जब अमीर सिंह क दाह संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी तो उसी समय श्री दांगी के मकान पर पुलिस ने हमला बोल दिया। एक लडकी जिसका कोई कसूर नहीं था तो उसी समय श्री दांगी के मकान से बाहर निकली और उसको भी गोली लग गई। वह लड़की मर गई इसके अलावा एक दो आदमी

और भी मरे। मैंने खुद जाकर श्री दांगी का घर देखा तो क्या देखा कि श्री दांगी के घर पर इतनी ज्यादा गोलियां लगी हुई थील कि इतनी गोलियां तो जलियावाला बाग की दीवारों पर भी नहीं लगी होंगी।

श्री धीरपाल सिंहः चौधरी साहब, आज इतनी हमदर्दी और तारीफ के भाब्द आपकी जबान पर श्री दांगी के प्रति कहां से आ गये ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने कभी किसी की बुराई नही की। ये तो मैं इनकी करतूतें बता रहा हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः और मण्डीयाली की करतूत किसकी थी।

श्री बंसी लालः वे भी आपकी ही थी। रोज वहां जाकर लोगों को बहकाया करते थे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जमीन का जिक्र किया कि हमने सारे कायदे कानून ताक पर रखकर गुड़गांव की जमीन को टी0सी0आई0 को दे दिया। जब ये लोग बोल रहे थे तब मैं अपने दफ्तर में बैठा इनकी बातें सुन रहा था। मैंने उसी वक्त टी0सी0आई0 वालों को फोन किया और पूछा कि उन्होंने यह जमीन कब ली थी। टी0सी0आई0 वालों ने मुझे बताया कि हमने यह जमीन 1995 में ली थी उस समय तो मैं मुख्यमंत्री नहीं था। तब मैंने उनसे पूछा कि 1995 में कौन से महीने में ली थी। तब टी0सी0आई0 वालों ने कहा कि हम दस

मिनट में टैलीफोन करते हैं। दस मिनट बाद उनका टैलीफोन आया और उन्होंने बताया कि मार्च 1995 में हमने यह जमीन ली थी और उस समय हुडा ने अखबारों के माध्यम से एक विज्ञापन दिया था उस विज्ञापन में इस जमीन की कीमत निर्धारित की गई थी। हमने उसमें एप्लाई किया तो उसी विज्ञापन के माध्यम से हमें यह जमीन मिल गई। उस समय अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रदे ा का मुख्य मंत्री नहीं था। अध्यक्ष महोदय, बादल साहब के लडके को जमीन किसने दी ? किस रेट पर दी। उस जमीन की कीमत 150–200 करोड रूपये है और वह जमीन सारे कायदे कानून ताक पर रख कर दी गई।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान हैं। मेरे बारे में अनर्गल बातें कही गई हैं।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिये। जो चौटाला साहब कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

23.00 बजे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ...
.....

श्री अध्यक्षः श्री ओम प्रका ा चौटाला जी जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। चौटाला साहब, आप बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटलाः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः श्री ओम प्रका ा चौटाला जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। चौटाला साहब मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि आप बगैर इजाजत लिये न बोलें, आप बीच बीच में खडे होकर बोलना भाुरू कर देते हैं, पता नहीं आपने इस हाउस को क्या समझा हुआ है। प्लीज आप बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब आपसे परमि ान लिये बगैर ही बोलते रहते हैं, यह हाउस की गरिमा नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, इस जमीन के बारे में इंकवायरी होनी चाहिए। मुख्य मंत्री महोदय ने इस जमीन के बारे में पूरे सदन को गुमराह किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट के बारे में राम बिलास जी ने कहा कि मैंने उसकी ग्रांट बंद कर दी। इस बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं कि 11–7–95 को 11.30 बजे चौधरी भजन लाल जी की अध्यक्षता में उनके कमरे में एक मीटिंग हुई। चौधरी भजन लाल जी उस सम मुख्य मंत्री थे। उस मीटिंग में कौन कौन हाजिर थे मैं बताता हूं।

एक तो उसमें बनारसी दास गुप्ता, भूतपूर्व मुख्य मंत्री थे। श्री एल0सी0 गुप्ता, रिटायर्ड आई0ए0एस0, एडवाईजर, श्री घन याम दास गोयल, श्री राम कुमार गुप्ता, श्री एफ0सी0 सिंगल, श्री बी0डी0 अग्रवाल। ये 6 आदमी तो कॉलेज की तरफ से थे। सरकार की तरफ से श्री मांगे राम गुप्ता, वित्त मंत्री हरियाणा, श्री धनेन्द्र कुमार, आई0ए0एस0, पी0एस0–सी0एम0, श्रीमतति सुधा भार्मा, स्पै ाल सैक्रेटरी, श्री धनपत सिंह, ज्वायंट सैक्रेटरी, हैल्थ, श्री ि ाव रमन गौड़, आई0ए0एस0, पी0एस0–सी0एम0 उस मीटिंग में मौजूद थे तथा उस मीटिंग की प्रोसीडिंग्ज में यह लिखा हुआ है :–

"Shri Banarsi Dass Gupta, Ex C.M., Haryana and Patron of the society requested the Hon'ble C.M. that recurring expenditure to the tune of 99% be given by the Govt., to run the medical College as provided in the agreement vide condition No. 9. The Hon'ble C.M. told Sh. B.D. Gupta and other office bearers of the Society that the State Govt. has spent an amount of Rs. 1.12 crores for acquisition of 267 acres and 14 marlas of land for the institute. Apart from this, another Rs. 4.94 crores have been given as matching grant by the State Govt. for construction of Medical College Building. No other private institute in the State has been given so much financial in view the decision of Hon'ble Supreme Court in the Writ Petition (C) No. 317/93 TMA Pai Foundation and other V/S State of Karnataka and others decided on 13-5-1994 whereby the Medical College was free to charge upto Rs. 1.10 lacs per annum from the students seeking admission against payment seats. The Medical College was also entitled to charge

any amount from those seeking admission under NRI quota. Therefore, the society should run the Medical College and Hospital on its own without seeking any Govt. help for recurring expenses. A decision to this effect was taken by the Govt. and conveyed to the society.

Sh. L.C. Gupta, IAS (Retired) Adviser of the Society requested that until the college became fully functional after getting recognition form Medical Council of India, the society will not be able to meet the recurring expenses from the capitation fee taken for payment seats. He requested on behalf of the society that for the current year, the Govt. may bear recurring expenses in the ratio of 99:1 from the existing budget provision as lot of medical equipments are to be purchased and salary of the staff working in the Medical College is to be provided. All other members of the Society also made similar requested for sympathetic consideration.

After detailed discussion, it was agreed that the recurring expenditure for the current financial year i.e. upto 31-3-1996 will be borne by the State Govt. in the ratio of 99:1 from the existing budget provision. Matching grant for construction will given to the society against the amount to be deposited by the society for construction work. This arrangement would be valid only for the current financial year. The amount of fee charged by the Medical Authorities against payment seats will be deducted from the grant while releasing the grant for recurring expenses. Since hostel expenses are chargeable from the students, no expenditure on account of hostel facility will be re-imburseable as recurring expenditure.

Before releasing the grant, Health Department would ensure that it is done in accordance with the norms after taking returns/details of expenditure from the society.

Meeting ended with a vote of thanks to the Chair."

अध्यक्ष महोदय, इस कालेज को ग्रान्ट देते समय ये सब भाामिल थे। इसमें 12 आदमियों में 8 आदमी अग्रवाल समुदाय के थे। पूरी डिटेल से डिस्क ान करने के बाद इतफाक राय से फैसला हुआ था। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरकार से अब तक इस कालेज को 10 करोड 30 या 40 लाख रूपये जा चुके हैं। हमने हरियाणा की दूसरी संस्था को इस रा ि का 20वां हिस्सा भी आज तक नहीं दिया है। यह उस वक्त के चीफ मिनिस्टर ने फैसला किया था। उन्होंने सबसे बात करके और सबकी इतफाक राय से यह फैसला किया था। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस कालेज का पैट्रन हूं और फाउंडर मैम्बर भी हूं। अभी मुख्य मंत्री जी ने जिस मीटिंग का हवाला दिया। वह 11–7–95 को हुई थी और उस मीटिंग के डिस्टोर्टिड मिनटस 2–8–95 को जारी हुए थे। जैसा कि मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं कि तीनों किस्म की ग्रान्ट बंद हो गई है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, इन्होंने तो यूं ही बीच में बोलते रहतना है, ये हमें अपनी बात कहने नहीं दे रहे। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। मैं आपकी इजाजत से बोल रहा हूं। (ाोर एवं विघ्न) मेरे पास लैटर की कापी है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, श्री राम बिलास भार्मा ने चर्चा की थी कि एम0डी0यू0 रोहतक का खर्चा बन्द कर दिया। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप जो लैटर ले रहे हैं उसे सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंहः सर, मेरी बात तो सुन लें, यह गवर्नमैंट का लैटर है, मुझे पढने तो दें।

श्री अध्यक्षः मैंने कहा है कि इसे आप सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंहः पहले मुझे पढने दें, बाद में सदन की टेबल पर रख दूंगा। इन्होंने तो अपनी सारी बात कह दी।

श्री अध्यक्षः पहले आप यह लैटर सदन की टेबल पर रख दें, बाद में बोल लेना।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी कोई टाईम लिमिट है या इनको बोलने की पूरी छूट है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपकी ऐसी क्या मजबूरी है कि आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे। (विघ्न) श्री राम बिलास भार्मा ने एम0डी0यू0 के खर्चे के बारे में कहा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री सम्पत सिंहः सर, आपने ही मुझे समय दिया है, आप मुझे बोलने नहीं दे रहे। (ाोर)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये सबसे ज्यादा टाईम ले जाते हैं और फिर भाोर भी सबसे ज्यादा मचाते हैं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी आपसे एक रिक्वैस्ट है कि इस लैटर की कापी सदन की टेबल पर रख दें। (ाोर) पहले आप लैटर की कापी सदन की टेबल पर रख दें।

श्री सम्पत सिंहः मेरे पास एक कापी है यदि मैं वह सदन की टेबल पर रख दूंगा तो फिर पढूंगा क्या। मुझे पहले यह लैटर पढने दें, फिर मैं यही लैटर सदन की टेबल पर रख दूंगा। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः पहले आप अपनी सीट पर बैठिये। (ाोर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, ये अपनी बात तो पूरी कह गये और हमको बोलने देना नहीं चाहते। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय .....

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री सम्पत सिंहः .....

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप सुनिए। अगर आप इसको जरूरी डौक्यूमैंट मानते थे तो जब आप तकरीबन 40 मिनट बोले तो you did not refer this letter at that time. Please take your seat. (interruptions)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी ने एम0डी0यू0 का खर्चा बन्द करने की बात कही। हमने किसी यूनिवर्सिटी का कोई खर्चा बन्द नहीं किया। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए। आप सभी काफी समय बोल चुके हैं। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप मुझे बोलने का टाईम दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। आपको बोलने के लिए बहुत समय दे दिया।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं यह लैटर पढ देता हूं।

श्री अध्यक्षः नहीं–आप कृपया बैठ जाएं। (ाोर) Nothing to be recorded without my permission. मैंने आपको यह कहा है कि जब आपको बोलने के लिए तकरीबन 45 मिनट का समय दिया गया था उस समय आपने इस लैटर को रैफर क्यों नहीं किया। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब .....

Mr. Speaker: I warn you please take your seat. (interruptions)

श्री सम्पत सिंहः .....

Mr. Speaker: Sampat Singh ji, I again warn you, please your seat. (interruptions)

श्री सम्पत सिंहः .....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब मुख्य मंत्री भी रहे हैं। लीडर ऑफ दि हाउस जो कहता है that is a documentary proof सम्पत सिंह ने जो कुछ कहा है, वह रिकार्ड ना किया जाए।

श्री बंसी लालः अगर मैंने गलत कहा है तो आप मेरे खिलाफ प्रिविलेज मो ान ले आएं। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री हाउस को गुमराह कर रहे हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी सीटों पर बैठें (विघ्न एवं भाोर) मैं आपसे यह निवेदन कर रहा हूं कि अगर आप यह कहते हैं कि लीडर ऑफ दि हाउस, हाउस को गुमराह कर रहे हैं, फैक्टस से दूर हैं तो आप लिख कर दे दें और इनके खिलाफ प्रिविलेज मोसन ले आएं (विघ्न एंव भाोर) मैं दोबारा आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि प्लीज अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एंव भाोर) मैं दोबारा आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि प्लीज अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं भाोर) चौटाला साहब, आप एक बार नहीं बल्कि तीन बार मुख्य मंत्री रह चुके हैं इसलिए आपको अच्छी तरह से पता है कि लीडर ऑफ दि हाउस जो कहता है वह फैक्ट होता है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बंसी लालः मैं जो कह रहा हूं वह आफि ायल डौकुमैंट के बेसिस पर कह रहा हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं आप सबसे रिक्वैस्ट करूंगा कि इस प्रकार से बोलने से बात नहीं बनेगी। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपनी सीटों पर बैठिये। (विघ्न एवं भाोर) कोई डौकुमैंट की बात नहीं है, आप अपनी सीट पर बैठिये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप बैठिए। (विघ्न एवं भाोर) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं भाोर) इनके पास अगर सारी रिपोर्ट है तो ये लिख कर दें और प्रिविलेज मो ान ले आएं। (विघ्न एवं भाोर) Chautal Sahib, I request you to take

you seat. (Interruptions) I warn you please take your seat. (Interruptions).

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की पार्टी उस वक्त कहती थी कि भाजपा दे ा की सबसे बडी धोखे बाज पार्टी है। हमने भाजपा के साथ उस समय समझौता किया जब यह पार्टी सियासी तौर पर अछूत थी और सिवाय ि ावसेना के इसे किसी ने मुंह नहीं लगाया था, आज ये लोग मुझे कहते हैं कि लोग हमारे साथ नहीं हैं। मैंने इनके जैसा ना भाुकरगुजार आज तक नहीं देखा। इन्हें तो मेरा अहसानमन्द होना चाहिए था कि मैं उस समय इनके साथ मिल कर चलने को राजी हो गया जब लोग इनके साथ मिलने से डरते थे, मैंने उस वक्त सोचा था कि भाायद मेरी सोहबत का कुछ असर इन पर भी हो जाए पर ये तो जिनिटल धोखेबाज हैं। बेचारी जयललिता के खिलाफ पोस्टर छाप दिए। अध्यक्ष महोदय, ये लोग अपना इतिहास देखें। श्रीमती लक्ष्मी पार्वती के साथ इन्होंने मिल कर चुनाव लडा और बाद में ये चन्द्रबाबू नायडू के साथ लग गए। राजनीतिक बात तो अलग है परन्तु इन्होंने उस बेचारी की तरफ पलट कर हाल भी कभी नहीं पूछा। इन्होंने मायावती का साथ लिया और जब उसके साथ मतभेद हो गए तो इन्होंने उत्तर प्रदे ा में उसकी पार्टी तोड दी, फिर इनकी बे ार्मी देखिए कि केन्द्र में अपनी सरकार बचाने के लिए उसी मायावती की चौखट पर जाकर खडे हो गए लेकिन उसने भी इन्हें मौके पर अंगूठा दिखा दिया तो उसके भी पोस्टर निकाल रिए कि यह हमसे धोखा है। इनको अपने वायदे तो याद

नहीं, परन्तु उसने कर दिया तो कहने लगे कि धोखा है। (विघ्न) जयललिता सांझे मोर्च में भाामिल हुई मगर उसके मुखालिफ पार्टी के साथ सौदाबाजी की, हमारी सरकार में भाामिल होकर इन्होंने चौटाला के साथ सौदाबाजी की। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कभी किसी का साथ दिया ही नहीं। दो बार चौधरी देवी लाल के साथ धोखा किया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं अहसानमंद हूं श्रीमती सोनिया गांधी का जिन्होंने आज हमारी सरकार बचाई। इसके अलावा नेहरू खानदान के साथ मेरा पुराना संबंध है। पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने मुझे राज्य सभा का मैम्बर बनाया, इन्दिरा जी ने मुझे मुख्य मंत्री बनाया और इन्दिरा जी ने ही मुझे रक्षा मंत्री बनाया और श्री राजीव गांधी ने मुझे हिन्दुस्तान के सबसे बडे पोर्टफोलियों का मंत्री बनाया। अब सोनिया गांधी कम्यूनल फोर्सिज के खिलाफ लड रही है तो इसलिए हम भी उनका साथ डट कर देंगे। उनकी गाईडैंस में चलेंगे और उनके साथ रहेंगे। मैं सोनिया जी का बार बार धन्यावाद करता हूं और जो इन भाईयों ने साथ दिया है उसके लिए मैं इनका भी धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार ने इस 30 जून को हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का वायदा किया था जो कि इसी बुधवार को पूरा हो जाएगा। श्री ओम प्रका ा चौटाला को 24 घंटे मिलने वाली बिजली का करंट अभी से लग रहा है। भाजपा ने हमारी पार्टी में फूट डालने की कोि ा ा की और अलोकतांत्रिक प्रयास करते रहे ताकि यह सरकार 24 घंटे बिजली देने के वायदे को पूरा न कर सके और इन्हीं पचडों में उलझी रहे। लेकिन मैं

इस सदन के माध्यम से हरियाणा की जनता को यह वि वास दिलाता हूं कि उन्हें इस बुधवार से 24 घंटे बिजली मिलनी भाुरू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अब इसके बाद मुझ पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि मेरी सरकार ने विकास के कोई काम नहीं किए हैं, यह असत्य और गलत बात है। अगर प्रधान मंत्री जी के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है तो वे मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लें, इन्क्वायरी कर लें, वे चाहे जो मर्जी कर लें। अध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 के प्रवक्ता ने हरियाणा सरकार से समर्थन वापिस लेने के बाद कहा कि हम गंगा जी नहा लिए हैं यह बिल्कुल ठीक बात उन्होंने कही है। हम सभी जानते हैं कि हमारे यहां गंगा कब नहाया जाता है, मैं तो यही कहता हूं कि ई वर इनकी आत्मा को भाांति दे। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय, के आदे ा का सम्मान करते हुए आज हम इस सदनमें वि वास का मत लेकर आए हैं। लेकिन आज हमारा और दे ा के बाकी लोगों का दिल दिमाग दे ा की सीमाओं पर लगा है। लेकिन दे ा के प्रधान मंत्री का ध्यान सीमाओं की तरफ नहीं है तो यह दे ा का दुर्भाग्य ही है। यह लडाई खत्म हो जाए और दे ा की धरती से दु मन को खदेड दिया जाए तो मैं जनता के बीच में जाकर अपने हर नौजवान की भाहादत का सवाल उठाऊंगा और प्रधान मंत्री से और उनकी पार्टी से जवाब मांगूगा। फिलहाल मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि मेरी तकरीर के बाद अपने बहुमूल्य मत वि वास मत के पक्ष में देने का निर्णय करें।

Mr. Speaker: Question is-

That this House expresses its Confidence in the Council of Ministers.

Sh. Om Parkash Chautala: Sir, we want division.

(After ascertaining the votes of the members by voices. Mr. Speaker announced that "The Ayes have it". This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those members who were for "Aye and those who were for "No", respectively to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried. 55 votes were in favour of the motion and 33 votes were against the motion.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Mr. Ramesh Kashyap has not right to vote as per the decision of the Hon'ble Supreme Court, therefore, his vote has not been included in the voting.

बिल्ज–

(1) दि हरियाणा रूरल डिवैल्पमैंट(अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, the Development Minister will introduce the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Development Minister (Sh. Kanwal Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Rural Development (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Development Minister will move that the Bill be passed.

Development Minster (Sh. Kanwal Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(2) दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स(अमैंडमैंट) बिल, 1999

Mr. Speaker: Now, the Prohibition & Excise Minister will introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Prohibition & Excise Minister will move that the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the House stands adjourned sine die.

***23.46Hrs.**

(Then the Sabha *adjourned sine die)